केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com


महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

# मालवा हेराल्ड

**सुविचार**

जिनकी नजर लक्ष्य पर होती है, वह हर पल खुद को बेहतर बनाने में लगाते हैं

वर्ष : 17 अंक : 30 | उज्जैन, शुक्रवार 10 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

## न्यूज ब्रीफ

### जलभराव की समस्या पर एक्शन मोड में दिल्ली सरकार, सीएम रेखा गुप्ता ने किया संवेदनशील इलाकों का निरीक्षण



**नई दिल्ली/ जीएनएस।** दिल्ली में मानसून की भारी बारिश के बीच जलभराव की समस्या से निपटने के लिए दिल्ली सरकार पूरी तरह एक्शन मोड में है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज शालीमार गांव का दौरा कर जमीनी स्तर पर जलनिकासी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने उन इलाकों का बारीकी से निरीक्षण किया, जहां भारी बारिश के कारण पानी जमा हो जाता है। उन्होंने मौके पर मौजूद लोक निर्माण विभाग, एमसीडी और बाढ़ नियंत्रण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को पानी की त्वरित और उचित निकासी सुनिश्चित करने के लिए कड़े दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने साफ किया कि जनता को जलभराव के कारण किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बात करते हुए कहा, ÷दिल्ली में हो रही भारी बारिश को देखते हुए दिल्ली सरकार और सभी संबंधित विभाग पूरी तत्परता से काम कर रहे हैं। सभी संवेदनशील इलाकों पर नजर रखी जा रही है और जहां भी जलभराव की स्थिति बन रही है, वहां तुरंत आधुनिक पंपों और अतिरिक्त कर्मचारियों की मदद से पानी निकाला जा रहा है। प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि वे 24 घंटे अलर्ट पर रहें और जलभराव की शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करें ताकि शहर की रफ्तार न थमे।

### 25 महीने में पैसा दोगुना करने का झांसा देकर 16 करोड़ की ठगी, फर्जी कंपनी के 3 निदेशक समेत 6 गिरफ्तार



**हावड़ा/ जीएनएस।** महज 25 महीने में निवेश की राशि दोगुनी करने का लालच देकर करोड़ों रुपये की ठगी करने के आरोप में हावड़ा सिटी पुलिस की डिटेक्टिव डिपार्टमेंट (डीडी) की टीम ने एक फर्जी निवेश कंपनी के तीन निदेशकों सहित कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में कंपनी के निदेशक सुजय कांजीलाल, उनकी मां नमिता कांजीलाल, पत्नी सुद्रिशा कांजीलाल तथा तीन कर्मचारी तनुश्री बंद्योपाध्याय, अनिर्बाण कुंडू और अभिषेक पाल शामिल हैं। हावड़ा सिटी पुलिस के डिटेक्टिव डिपार्टमेंट के उपायुक्त (डीसीपी) आइपीएस राहुल मिश्रा ने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मामले की विस्तृत जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, हावड़ा के बेलिलियस रोड निवासी एक शिकायतकर्ता द्वारा बांतरा थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी की जांच के दौरान ये गिरफ्तारियां की गई। आरोप है कि मई 2024 में आरोपितों ने शिकायतकर्ता और उसके परिवार के सदस्यों को 25 महीने के भीतर निवेश की राशि दोगुनी करने का प्रलोभन देकर कुल 13 लाख रुपये निवेश कराए। शुरुआत में भरोसा जीतने के लिए कुछ रकम वापस की गई, लेकिन बाद में भुगतान पूरी तरह बंद कर दिया गया। जांच में पुलिस को पता चला कि ब्लूमवेल्थ ब्रांड इक्विटी ब्रोकर प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी कथित तौर पर चिटफंड की तर्ज पर संचालित की जा रही थी। कंपनी ने बंगाल के विभिन्न जिलों में अधिक मुनाफे का लालच देकर आम लोगों से बड़ी मात्रा में धन एकत्र किया और बाद में कथित रूप से उसका गबन कर लिया। पुलिस के अनुसार, कंपनी के खिलाफ हावड़ा के बांतरा, शिवपुर, चटर्जीहाट, बी-गार्डेन, पूर्व बर्द्धमान, हुगली जिले के मगरा तथा कोलकाता के हेयर स्ट्रीट सहित कई थानों में धोखाधड़ी के मामले दर्ज हैं। पुलिस का दावा है कि अब तक की जांच में लगभग 16 करोड़ रुपये के वित्तीय घोटाले के तथ्य सामने आए हैं। हावड़ा, पूर्व बर्द्धमान, कोलकाता सहित कई स्थानों से निवेशकों का पैसा जुटाया गया था। जांच अधिकारी गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर इस ठगी में शामिल अन्य लोगों, कंपनी के वित्तीय लेन-देन और ठगी के शिकार निवेशकों की वास्तविक संख्या का पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं।

## कृषि और कृषक कल्याण है सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

### किसानों को सिंचाई के लिए दिन में ही मिलने लगेगी पर्याप्त बिजली

**भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन और आधारभूत विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में %कृषि और कृषक% सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। किसान कल्याण वर्ष में किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए हैं। प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़कर 55 लाख हैक्टेयर से अधिक पहुंच गया है, जिससे कृषि उत्पादन में निरंतर वृद्धि हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को शाजापुर जिले की कालापीपल तहसील में आयोजित किसान समृद्धि संकल्प सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 30.86 करोड़ रुपए के 12 विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण किया। इनमें 01 करोड़ 45 लाख 56 हजार रूपये की लागत के 04 कार्यों का भूमि पूजन और 29 करोड़ 39 लाख 92 हजार रूपये लागत के 8 कार्यो का लोकार्पण शामिल है। सम्मेलन में किसान भाइयों ने भावांतर भुगतान योजना एवं केसीसी ऋण चुकाने की अवधि बढ़ाने पर मुख्यमंत्री का गजमाला से साथ ही हल भेंटकर एवं महिला किसानों ने राखी बांधकर स्वागत एवं अभिनन्दन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हितग्राहियों को हितलाभ वितरण कर सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परिसर में ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान अंतर्गत पौधा भी लगाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं उपस्थित अतिथियों ने एक पेड़ मॉ के नाम, हर भरा कालापीपल अभियान अंतर्गत 04 लाख पौधे रोपण के लक्ष्य अन्तर्गत कृषि उपज मण्डी प्रांगण में पौध-रोपण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागरिकों से अधिक से अधिक पौध-रोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए जनभागीदारी से पौध-रोपण अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कालापीपल क्षेत्र 04 लाख पौधे रोपित करने के लक्ष्य का यह वृक्ष गंगा अभियान का नया रिकॉर्ड बना रहा हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन राशि देने तथा दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए गौपालकों को विशेष सहायता प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहना योजना अन्तर्गत अब तक लगभग 60 हजार करोड़ रुपये की राशि प्रदेश की बहनों के खातों में अंतरित की जा चुकी है। इससे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) परियोजना सहित विभिन्न नदी जोड़ो योजनाओं से लाखों हैक्टेयर भूमि सिंचित होगी। इससे शाजापुर सहित अनेक जिलों के किसानों को दीर्घकालीन लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शाजापुर जिले के प्रत्येक गांव तक नर्मदा का पानी पहुंचाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। सरकार इस दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को अब सिंचाई के लिए रात में खेतों पर नहीं जाना पड़ेगा। सरकार चरणबद्ध तरीके से किसानों को दिन के समय ही सिंचाई के लिये विद्युत उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में किसानों को अब खरीफ और रबी फसल के लिए अलग-अलग ऋण लेने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्हें पूरे वर्ष के लिए एक ही फसल ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे किसानों को आर्थिक सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार कृषि लागत कम करने, उत्पादन बढ़ाने तथा किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। उद्योगों में बड़े निवेश के साथ युवाओं को सरकारी एवं निजी क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में औद्योगिक निवेश तेजी से बढ़ा है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर विकसित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार सड़क, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और अधोसंरचनात्मक के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से विकास कार्यों में सहभागी बनने का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार किसान, महिला, युवा और गरीब सहित समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंदरसिंह परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में शाजापुर जिला प्रगति की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि शाजापुर जिला मेडिकल शिक्षा, आयुर्वेदिक और शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा का हब बनने जा रहा है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि शाजापुर में मेडिकल कॉलेज व शुजालपुर में आयुर्वेदिक कॉलेज की सौगात तथा कई सांदीपनि विद्यालय शाजापुर जिले में बनाए जा रहे हैं, इससे शाजापुर जिले के विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के लिए अन्य शहरों में नहीं जाना पड़ेगा।

## देशभर में बारिश ने मचाई तबाही, दिल्ली-यूपी-बिहार समेत 9 राज्यों में हाई अलर्ट

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** देशभर में भारी बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने अगले 7 दिन उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्यप्रदेश समेत कई राज्यों में अलर्ट जारी किया है।



देश के अलग-अलग हिस्सों में हुई बारिश के चलते कई जगहों पर सड़कें जलमग्न हो गईं और यातायात बाधित रहा। देश की राजधानी दिल्ली में कई इलाकों में जलजमाव हो गया। आईएमडी ने देश के कई हिस्सों में भारी बारिश, बिजली गिरने और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने दिल्ली में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने भारी बारिश, गरज-चमक के साथ तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाओं की चेतावनी दी है।

मंगलवार से दिल्ली में बुधवार रात बारिश का दौर जारी रहा, जिससे शहर भर में कई सड़कें जलमग्न हो गईं। दिल्ली के विकास मार्ग, मुनीरका, द्वारका, गीता कॉलोनी, सदर बाजार, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन और पूर्वी दिल्ली में जलभराव हुआ।

उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया, इनमें से 27 जिलों में रेड अलर्ट है। गुरुवार सुबह नोएडा, गाजियाबाद समेत 50 जिलों में बारिश हो रही है। नोएडा में बारिश के चलते सड़कों पर पानी भर गया, तो वहीं गाजियाबाद में सड़क धंस गई। वहीं बुलंदशहर में दुकानों और घरों में पानी घुस गया।

मध्यप्रदेश के कई हिस्सों में बारिश का कहर जारी है। मौसम विभाग ने कई जिलों में अति भारी बारिश के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटों के दौरान सबसे अधिक बारिश खजुराहो और मंडला में दर्ज की गई है। खजुराहो में लगभग 4।4 इंच और मंडला में 4।2 इंच बारिश हुई है। इसके अलावा भिंड में 134 मिमी रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई।

वहीं गुजरात के कई हिस्सों में भारी बारिश का असर गुरुवार को भी जारी है। सूरत में भारी बारिश के कारण सारथाना इलाके में समुद्र का पानी रिहायशी इलाकों में घुस गया। सूरत में मूसलाधार बारिश से 85 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया है, जहां कुछ ही घंटों में 13 से 14 इंच बारिश हुई। मौसम विभाग ने राज्य के कई जिलों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

हरियाणा के लिए मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है। यहां भारी बारिश के साथ तूफान, बिजली गिरने और 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है।

## कभी वापस नहीं आऊंगा, शिवसेना पार्षद के हमले के बाद डॉक्टर का इस्तीफा; छोड़ा शहर



**ठाणे/ जीएनएस।** महाराष्ट्र के ठाणे के सरकारी अस्पताल में हुए घटनाक्रम के बाद डॉक्टर का बयान सामने आया है। डॉक्टर के मुताबिक, उन्होंने शहर छोड़ दिया है और वे कभी वापस नहीं जाएंगे। डॉक्टर ने कहा, मैंने इस्तीफा दे दिया है क्योंकि बहुत डर का माहौल है। गुंडे हम पर नजर रखे हुए हैं और मैं शहर छोड़ चुका हूं। वे बहुत खतरनाक लोग हैं। हो सकता है कि दूसरे डॉक्टर वहां काम करते रहें, लेकिन मैं नहीं कर सकता। मैं वहाँ दोबारा नहीं जाऊंगा।

6 जुलाई अस्पताल में हुई डॉक्टर से मारपीट - यह घटना 6 जुलाई को डोंबिवली में कल्याण-डोंबिवली नगर निगम द्वारा संचालित शास्त्री नगर अस्पताल में हुई। अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, घटना तब शुरू हुई जब दो डॉक्टरों - एक पुरुष और एक महिला - ने नवजात शिशु के रिश्तेदारों को बच्चे को किसी दूसरे अस्पताल में ले जाने की सलाह दी, क्योंकि अस्पताल का नियोनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट भरा हुआ था।

## बेंगलुरु में शिक्षक निकला भक्षक, लोहे की रॉड से मारा; गर्दन मरोड़कर 12 साल के बच्चे की हत्या

**बेंगलुरु/ जीएनएस।** बेंगलुरु में येलाहंका के पास एक रेजिडेंशियल स्कूल के फिजिकल एजुकेशन टीचर (PT टीचर) पर आरोप है कि उसने 12 साल के बच्चे की लोहे की रॉड से पीट-पीटकर हत्या कर दी।



यह घटना बागलूर के कदयारप्पनाहल्ली गांव में स्टर्लिंग इंग्लिश रेजिडेंशियल स्कूल में हुई। बच्चे के पिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने टीचर नारायण के खिलाफ BNS की धारा 101 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया है।

12 साल के बच्चे की पीट-पीटकर हत्या- बच्चे के पिता ने PT टीचर पर आरोप लगाया कि नारायण ने लोहे की रॉड से उनके बेटे को मारा और उसकी गर्दन मोड़ दी, जिससे उसकी मौत हो गई। 12 साल के बच्चे की मौत के बाद बुधवार को स्कूल में बच्चे के माता-पिता और रिश्तेदारों ने विरोध-प्रदर्शन किया। सुबेदारपाल्या के रहने वाले बच्चे के पिता ने मीडिया को बताया कि स्कूल प्रशासन ने उन्हें सुबह करीब 6 बजे फोन करके बताया कि बच्चा बीमार पड़ गया है और उसे पास के अस्पताल ले जाया गया है। पिता ने बताया, मेरा बेटा तब इस स्कूल में भर्ती हुआ था जब वह पांचवीं कक्षा में पढ़ता था। स्कूल का दावा है कि आज सुबह जॉगिंग करते समय वह गिर पड़ा, लेकिन जब हम अस्पताल पहुंचे, तो वह मृत मिला। मुझे शक है कि स्कूल के अंदर कुछ हुआ है।

## बिहार के किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी, अब 12 घंटे मिलेगी सस्ती बिजली

**पटना/ जीएनएस।** बिहार में सूखे जैसे हालात और सिंचाई की बढ़ती चुनौतियों के बीच राज्य सरकार ने किसानों के लिए बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि किसानों को सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक एग्रीकल्चर फीडर के जरिए 12 घंटे निर्बाध बिजली उपलब्ध कराई जाए।



सरकार के इस फैसले से खासतौर पर उन किसानों को राहत मिलने की उम्मीद है, जो बारिश की कमी के कारण सिंचाई को लेकर परेशान हैं। अब खेतों तक पर्याप्त बिजली पहुंचने से पटवन का काम आसान हो सकेगा।

**सिर्फ 55 पैसे प्रति यूनिट में मिलेगी बिजली**

राज्य सरकार पहले से ही कृषि उपभोक्ताओं को बेहद रियायती दर पर बिजली उपलब्ध करा रही है। किसानों को कृषि कनेक्शन पर करीब 55 पैसे प्रति यूनिट की दर से बिजली मिल रही है।

सरकार के अनुसार किसानों को बिजली दर में लगभग 93 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है। इसका उद्देश्य खेती की लागत कम करना और किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाना है।

## पीएम मोदी की समुद्र नीतिः ऑस्ट्रेलिया-इंडोनेशिया के साथ भारत की अहम डील, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ी ताकत

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** अमेरिका की अगुवाई में गठित क्वाड संगठन का एक सक्रिय देश होने के बावजूद हिंद प्रशांत क्षेत्र में अपनी रणनीतिक हितों के लिए भारत सिर्फ देश के भरोसे नहीं रहना चाहता। बल्कि अब इस ?क्षेत्र के कुछ और महत्वपूर्ण देशों के साथ अपनी रक्षा संबंधों को प्रगाढ़ कर रहा है।



इस बात का पता मेलबार्न में भारत और ऑस्ट्रेलिया सालाना सम्मेलन के बाद जारी तीन प्रमुख घोषणाओं से चलता है। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने रक्षा व सुरक्षा सहयोग पर संयुक्त घोषणापत्र जारी किये हैं जबकि समुद्री सुरक्षा पर अलग से एक रोडमैप की घोषणा की है और अलग से ऊर्जा सुरक्षा में सहयोग का भावी सहयोग पर संयुक्त घोषणापत्र लागू किया है। ठीक इसी तरह के तीन समझौते दो दिन पहले पीएम मोदी की जकार्ता यात्रा के दौरान भारत और इंडोनेशिया के बीच किया गया है।

भारत की अहम डील- जानकारों का मानना है कि यह भारत की इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया व हिंद प्रशांत क्षेत्र के अन्य देशों के बीच समुद्री सुरक्षा का व्यापक सहयोग ढांचा तैयार करने की तरफ बढ़ाया गया कदम है।

भारत ने पहले ही इन देशों के साथ वर्ष 2017 में एक त्रिपक्षीय सहयोग को लेकर वार्ता की शुरुआत की थी। इसकी अंतिम बैठक कैनबरा में 24 जून, 2025 ट्राइलेटरल मैरीटाइम सिक्योरिटी डायलाग के तहत हुई है, जिसें उत्तर-पूर्व हिंद महासागर में सुरक्षा चुनौतियों और संयुक्त अभियानों पर पहली बार बात हुई है।

जानकारों का मानना है कि पीएम मोदी की एक साथ इन दोनों देशों की यात्रा करने और दोनों देशों के साथ समुद्री सुरक्षा पर व्यापक रोडमैप की घोषणा भारत की दीर्घकालिक रणनीति के तहत उठाया गया कदम है। आने वाले दिनों में इन तीनों देशो की तरफ से और घोषणाएं संभव हैं।

## राम मंदिर चढ़ावा चोरीः शेयर मार्केट में भी पैसा लगाते थे आरोपी, रिश्तेदारों के खाते से कराते थे ट्रांसफर

**अयोध्या/ जीएनएस।** राम नगरी में अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि परिसर के मंदिरों से चढ़ावा चोरी का आरोपितों के सपने काफी बड़े थे। जिला कारागार में बंद चढ़ावा चोरी का आरोपितों को रिमांड पर लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।



राम मंदिर के चढ़ावा चोरी प्रकरण में तीन आरोपितों अनुकल्प, लवकुश व करुणेश की कस्टडी रिमांड आज रात दस बजे पूरी हो जाएगी और पुलिस इन्हें जेल में दाखिल कर देगी।

पूछताछ के दौरान आरोपितों ने पुलिस को बताया है कि वे लोग शेयर मार्केट में पैसा लगाते थे। उन लोगों पर कोई शक न करे, इसलिए अपने रिश्तेदारों और परिचितों के खाते से पैसा भेज कर उसे ट्रांसफर कराते थे। पुलिस ने इन आरोपितों के 30 परिचितों के खाते फ्रीज करा दिए हैं। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों और उनके रिश्तेदारों के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है, जिनमें आय से अधिक का संदिग्ध लेन-देन मिला है।

अनुकल्प, लवकुश व करुणेश को पुलिस पहले लवकुश के घर भी ले गई। इसके बाद अयोध्या में ही पुलिस इनको विभिन्न स्थान पर ले गई। इन तीनों की कस्टडी के दौरान कोई नकदी बरामद नहीं होने की बात कही जा रही है, लेकिन सूत्रों ने बताया है कि अनुकल्प के किसी रिश्तेदार ने 20 हजार रुपये वापस किए हैं। आरोपियों के मोबाइल से रिकवर हुए चैट से पैसों के बंटवारे और हिस्सेदारी को लेकर आपसी विवाद की बातें भी सामने आई हैं। पुलिस ने अभी भी अनुकल्प के पिता रवींद्र मिश्र व चाचा रामेंद्र मिश्र सहित सराफा कारोबारी विजय कौशल को हिरासत में रखा है। कारोबारी पर आरोप है कि वह अनुकल्प की ओर से दिए गए आभूषणों को गला देता था।

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले के मुख्य आरोपी अनुकल्प मिश्रा और अविनाश शुक्ला ने पुलिस पूछताछ में स्वीकार किया है कि वे चोरी के पैसों को शेयर मार्केट में लगाते थे। पुलिस रिमांड के दौरान हुई पूछताछ में आरोपियों ने इस बात का खुलासा किया है।

# शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय किला भवन में प्रवेश मेला का शुभारंभ

## छात्राओं को प्रवेश संबंधी जानकारी प्रदान की गई

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय किला भवन में प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के निर्देशन तथा प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी.पी. बैरागी के मार्गदर्शन में प्रवेश समिति द्वारा नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश मेला का शुभारंभ किया गया। यह प्रवेश मेला गत दिवस से आगामी 15 जुलाई 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। प्रवेश मेले के उद्घाटन अवसर पर महाविद्यालय प्रशासन द्वारा छात्राओं एवं अभिभावकों का स्वागत करते हुए विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों, प्रवेश प्रक्रिया, विषय चयन, छात्रवृत्ति योजनाओं तथा महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रवेश मेला छात्राओं को उच्च शिक्षा के अवसरों से जोड़ने तथा उन्हें सही विषय एवं पाठ्यक्रम के चयन में मार्गदर्शन देने का प्रभावी माध्यम है। प्रवेश संबंधी सभी समस्याओं के समाधान हेतु महाविद्यालय में सहायता काउंटर स्थापित किए गए हैं, जहाँ विषय विशेषज्ञ प्राध्यापक एवं कंप्यूटरऑपरेटर्स ने छात्राओं को आवश्यक परामर्श प्रदान कर रहे हैं।

प्रवेश मेले के दौरान छात्राओं को महाविद्यालय की उपलब्धियों, पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं, खेल सुविधाओं, एनएसएस, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं रोजगारोन्मुखी कार्यक्रमों की जानकारी भी दी जा रही है। बड़ी संख्या में छात्राओं एवं अभिभावकों ने मेले में सहभागिता कर प्रवेश प्रक्रिया संबंधी जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का आयोजन प्रवेश समिति की संयोजक प्रो. विनीता वर्मा तथा उनकी टीम द्वारा किया गया।

# सेफ क्लिक 2.0 अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर इंदौर पुलिस को मिला प्रदेश स्तरीय सम्मान

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** साइबर अपराधों के प्रति जनजागरूकता फैलाने और डिजिटल सुरक्षा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए चलाए गए 'सेफ क्लिक 2.0' अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए इंदौर पुलिस कमिश्नरेट को प्रदेश स्तर पर सम्मानित किया गया है। भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने इंदौर पुलिस को शील्ड एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। यह सम्मान अभियान के दौरान किए गए व्यापक जनजागरूकता प्रयासों और उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए प्रदान किया गया।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में 24 जून से 8 जुलाई 2026 तक संचालित इस अभियान के दौरान इंदौर पुलिस ने साइबर सुरक्षा को जनआंदोलन का रूप देने के उद्देश्य से शहरभर में अभूतपूर्व स्तर पर जागरूकता गतिविधियां संचालित कीं। स्कूलों, कॉलेजों, कॉलोनियों, बस्तियों, बैंक, होटल-रेस्टोरेंट, सिनेमाघरों, प्रमुख मॉल, बाजारों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। अभियान के अंतर्गत व्याख्यान, नुक्कड़ नाटक, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, साइबर सुरक्षा गीत एवं नृत्य, रंगोली और पेंटिंग प्रतियोगिताएं, साइबर सुरक्षा रथ, साइकिल रैली, मैराथन, साइबर हैकेथॉन, पोस्टर-बैनर, पंपलेट वितरण तथा बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, लोक परिवहन वाहनों, सिनेमाघरों और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर एलईडी स्क्रीन के माध्यम से जागरूकता वीडियो प्रदर्शित किए गए।

## पितृ पर्वत मार्ग पर बुढानिया की 48 एकड़ पहाड़ी पर होगा 1 लाख पौधों का रोपण

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्रधानमंत्री के आह्वान पर संचालित 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत इंदौर शहर में वृहद स्तर पर पौधारोपण की तैयारियां शुरू हो गई हैं। पितृ पर्वत मार्ग स्थित बुढानिया की 48 एकड़ पहाड़ी पर इस वर्ष लगभग 1 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा।

यह पौधारोपण अभियान पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र के विस्तार तथा इंदौर को और अधिक हरित एवं स्वच्छ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अभियान की तैयारियों का लिया जायजा- अभियान की तैयारियों का जायजा लेने के लिए बुधवार को प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सीमा सुरक्षा बल (बी.एस.एफ.) के कमांडेंट ज्ञानेश्वर खाड़े तथा नगर निगम एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ स्थल का निरीक्षण किया।

प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बीएसएफ अधिकारियों एवं नगर निगम के अधिकारियों के साथ पौधों की उपलब्धता, गड्ढे तैयार करने के कार्य, सिंचाई व्यवस्था, पौधों के संरक्षण, रखरखाव तथा पौधारोपण के चरणबद्ध क्रियान्वयन सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की। प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने चर्चा के दौरान मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी आवश्यक तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण की जाएं ताकि पौधारोपण अभियान प्रभावी एवं व्यवस्थित रूप से संचालित किया जा सके।

## 31 अक्टूबर तक राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर कर सकेंगे आवेदन

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** श्रमिक परिवारों के बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। योजना के अंतर्गत बीड़ी एवं खदान श्रमिकों के अध्ययनरत संतानों को स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा तक एक हजार से 25 हजार रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। श्रम कल्याण संगठन जबलपुर द्वारा पात्र विद्यार्थियों तक योजना की जानकारी पहुंचाने तथा समय-सीमा में आवेदन एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए छात्रवृत्ति आवेदन राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) पर एक जून से प्रारंभ हो चुके हैं। पात्र विद्यार्थी 31 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। छात्रवृत्ति हेतु आवेदन करने के लिए ओ.टी.आर. (One Time Registration व फेस ओथेंटिकेशन प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है।

आवेदन की पात्रता व संबंधित अन्य जानकारी/शर्तें नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर भी उपलब्ध है। ऑनलाईन आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेजों को स्कैन कर अपलोड करें जो कि स्पष्ट और पठनीय हो। आवेदन करने के पश्चात् अपने विद्यालय/महाविद्यालय में संपर्क स्थापित कर अपने आवेदन को स्कॉलरशिप पोर्टल (https://scholarships.gov.in/ के माध्यम से ही सत्यापित करवाना सुनिश्चित करें।

ऑनलाईन आवेदन करने संबंधी अन्य किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु जबलपुर मुख्यालय के दूरभाष क्रमांक 0761-4039511, 4039510 या e-mail ID-wc.jabalpur@rediffmail.com, wcjab@mp.gov.in, तथा कल्याण प्रशासक कार्यालय इन्दौर के दूरभाष क्रमांक-0731-2703530 व e-mail ID – waind@mp.gov.in पर संपर्क स्थापित किया जा सकता है। साथ ही मध्यप्रदेश परिक्षेत्र में संचालित अपने नजदीकी औषधालयों एवं केन्द्रीय चिकित्सालय सागर में व्यक्तिगत रूप से भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। विभाग द्वारा महाविद्यालयों से अधिकाधिक पात्र विद्यार्थियों को योजना से जोड़ने और उनके आवेदनों का समयबद्ध सत्यापन सुनिश्चित करने को कहा है।

योजना के अंतर्गत कक्षा एक से लेकर व्यावसायिक पाठ्यक्रमों तक अध्ययनरत विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष 1,000 रुपये से 25,000 रुपये तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। कक्षा एक से चौथी तक के विद्यार्थियों को 1,000 रुपये, कक्षा 5 से 8 तक 1,500 रुपये, कक्षा 9 एवं 10 के विद्यार्थियों को 2,000 रुपये, कक्षा 11 एवं 12 के विद्यार्थियों को 3,000 रुपये तथा आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं डिग्री पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को 6,000 रुपये की सहायता दी जाती है।

# विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास को मिलेगी नई दिशा, जीएसीसी और तात्या टोपे विश्वविद्यालय के बीच हुआ एमओयू

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** विद्यार्थियों के शैक्षणिक, शोध एवं व्यावसायिक विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय (जीएसीसी), इंदौर और क्रांतिवीर तात्या टोपे विश्वविद्यालय, गुना के बीच बुधवार को महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के माध्यम से दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक सहयोग को मजबूत करने के साथ विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए नए अवसर उपलब्ध होंगे।

एमओयू पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. ममता चंद्रशेखर एवं क्रांतिवीर तात्या टोपे विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. कृष्ण यादव ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. ममता चंद्रशेखर ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के ज्ञान, कौशल और सकारात्मक दृष्टिकोण का समग्र विकास करना है। उन्होंने कहा कि यह समझौता दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक एवं व्यावसायिक संबंधों को नई दिशा देगा और विद्यार्थियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराएगा।

डॉ. ममता चंद्रशेखर ने बताया कि यह एमओयू एक अग्रणी विश्वविद्यालय के साथ शैक्षणिक साझेदारी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसके माध्यम से शोध गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा, संयुक्त शोध परियोजनाएं संचालित की जाएंगी तथा शोध पत्रों के प्रकाशन को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके साथ ही स्टूडेंट एवं फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सेमिनार, कार्यशालाओं और कॉन्फ्रेंस का आयोजन भी किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों और शिक्षकों को नवीनतम ज्ञान एवं अनुभव प्राप्त होगा।

उन्होंने कहा कि नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ हुआ यह समझौता विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने में सहायक सिद्ध होगा। वहीं शिक्षकों को भी शोध, प्रशिक्षण, शैक्षणिक सहयोग और करियर उन्नयन के नए अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों संस्थानों के बीच यह सहयोग उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

# स्वास्थ्य विभाग द्वारा वर्षा ऋतु में जल जनित बीमारियों से बचाव हेतु अपनाये जाने वाली सावधानियां

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** वर्षा ऋतु में यह संभावना बनी रहती है कि जल जनित रोगों से संक्रमण फैलने का खतरा बना रहता है, इसके संबंध में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आमजन से आग्रह किया है कि अपने स्वस्थ को सुरक्षित रखने के लिए निम्न सावधानियां बरती जा सकती है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी किए गए ?दिशानिर्देशानुार दूषित जल से डायरिया टाइफाइड और हेपेटाइटिस सभी आयु समूह विशेषकर बच्चों और शिशुओं में बीमारी का प्रमुख कारण हैं। जल जनित बीमारियों का प्रसार मानसून, बाढ़ के बाद बढ़ जाता है, इन बीमारियों को रोकने के उपायों में सुरक्षित पेयजल बेहतर स्वच्छता और साबुन से नियमित रूप से हाथ धोना चाहिए, जिससे की बीमारी का खतरा कम हो जाता है। इस दौरान मुख्य रूप से दूषित जल के उपयोग के कारण होने वाली बीमारियां ही प्रमुख रूप से देखी जाती है। दूषित जल के सेवन से टाइफाईट, पीलिया, डायरिया, पैचिश एवं हैजा जैसी बीमारियां भी फैलती हैं।

भोजन बनाने में एवं पेयजल के रूप में शुद्ध उबला हुआ जल का उपयोग करें। कुछ भी खाने के पहले व शौच के पश्चात साबुन से अवश्य हाथ धोयें, दूषित पानी और अस्वच्छ आदतों से फैलने वाली बीमारियों को मोटे तौर पर दस्त कृमि संक्रमण त्वचा और आंखों के रोग/मच्छरों एवं मक्खियों से फैलने वाले रोग सम्मिलित हैं। मुख्य रूप से बच्चों में यह अधिक गंभीर रूप ले सकता है। यह रोग इसलिये भी गंभीर है क्योंकि शरीर में से पानी निकल जाने से बच्चे की मृत्यु भी हो सकती है। दस्त रोग की रोकथाम हेतु प्रायः शुद्ध पेयजल एवं शुद्ध भोजन का उपयोग करें, सड़े-गले फल एवं खाद्य पदार्थों का उपयोग न करें, खुले में शौच न करें शौचालय का उपयोग करें, घर के आस-पास साफ सफाई रखें पानी जमाना होने दें, पानी के निकास की उचित व्यवस्था करें, दस्त लगने पर ओआरएस एवं जिंक सल्फेट की गोली का उपयोग चिकित्सक की सलाह से करें, मक्खियों से बचाव करें, हरी सब्जी एवं फलों के उपयोग करने से पहले साफ पानी से धोकर उपयोग करें।

मलेरिया/डेंगू रोग बरसात में ज्यादा फैलता है, इस रोग से ग्रसित मरीज को ठण्ड लगकर बुखार आता है। प्रायः खेत, तालाब, गड्ढे, खाई, घर के आसपास रखे हुए टूटे-फूटे डब्बे, पुराने टायर, पशु के पानी पिने का होद इत्यादि में बरसात के दिनों में जल जमा हो जाता है। जिससे भरे हुए पानी में मच्छर के लार्वा पैदा होते हैं, जो बाद में मच्छर बनकर रोग फैलाते है। मलेरिया से बचाव हेतु घर के आसपास जल जमा न होने दें, रूके हुए पानी में मिट्टी का तेल या जला हुआ ऑईल डालें। कूलर, फुलदान, फ्रिज ट्रे आदि को सप्ताह में एक बार अवश्य साफ करें, सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें, किटनाशक का छिड़काव करवायें, मलेरिया रोग हो जाने पर खून की जांच अवश्य करायें एवं चिकित्सक की सलाह से पूर्ण उपचार लें।

सभी क्षेत्रों की आर.आर.टी. टीमों को भी सक्रिय किया गया है तथा निर्देशित किया गया है कि किसी भी प्रकार की आकस्मिकता की स्थिति में जिला मुख्यालय को सूचित करें।

## जनगणना संबंधी हस्तपुस्तिका बनेगी

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** इंदौर जिले में जनगणना का कार्य निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इंदौर जिले में जनगणना से संबंधित हस्तपुस्तिका बनायी जाएगी। इसके लिए संबंधित निकाय के अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम रीजनल कैपेसिटी बिल्डिंग सेंटर सैटेलाईन भवन में आयोजित होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम 10 जुलाई से प्रारंभ होगा, जिसमें देपालपुर, हातोद, मल्हारगंज और जूनी इंदौर तहसील के कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसी तरह 11 जुलाई को सांवेर, खुडेल और बिचौली तहसील, 13 जुलाई को डॉ. अम्बेडकर नगर महू, कनाड़िया और राऊ तहसील तथा 14 जुलाई को नगर निगम इंदौर सहित जिले की सभी नगर परिषद और कंटोमेंट बोर्ड महू के कर्मियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। उक्त तिथियों में लगभग 150 कर्मी प्रशिक्षित होंगे।

## घटना को अंजाम देने से पहले ही पुलिस ने दबोचे दो शातिर बदमाश, धारदार स्प्रिंग चाकू बरामद

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और असामाजिक तत्वों पर लगातार कार्रवाई के तहत हीरा नगर थाना पुलिस ने दो आदतन बदमाशों को अवैध धारदार स्प्रिंग चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को किसी वारदात को अंजाम देने से पहले ही पुलिस ने दबोच लिया। आरोपियों के कब्जे से दो धारदार स्प्रिंग वाले चाकू बरामद किए गए हैं। उनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर थाना हीरा नगर पुलिस क्षेत्र में गुंडे-बदमाशों एवं संदिग्ध व्यक्तियों की लगातार चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान 8 जुलाई को पुलिस टीम को क्षेत्र में दो संदिग्ध युवक दिखाई दिए। पुलिस को देखकर दोनों युवक भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम उदय पिता सूबेदार तिवारी (20 वर्ष), निवासी सी-830, सुखलिया, इंदौर तथा कान्हा उर्फ कृष्णा पिता संजीव शर्मा (19 वर्ष), निवासी सी-848, सुखलिया, इंदौर बताए। पुलिस ने दोनों की तलाशी ली तो उनके पास से एक-एक धारदार स्प्रिंग वाला चाकू बरामद हुआ। चाकू रखने के संबंध में वैध लाइसेंस या अनुमति मांगे जाने पर आरोपी कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार जब्त कर उनके विरुद्ध आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी आदतन अपराधी हैं और उनके विरुद्ध पूर्व में भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि आरोपी किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में तो नहीं थे।

पुलिस का कहना है कि शहर में अपराधियों और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे तत्वों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# महिलाओं और बच्चों की डिजिटल और साइबर सुरक्षा के लिए एनजीओ, महिला आयोग और गूगल एक मंच पर

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** डिजिटल तकनीक के तेजी से बढ़ते उपयोग के साथ महिलाओं और बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा आज देश के सामने सबसे बड़ी सामाजिक और तकनीकी चुनौतियों में शामिल हो गई है। इसी चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश राज्य महिला आयोग, आहान फाउंडेशन और वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल के सहयोग से भोपाल में आयोजित विशेष एनजीओ मीट में डिजिटल सुरक्षा , साइबर अपराधों की रोकथाम और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग पर व्यापक विमर्श हुआ।

मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग परिसर में आयोजित कार्यक्रम में आयोग की सदस्य श्रीमती साधना स्थापक ने कहा कि डिजिटल युग ने जितने अवसर उपलब्ध कराए हैं, उतनी ही नई चुनौतियां भी सामने आई हैं। महिलाओं और बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा केवल कानून या तकनीक का विषय नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों की

बदलती प्रकृति को देखते हुए डिजिटल जागरूकता, समय पर शिकायत और सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार को जन-आंदोलन का स्वरूप देना होगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों को डिजिटल प्लेटफॉर्म का सुरक्षित उपयोग सिखाना समय की आवश्यकता है। परिवार, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों, तकनीकी प्रशिक्षण संस्थानों और शासन के समन्वित प्रयासों से ही ऐसा डिजिटल वातावरण बनाया जा सकता है, जहां प्रत्येक नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करें।

कार्यक्रम में राज्य महिला आयोग के सदस्य सचिव श्री सुरेश तोमर भी उपस्थित रहे। 'रिस्पॉन्सिबल नेटिजन' कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित संवाद में महिला एवं बाल कल्याण के क्षेत्र में कार्यरत कई स्वयंसेवी संस्थाओं ने भाग लेकर जमीनी अनुभव साझा किए तथा डिजिटल सुरक्षा को लेकर सामुदायिक स्तर पर जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम में गूगल की डायरेक्टर (सर्च एंड जेनरेटिव एआई ट्रस्ट एंड सेफ्टी) सुश्री स्निग्धा भारद्वाज ने 'चाइल्ड सेफ्टी एंड एआई' विषय पर कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का विकास बच्चों और समाज के हितों को केंद्र में रखकर किया जाना चाहिए। उन्होंने सुरक्षित डिजिटल प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन जोखिमों की पहचान और बच्चों के लिए जिम्मेदार डिजिटल वातावरण तैयार करने की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं गूगल के ट्रस्ट एंड सेफ्टी विभाग के श्री समीर ने साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं और सुरक्षा मानकों की जानकारी साझा की।

आहान फाउंडेशन की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री सोनाली पाटणकर ने डिजिटल सुरक्षा पर आयोजित विशेष सत्र में साइबर धोखाधड़ी, ऑनलाइन उत्पीड़न, फर्जी लिंक, डेटा सुरक्षा और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग से जुड़े व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डिजिटल साक्षरता आज केवल एक कौशल नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की बुनियादी आवश्यकता बन चुकी है।

कार्यक्रम के समापन पर सभी सहभागी स्वयंसेवी संस्थाओं ने महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित, समावेशी और विश्वासपूर्ण डिजिटल इकोसिस्टम के निर्माण के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि शासन, तकनीकी संस्थान, स्वयंसेवी संस्थाओं और समाज के सामूहिक प्रयासों से ही साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकता है तथा डिजिटल भारत के सुरक्षित भविष्य की मजबूत नींव रखी जा सकती है।

# कचरा बनेगा कमाई का खजाना, वेस्ट से तैयार होंगे उपयोगी उत्पाद; लगेंगी अत्याधुनिक मशीनें

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** घरों और दुकानों से निकलने वाला कचरा अब केवल निस्तारण का विषय नहीं रहेगा, बल्कि उससे उपयोगी और टिकाऊ उत्पाद भी तैयार किए जाएंगे।

इंदौर की ग्राम पंचायत काली बिल्लोद स्थित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन इकाई में जल्द ही आधुनिक मशीनें स्थापित की जाएंगी, जिनकी मदद से प्लास्टिक एवं अन्य ठोस कचरे को प्रोसेस कर टेबल, कुर्सियां, दरवाजे, खिड़कियां सहित कई उपयोगी वस्तुएं बनाई जाएंगी। इस पहल से जहां कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन होगा, वहीं ग्राम पंचायतों के लिए आय का नया स्रोत भी विकसित होगा।

काली बिल्लोद स्थित एफएसटीपी (फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट) एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन इकाई में कचरे के निपटान के साथ रिसाइकलिंग की योजना तैयार की गई है।बीते माह केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की संयुक्त सचिव ऐश्वर्या सिंह ने इस इकाई का दौरा किया था। उन्होंने प्लांट के संचालन, कचरा संग्रहण, प्रसंस्करण और निपटान की पूरी प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा प्रस्तावित नई तकनीक और मशीनों की जानकारी लेकर इस पहल को सराहा था। जिला पंचायत के सीईओ सिद्धार्थ जैन ने उन्हें पूरे स्वच्छता मॉडल और प्रस्तावित नवाचारों से अवगत कराया। सीईओ जैन का कहना है कि काली बिल्लोद ईकाई में जल्द ही मशीने लगाई जाएंगी, इसकी प्रक्रिया की जा रही है।

पर्यावरण संरक्षण की पहल-परियोजना के तहत एग्लोमरेटर (डेंसिफायर), इंजेक्शन मोल्डिंग मशीन, प्लास्टिक एक्सट्रूडर और पैलेटाइज़र जैसी अत्याधुनिक मशीनें लगाई जाएंगी।

इनके माध्यम से प्लास्टिक कचरे को उपयोगी उत्पादों में बदला जाएगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में कचरे के बेहतर प्रबंधन से स्वच्छता के साथ ही पर्यावरण संरक्षण की पहल भी पूरी होगी।कचरे के पुनः उपयोग से न केवल प्रदूषण कम होगा, बल्कि पंचायतों को अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा ।

जैविक कचरे से खाद तैयार-वर्तमान में काली बिल्लोद, रणमत बिल्लोद और सलमपुर ग्राम पंचायतों से प्रतिदिन डोर-टू-डोर कचरा संग्रहित कर इस इकाई तक पहुंचाया जाता है। यहां जैविक कचरे से खाद तैयार की जाती है, जबकि प्लास्टिक और अन्य ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक तरीके से प्रसंस्करण किया जाता है। नई मशीनों के शुरू होने के बाद इसी कचरे से उपयोगी फर्नीचर और निर्माण सामग्री तैयार होगी।

# ठेकेदार के स्पष्टीकरण से शिकायत का निराकरण स्वीकार नहीं, स्वतंत्र तकनीकी जांच करवाएं केंद्र सरकार- जगदीश अग्रवाल

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** पत्रकार एवं समाजसेवी जगदीश अग्रवाल ने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के गरोठङ्कदलावदा (सीतामऊ) खंड पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को अत्यंत गंभीर जनहित एवं सड़क सुरक्षा का विषय बताते हुए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव श्री वी. उमाशंकर को विस्तृत प्रतिवेदन भेजकर पूरे प्रकरण की स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय तकनीकी जांच कराने की मांग की है।

बीवी अग्रवाल ने अपने प्रतिवेदन में कहा है कि उन्होंने पूर्व में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री माननीय श्री नितिन गडकरी को शिकायत भेजकर इस दुर्घटना-प्रभावित खंड की हाई लेवल टेक्निकल इन्वेस्टिगेशन तथा संपूर्ण मार्ग का रोड सेफ्टी ऑडिट कराए जाने का अनुरोध किया था, ताकि दुर्घटनाओं के वास्तविक कारणों का वैज्ञानिक एवं तकनीकी परीक्षण कर भविष्य में जनहानि रोकी जा सके। उन्होंने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक, रतलाम द्वारा भेजे गए उत्तर में स्वतंत्र जांच कराने के स्थान पर उन्हीं एजेंसियों एवं ठेकेदारों से स्पष्टीकरण प्राप्त कर उसकी प्रति भेजी गई है, जिनके कार्यों के संबंध में शिकायत की गई थी। उनके अनुसार किसी भी शिकायत में संबंधित पक्ष का स्पष्टीकरण स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच का विकल्प नहीं हो सकता।

जगदीश अग्रवाल ने कहा कि शिकायत में उठाए गए किसी भी बिंदु पर स्वतंत्र तकनीकी परीक्षण, स्थल निरीक्षण, वैज्ञानिक विश्लेषण अथवा रोड सेफ्टी ऑडिट कराए जाने का उल्लेख नहीं है। परियोजना निदेशक द्वारा भेजे गए उत्तर में शिकायत के गुण-दोष के आधार पर कोई तकनीकी अथवा विधिसम्मत निष्कर्ष भी प्रस्तुत नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे देश की एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अवसंरचना परियोजना है तथा गरोठङ्कदलावदा (सीतामऊ) खंड पर लगातार हो रही दुर्घटनाएं गंभीर चिंता का विषय हैं। ऐसे मामलों में केवल संबंधित एजेंसी के स्पष्टीकरण के आधार पर शिकायत का निराकरण करना जनहित, सड़क सुरक्षा तथा प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों की भावना के अनुरूप नहीं माना जा सकता। प्रतिवेदन में उन्होंने मांग की है कि पूरे प्रकरण की जांच किसी स्वतंत्र एवं उच्च स्तरीय तकनीकी एजेंसी अथवा विशेषज्ञ समिति से कराई जाए, दुर्घटना संभावित स्थलों का विस्तृत रोड सेफ्टी ऑडिट कराया जाए, स्थल निरीक्षण एवं तकनीकी परीक्षण कराए जाएं तथा जांच प्रतिवेदन के आधार पर आवश्यक सुधारात्मक एवं सुरक्षा संबंधी उपाय तत्काल लागू किए जाएं। साथ ही जांच पूर्ण होने तक संबंधित अभिलेखों एवं तकनीकी रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने तथा की गई कार्रवाई से उन्हें लिखित रूप से अवगत कराने का भी अनुरोध किया गया है। जगदीश अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति, संस्था अथवा ठेकेदार को दोषी ठहराना नहीं है, बल्कि दुर्घटनाओं के वास्तविक कारणों का निष्पक्ष एवं वैज्ञानिक परीक्षण कराकर भविष्य में निर्दोष नागरिकों की जान बचाना तथा एक्सप्रेसवे को अधिक सुरक्षित बनाना है। यदि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष तकनीकी जांच कराने के स्थान पर केवल संबंधित एजेंसी के स्पष्टीकरण के आधार पर शिकायत का निराकरण करना जनता के साथ धोखा है। अग्रवाल ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासनिक प्रक्रिया का विषय नहीं, बल्कि मानव जीवन की रक्षा से जुड़ा राष्ट्रीय दायित्व है। इसलिए इस मामले में पारदर्शी, निष्पक्ष, वैज्ञानिक एवं उत्तरदायी जांच कर आवश्यक सुरक्षा उपाय लागू किए जाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

## ई-विकास प्रणाली से पारदर्शी तरीके से हो रहा उर्वरक वितरण

**रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले में किसानों को उर्वरकों का वितरण ई-विकास प्रणाली के माध्यम से पारदर्शी एवं वैज्ञानिक तरीके से किया जा रहा है। इस प्रणाली में फसल के रकबे एवं प्रकार के अनुसार कृषि वैज्ञानिकों की अनुशंसा के आधार पर उर्वरक की मात्रा निर्धारित की जाती है, जिससे किसानों को संतुलित पोषक तत्वों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

उप संचालक कृषि विभाग ने बताया कि फसलों के बेहतर विकास के लिए नत्रजन (यूरिया) के साथ फॉस्फेटिक उर्वरकों जैसे सुपर फॉस्फेट, एन.पी.के., डी.ए.पी. तथा पोटाश का संतुलित उपयोग आवश्यक है। इसी उद्देश्य से ई-टोकन प्रणाली के तहत यूरिया क्रय करने के साथ सुपर फॉस्फेट, एन.पी.के. अथवा डी.ए.पी. में से किसी एक फॉस्फेटिक उर्वरक का चयन अनिवार्य किया गया है।

उन्होंने बताया कि जिले के सभी विकासखंडों में सुपर फॉस्फेट एवं एन.पी.के. उर्वरक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। वर्तमान में जिले में 10,463 मीट्रिक टन यूरिया, 5,850 मीट्रिक टन सुपर फॉस्फेट तथा 6,721 मीट्रिक टन एन.पी.के. का भंडारण उपलब्ध है, जिससे किसानों को उर्वरक उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं है। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे केवल यूरिया पर निर्भर न रहें, बल्कि संतुलित उर्वरक प्रबंधन अपनाकर फॉस्फेटिक उर्वरकों का भी उपयोग करें। इससे फसल की वृद्धि एवं उत्पादन में वृद्धि होती है, जबकि केवल यूरिया के अत्यधिक उपयोग से फसलों में कीट एवं रोगों का प्रकोप बढ़ने की संभावना रहती है।

## 2019 की बाढ़ में बहा पुल नहीं बन सका, कमजोरी पर कांग्रेस का अनोखा उद्घाटन, विधायक हरदीप का मुखौटा पहन जताया विरोध

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** गुरुवार को युवक कांग्रेस ने धतूरिया पुलिया निर्माण में हो रही देरी के खिलाफ अनोखा प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने क्षेत्रीय विधायक एवं पूर्व मंत्री हरदीप सिंह डंग का मुखौटा पहनकर अधूरी पुलिया का प्रतीकात्मक उद्घाटन किया। इस दौरान फीता काटा, नारियल फोड़ा और मिठाई बांटी। प्रदर्शनकारियों ने शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जल्द निर्माण कार्य शुरू करने की मांग की। गौरतलब है कि वर्ष 2019 की बाढ़ में धतुरिया पुल बह गया था, तब से कई टेंडर होने के बाद भी यह पुल अभी तक नहीं बन सका है। विधायक डंग की कमजोरी इसे माना जा रहा है।

सुवासरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली धतुरिया पुलिया पिछले सात वर्षों (सन् 2019) से पूरी तरह क्षतिग्रस्त है और अपनी बदहाली पर आंसू रो रही है। क्षेत्र के विकास दावों की पोल खोलते हुए आज युवक कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष राघव राज सिंह शक्तावत एवं सीतामऊ ब्लॉक युवक कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बरोला के नेतृत्व में एक बेहद अनूठा और तीखा प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन के दौरान युवक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने स्थानीय विधायक और पूर्व मंत्री हरदीप सिंह डंग का मुखौटा पहनकर और फीता काटकर पुलिया का सांकेतिक उद्घाटन किया। इस अनोखे प्रदर्शन के जरिए युवक कांग्रेस ने क्षेत्र की जनता की समस्याओं की लगातार हो रही अनदेखी पर सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधि के खिलाफ जमकर आक्रोश व्यक्त किया। क्षेत्रवासियों को हो रही परेशानियों को उजागर करने वाले इस अनूठे विरोध प्रदर्शन के मौके पर गोविंद सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष हनुमंत सिंह, महेश पाटीदार, सुरेश पाटीदार, श्रवण सेन, गजेंद्र सिंह, दीपू सेन, प्रतीक गिरोटिया, मंगल डपकारा, मांगू भाई, कमलेश पटाक, श्रवण रायका, छात्र संगठन के नेता युवराज सिंह, कपिल सुरावत, दुर्गा शंकर धाकड़, दीपक गेहलोत, लकी सुरावत, सुनील पंवार, कालू भाटी, धीरज दादरिया और ईश्वर मालवीय सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## आकाशीय बिजली से उजड़ा गरीब परिवार का आशियाना, सरकारी सहायता सीमित होने पर जनसहयोग की मुहिम शुरू

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मल्हारगढ़ तहसील के ग्राम पामाखेड़ा में बुधवार शाम आकाशीय बिजली गिरने से ओमप्रकाश पिता कारूलाल मालवीय का आशियाना पूरी तरह उजड़ गया था। इस प्राकृतिक आपदा में उनका मकान गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि बकरियां, अनाज, राशन, बर्तन, कपड़े एवं वर्षों की मेहनत से जुटाया गया गृहस्थी का लगभग पूरा सामान नष्ट हो गया। हादसे के बाद परिवार अत्यंत विषम परिस्थितियों में जीवनयापन करने को मजबूर है।

घटना की जानकारी मिलने पर मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र के किसान नेता श्यामलाल जोकचंद ग्राम पामाखेड़ा पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। इस दौरान उन्होंने ग्राम के पटवारी से चर्चा कर शासन द्वारा मिलने वाली राहत राशि की जानकारी ली। चर्चा में सामने आया कि मकान क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में शासन की ओर से अधिकतम 1 लाख 20 हजार रुपये तक की सहायता का ही प्रावधान है। ऐसे में परिवार को हुए वास्तविक नुकसान की भरपाई केवल सरकारी सहायता से संभव नहीं होने पर जोकचंद ने जनसहयोग अभियान शुरू करने का निर्णय लिया। इसके बाद उन्होंने क्षेत्र की आम जनता, जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों, समाजसेवियों एवं दानदाताओं से पीड़ित परिवार की आर्थिक मदद करने की अपील की। उनकी अपील का सकारात्मक असर पहले ही दिन देखने को मिला और लोगों ने आगे बढ़कर सहयोग किया। जनसहयोग अभियान के पहले दिन ही विभिन्न लोगों द्वारा पीड़ित परिवार के खाते में करीब 20 हजार रुपये की सहायता राशि जमा कराई गई। श्यामलाल जोकचंद ने कहा कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित इस परिवार को समाज के सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यथासंभव आर्थिक सहयोग देकर इस गरीब परिवार का उजड़ा हुआ आशियाना फिर से बसाने में अपनी भागीदारी निभाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि समाज की सामूहिक पहल से पीड़ित परिवार को इस कठिन समय से उबरने में बड़ी मदद मिलेगी।

## आकांक्षी विकासखंड में बेहतर प्रदर्शन के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ बेहतर कार्य करें

**रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** सीईओ जिला पंचायत सुश्री वैशाली जैन ने गुरुवार को आकांक्षी विकासखंड बाजना के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं निर्धारित संकेतकों की समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, शिक्षा, कृषि, पशुपालन सहित विभिन्न विभागों के पैरामीटरवार कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। अधिकारियों से प्रत्येक संकेतक की प्रगति की जानकारी लेकर लक्ष्य प्राप्ति के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सीईओ सुश्री जैन ने कहा कि आकांक्षी विकासखंड में बेहतर प्रदर्शन के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा निर्धारित लक्ष्यों की समय-सीमा में शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि फील्ड स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग कर योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाये।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत ने विशेष रूप से शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि विद्यालयों में बच्चों के लिए शिक्षा को अधिक रुचिकर एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए नवाचार किए जाएं। उन्होंने कहा कि विकासखंड की फील्ड टीम नियमित रूप से क्षेत्र में भ्रमण कर योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी करे।

## कलेक्टर ने नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक में दिए सख्त निर्देश

### लापरवाही पर उपयंत्री के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के समस्त नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं तथा विकास कार्यों की निकायवार समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर उपयंत्री श्री अंकित मांझी एवं श्री टेकचंद बुनकर के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने आगामी माह तक जिले के 1,500 पात्र हितग्राहियों को ऋण वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बैंक एवं नगरीय निकाय आपसी समन्वय से लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करें।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत स्वीकृत आवासों का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने तथा पूर्ण आवासों की जियो-टैगिंग निर्धारित समय-सीमा में कराने के निर्देश भी दिए गए। नगर परिषद डीकेन में निर्मित वाटर बॉडी के कार्य में सक्षम स्वीकृति के बिना भुगतान किए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित प्रकरण की जांच के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने निकायों में संचालित निर्माण कार्यों का नियमित स्थल निरीक्षण करें तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करें। वर्षा ऋतु को देखते हुए उन्होंने जर्जर एवं खतरनाक भवनों का सर्वेक्षण कर नियमानुसार कार्रवाई करने तथा जनहानि की आशंका वाले भवनों को तत्काल खाली कराने एवं आवश्यकतानुसार ध्वस्त करने के निर्देश दिए।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने 50 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में परियोजना अधिकारी डूडा एवं डिप्टी कलेक्टर श्री चंद्रसिंह धार्वे, नीमच की मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीमती दुर्गा बामनिया तथा जिले के समस्त मुख्य नगरपालिका अधिकारी उपस्थित रहे।

## महिला की मृत्यु पर प्रदर्शन, लापरवाही के साथ खून गलत चढ़ाने का भी आरोप, क्लीनिक पर कार्रवाई की मांग

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर की नई आबादी स्थित स्पर्श मदर एंड चाइल्ड केयर क्लीनिक के बाहर गुरुवार सुबह प्रसूता की मौत के बाद हंगामा हो गया। परिजन शव लेकर क्लीनिक पहुंचे और डॉक्टर पर उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी जुटाने में लगी रही।

रतलाम जिले के बोरवनी निवासी 26 वर्षीय पूजा कुंवर का उपचार डॉ. रोशनी जैन के क्लीनिक पर चल रहा था। परिजनों के अनुसार, 24 जून को उन्हें मंदसौर के अनुयोग हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। 25 जून को ऑपरेशन के जरिए उन्होंने जुड़वा बेटियों को जन्म दिया। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। महिला की हालत गंभीर होने पर 26 जून को उन्हें अहमदाबाद रेफर किया गया। वहां 8 जुलाई तक उनका उपचार चला, लेकिन बुधवार रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। गुरुवार सुबह परिजन शव लेकर स्पर्श मदर एंड चाइल्ड केयर क्लीनिक पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया। परिजनों का आरोप है कि महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए समय पर रेफर नहीं किया गया। उनका यह भी दावा है कि उपचार के दौरान चढ़ाए गए ब्लड में थक्के (क्लॉट) होने की जानकारी अहमदाबाद के डॉक्टरों ने दी थी, जिससे महिला की हालत और बिगड़ गई। महिला की मौत के मामले में परिजनों ने सिटी कोतवाली थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह राठौर को लिखित आवेदन सौंपकर निष्पक्ष जांच और संबंधित डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतका के पति की ओर से उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए आवेदन दिया गया है। मामले को विवेचना में लिया गया है और जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उधर, डॉ. रोशनी जैन ने कहा कि वह पिछले डेढ़ वर्ष से महिला का उपचार कर रही थीं। डिलीवरी के दौरान दो स्वस्थ बच्चियों का जन्म हुआ था। उन्होंने बताया कि प्रसव के बाद महिला को पीपीएच (पोस्ट पार्टम हेमरेज) की समस्या हुई, जिसका आवश्यक उपचार किया गया। ब्लड भी चढ़ाया गया और हालत गंभीर होने पर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। डॉक्टर ने परिजनों के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि पुलिस जांच में पूरा सहयोग किया जा रहा है।

## कलेक्टर ने प्राचार्यों एवं संकुल प्राचार्यों की समीक्षा बैठक लेकर दिए आवश्यक निर्देश

### शिक्षा की गुणवत्ता और परीक्षा परिणाम सुधार पर करें विशेष फोकस - कलेक्टर श्री चंद्रा

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला पंचायत सभाकक्ष, नीमच में जिले के सभी प्राचार्यों एवं संकुल प्राचार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शैक्षणिक गुणवत्ता, विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम तथा विद्यालयों के संचालन की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि जिले के 105 मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों की टीम गठित कर जांच कराई जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि वे निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित हो रहे हैं। जांच कर 15 दिवस में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए।

उन्होंने सभी प्राचार्यों को समय पर पाठ्यक्रम पूर्ण कराने, नियमित मासिक परीक्षण, विद्यार्थियों की ग्रेडिंग, काउंसलिंग एवं आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त कक्षाओं का संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गणित एवं अंग्रेजी विषयों पर विशेष फोकस करने तथा इन विषयों के शिक्षकों का डाइट में पांच दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित करने के भी निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों की काउंसलिंग एवं गतिविधियों का पृथक रजिस्टर संधारित किया जाए। उन्होंने प्राचार्यों को निर्देशित किया कि विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति पर विशेष ध्यान दिया जाए। शिक्षकों की अनावश्यक अनुपस्थिति पर भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने निर्देश दिए कि अपार आईडी का कार्य विशेष अभियान चलाकर 15 दिवस में पूर्ण किया जाए। जिले के सांदीपनि विद्यालय, उत्कृष्ट विद्यालय एवं पीएम श्री विद्यालयों में चेस क्लब प्रारंभ किए जाएं तथा प्रार्थना सभा के साथ योग एवं मेडिटेशन का नियमित आयोजन कराने के निर्देश दिए। साथ ही विद्यालय समय में शिक्षकों द्वारा मोबाइल फोन के उपयोग पर प्रतिबंध का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को 15 अगस्त के अवसर पर सम्मानित करने की जानकारी भी दी गई। इस दौरान विद्यालयों में किए गए नवाचारों की भी समीक्षा की गई।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अमन वैष्णव, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती ऐश्वर्या मूंदड़ा, डीपीसी श्री दिलीप व्यास सहित जिले के सभी प्राचार्य एवं संकुल प्राचार्य उपस्थित रहे।

## पत्रकार एमडी मंसूरी के बड़े पिता ख्वाजा हुसैन मंसूरी सुपुर्द खाक आपसी भाईचारे व मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे- मंसूरी

**सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** झांतला अंचल के वरिष्ठ पत्रकार व कांग्रेस के सक्रिय नेता एमडी मंसूरी के बड़े पिताश्री वयोवृद्ध जनाब ख्वाजा हुसैन मंसूरी का अल्प,बीमारी के बाद 8 जुलाई रात्रि बुधवार को 80 वर्ष की आयु में इंतकाल हो गया। जिनका,अंतिम जनाजा व मयत गुरुवार सुबह 10:00 बजे निज,आवास से निकाली गई जो बस स्टैंड कब्रिस्तान पर मुस्लिम समाज जनों द्वारा नमाज अदा,कर आपके पुत्र, कमरुद्दीन,मंसूरी, पीरु मंसूरी पत्रकार एम,डी मंसूरी, खलील हुसैन मकसूद हुसैन,अल्ताफ हुसैन के दादाजी आदि द्वारा,महरूम को सुपर्द खाक किया गया। जनाब ख्वाजा हुसैन,के निधन से समाज सहित आसपास के क्षेत्र में गहरा दुख हुआ है। आपकी नेकियों और यादों को हमेशा सजोकर रखा जाएगा। ख्वाजा हुसैन धार्मिक ईमानदार, कर्तव्य निष्ट, हंसमुख, मिलनसार व्यक्तित्व के नेक दिल,इंसान थे। आपके इस अंतिम सफर में बड़ी संख्या में समाज सहित हाजी सलीम भाई मंसूरी हाजी कदीर बख्श मंसूरी, चांद मोहम्मद मंसूरी, शकूर मोहम्मद मंसूरी, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष मनीष जैन,जुल्फिकार भुट्टो नारू मोहम्मद मंसूरी,फखरुद्दीन मंसूरी मोहम्मद हुसैन मंसूरी, पत्रालाल धाकड़, ललित धाकड़, भेरूलाल राठौर कमलेश सुथार, लादू लाल माली गोवर्धन लाल माली,आदि कई गणमान्य नागरिक उपस्थित महरूम के लिए अल्लाह से मेहरूम की,मगफिरत फरमाए उन्हें जन्नत फिरदौस में आला मकान सर्वोच्च स्थान दे महरूम के घर वालों को सबरे जमील अता फरमाए यह कामना के साथ अंतिम यात्रा में उपस्थित सभी लोगों द्वारा मेहरून को,खिराजे अकीदत पेश की पेश कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

## सिंगोली के पूर्व टीआई, नौकरी छोड़ बने थे विधायक, पहाड़ सिंह कन्नौजे का हृदयाघात से निधन

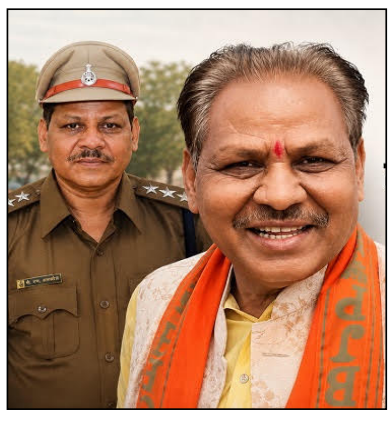

**सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** पुलिस की नौकरी छोड़कर राजनीति के शीर्ष पर पहुंचे देवास जिले की बागली विधानसभा सीट के पूर्व भाजपा विधायक पहाड़ सिंह कन्नौजे का बुधवार को इंदौर के एक अस्पताल में इलाज के दौरान हार्ट अटैक आने से निधन हो गया।

सिंगोली में रहे थे टीआई - पहाड़ सिंह कन्नौजे का नीमच जिले से बेहद गहरा और आत्मीय संबंध था। राजनीति में कदम रखने से पहले वे पुलिस विभाग में थे और वर्ष 2012 से लेकर लगभग 2014 तक वे नीमच जिले के सिंगोली थाने में थाना प्रभारी के पद पर पदस्थ रहे थे।

डीएसपी का पद छोड़ लड़ा था चुनाव, दर्ज की थी शानदार जीत- पुलिस सेवा में रहते हुए वे तरक्की पाकर डीएसपी के पद तक पहुंचे थे। लेकिन जनता की सेवा के लिए उन्होंने सरकारी सेवा और डीएसपी के गरिमामयी पद से इस्तीफा दे दिया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए।

2018 का चुनाव- भाजपा ने उन्हें साल 2018 के विधानसभा चुनाव में बागली सीट से अपना उम्मीदवार बनाया।

ऐतिहासिक जीत- इस चुनाव में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी कमल सिंह वास्कले को 11,843 मतों के भारी अंतर से शिकस्त दी थी। कन्नौजे को कुल 89,417 वोट मिले थे, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी को 77,574 वोट प्राप्त हुए थे।

अस्पताल ले जाते समय तोड़ा दम- पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, बुधवार को पहाड़ सिंह कन्नौजे को अचानक सीने में तेज दर्द और घबराहट की शिकायत हुई। हार्ट अटैक की आशंका को देखते हुए परिजन उन्हें तुरंत गंभीर हालत में इंदौर के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके और इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली।

नेताओं और कार्यकर्ताओं ने व्यक्त की संवेदना - उनके निधन का समाचार मिलते ही मुख्यमंत्री, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों सहित क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

## अखबारों की रद्दी एवं अनुपयोगी सामग्री की नीलामी हेतु दरें आमंत्रित

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिला जनसंपर्क कार्यालय, नीमच द्वारा पुराने समाचार-पत्र, पत्रिकाएं, समाचार कतरनें तथा अनुपयोगी सामग्री, जिसमें लकड़ी एवं लोहे की कुर्सियां, लकड़ी की बड़ी टेबल, गोदरेज टाइपराइटर, डुप्लीकेटिंग मशीन एवं सैमसंग टीवी शामिल हैं, की नीलामी 17 जुलाई 2026 को की जाएगी।

## सम्पादकीय

# कनेक्टेड कारों पर बढ़ा साइबर हमलों का खतरा

हैकिंग की एक हालिया घटना के बाद चीनी मूल के तीन स्मार्टफोन ऐप्स को प्रतिबंधित किया गया। इसने वाहन उद्योग की साइबर सुरक्षा चिंताओं को रेखांकित किया है। बीएटी-बीएमएस, लॉसिजी और इपॉच-आई-ऑयन नामक इन ऐप्स को इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के बैटरी प्रबंधन के लिए बनाया गया था लेकिन उनका दुरुपयोग करके वाहनों को दूर से निष्क्रिय किया जा सकता है। जैसा कि इस समाचार पत्र ने भी रिपोर्ट किया, इस खबर के बाद केंद्र सरकार ने ऑटोमोबाइल और उनके कलपुर्जा निर्माताओं से कनेक्टेड कारों और ईवी में इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर और उपकरणों की जांच करने को कहा।

कनेक्टेड वाहन वे होते हैं जो इंटरनेट से सीधे या स्मार्टफोन से ब्लूटूथ के माध्यम से जुड़े होते हैं। साइबर सुरक्षा के बिना ऑटोमोबाइल गंभीर सुरक्षा कमजोरियों के शिकार हो सकते हैं और हैकर्स कम से कम एक दशक से ऐसे बग प्रदर्शित करते आ रहे हैं। पीडब्ल्यूएन2ओडब्ल्यूएन ऑटोमोटिव एक ऐसा वैश्विक वार्षिक साइबर सुरक्षा कार्यक्रम है जो वाहनों में कमजोरियों को प्रदर्शित करने पर केंद्रित है। जनवरी 2026 में, सुरक्षा शोधकर्ताओं ने इस आयोजन के पहले दिन विभिन्न वाहनों में 37 ऐसी कमजोरियां प्रदर्शित करने के बाद 5,16,500 डॉलर कमाए जो पहले ज्ञात नहीं थीं।

कनेक्टेड कारों को हैकिंग के जरिये ट्रैक और हाईजैक किया जा सकता है। जैसे इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस चाबियां या निर्माताओं के क्लाउड सर्वर को हैक करके। यहां तक कि टायर प्रेशर जैसे सेंसरों का भी दुरुपयोग किया जा सकता है। हाल ही में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की एक मसौदा अधिसूचना में कनेक्टेड वाहनों के लिए 1 अक्टूबर 2026 से चरणबद्ध तरीके से साइबर सुरक्षा मानकों को लागू करने का प्रस्ताव दिया गया है।

एआईएस 189(ऑटोमोटिव इंडस्ट्री स्टैंडर्ड 189) का साइबर सुरक्षा ढांचा संयुक्त राष्ट्र के आर155 विनियमन पर आधारित है जिसे यूरोपीय संघ ने 2022 में लागू किया था। चीन और कोरिया ने हाल ही में ऐसे ढांचे पेश किए हैं। एआईएस189 के तहत किसी भी नए वाहन को तय साइबर सुरक्षा मानकों को पूरा करना होगा। साइबर सुरक्षा अनुमोदन प्राप्त करना नए वाहनों को सड़क पर उतारने की पूर्व-शर्त होगी। अक्टूबर 2027 तक नए मॉडलों के लिए एआईएस189 अनुपालन अनिवार्य होगा। अक्टूबर 2028 तक यह सभी नए यात्री वाहनों पर लागू होगा। इससे पुराने मॉडलों की इलेक्ट्रॉनिक संरचना को उन्नत बनाने और उनमें व्यापक बदलाव करने की आवश्यकता पड़ सकती है।

रिमोट ऑटो सेवाएं काफी आम हैं। कई वाहन रिमोट ऐप फंक्शन प्रदान करते हैं जिनसे वाहन को गर्म करने, उसमें हवा का प्रवाह तय करने और वातानुकूलन व्यवस्था को नियंत्रित करने जैसे काम किए जा सकते हैं। ईवी में रिमोट बैटरी प्रबंधन की सुविधा होती है। ब्लूटूथ में किसी तरह की सेंध या कमजोरी 10-15 मीटर के दायरे में मौजूद किसी भी व्यक्ति को वाहन पर नियंत्रण पाने में मदद कर सकती ?है। हालांकि सरकारी परामर्श कनेक्टेड वाहनों पर केंद्रित है, लेकिन हर आधुनिक वाहन साइबर सुरक्षा चिंताओं को प्रस्तुत करता है। सभी वाहन डेटा एकत्र करने के लिए कई सेंसरों का उपयोग करते हैं और उनमें हैंड्स-फ्री माइक्रोफोन और बाहरी कैमरे लगे होते हैं।

आधुनिक वाहन को एक मोबाइल कंप्यूटर के रूप में देखना व्यावहारिक है। निर्माताओं को डायग्नोस्टिक डेटा की निगरानी करने और सेवा तथा ओवरहॉल मानकों में सुधार करने की सुविधा देने के अलावा मेमरी में संग्रहीत डेटा चालक की यात्रा आदतों के बारे में बहुत कुछ बताता है और महत्त्वपूर्ण गोपनीयता चिंताएं प्रस्तुत करता है। डिजिटल सुरक्षा स्थापित करने में एक जटिलता यह है कि कनेक्टेड वाहनों में मानकीकरण का अभाव है। कई निर्माता स्वयं के कनेक्टेड वाहन इकोसिस्टम बनाते हैं जो वे खुद या तकनीकी साझेदारों के साथ विकसित करते हैं।

इन प्रणालियों का ऑडिट करना सामान्य स्मार्टफोन या पर्सनल कंप्यूटर की तुलना में कठिन है क्योंकि इनमें सॉफ्टवेयर बहुत अलग-अलग हो सकते हैं। भारत में उपभोक्ता-उन्मुख डिजिटल वाहन सेवाओं ने विभिन्न सेवा प्रदाताओं के साथ तकनीक विकसित की है। इन प्रत्येक प्रणालियों में कमजोरियां हो सकती हैं और खामियों को दूर करना कठिन हो सकता है। वाहन साइबर सुरक्षा संभवतः नियामकों, सुरक्षा विशेषज्ञों और दुर्भावनापूर्ण तत्वों के बीच एक दौड़ बन सकती है। इसलिए एआईएस 189 का कार्यान्वयन एक शुरुआत होगी।

# फ्लैश फ्लड से पहले फ्लैशबैक एक गलती, पूरी कहानी खत्म

प्रकृति जब रौद्र रूप धारण करती है, तब मनुष्य की सारी शक्ति क्षणभर में प्रभावहीन हो जाती है। मानसून इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। यही वर्षा भारत के खेतों में जीवन भरती है, तो कभी भीषण बाढ़ और भूस्खलन बनकर गाँव, सड़कें, पुल और अनगिनत जिंदगियों को लील लेती है। उफनती नदियाँ, विकराल झरने और शांत पहाड़ियाँ पलभर में मौत का मंजर बन जाती हैं। ऐसे समय सबसे अधिक चिंता उन युवाओं की होती है, जो रोमांच के नाम पर जोखिम को ही साहस समझ बैठते हैं। याद रखिए, आप केवल अपने परिवार की उम्मीद नहीं, बल्कि राष्ट्र की अमूल्य शक्ति हैं। इसलिए मानसून के इन तीन-चार महीनों में उफनती नदियों, झरनों, खतरनाक पहाड़ी क्षेत्रों और जोखिमभरे ट्रेकिंग मार्गों से पूरी तरह दूर रहना ही सच्ची समझदारी है।

मानसून की खूबसूरती जितनी मोहक दिखती है, उसका खतरा उतना ही गंभीर होता है। भारत के हिमालयी क्षेत्र, पश्चिमी घाट और उत्तर-पूर्व के पर्वतीय इलाकों में हर वर्ष भारी वर्षा, फ्लैश फ्लड और भूस्खलन तबाही मचाते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार, इन आपदाओं में हर साल हजारों लोगों की जान चली जाती है। मौसम विभाग (आईएमडी) लगातार चेतावनियाँ जारी करता है, फिर भी कई युवा रोमांच के आकर्षण में उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। मनाली-लेह मार्ग, हरिशचंद्रगढ़, हरिहर किला, केदारनाथ सहित अनेक पर्वतीय क्षेत्र मानसून में बेहद जोखिमभरे हो जाते हैं। गीली चट्टानों पर एक छोटी-सी चूक या ऊपरी पहाड़ों में हुई बारिश से आया अचानक सैलाब संभलने का मौका तक नहीं देता। जो स्थान कुछ देर पहले सुरक्षित दिखता है, वही पलभर में मौत का रास्ता बन सकता है।

रोमांच का वास्तविक अर्थ जोखिम मोल लेना नहीं, बल्कि सही समय पर सही निर्णय लेना है। आज ट्रेकिंग युवाओं के बीच पर्यटन से बढ़कर एक फैशन बन गई है। सोशल मीडिया की आकर्षक तस्वीरें और वीडियो देखकर अनेक लोग यह भूल जाते हैं कि प्रकृति का सुंदर चेहरा पलभर में भयावह रूप भी धारण कर सकता है। फ्लैश फ्लड, फिसलन भरी चढ़ाइयाँ, उफनती नदियाँ और भूस्खलन वाले क्षेत्रों में अनावश्यक साहस दिखाना उपलब्धि नहीं, लापरवाही है। कई बार रेड अलर्ट और मौसम विभाग की चेतावनियों के बावजूद लोग जोखिम उठाते हैं। इसका परिणाम केवल एक हादसा नहीं होता, बल्कि पूरा परिवार जीवनभर के दुःख और पीड़ा का बोझ उठाता है। इसलिए सच्ची बहादुरी प्रकृति को चुनौती देने में नहीं, उसकी चेतावनियों का सम्मान कर सुरक्षित रहने में है।

हर रोमांचक मंज़िल से पहले अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देना ही सबसे समझदारी भरा निर्णय है। युवाओं को समझना होगा कि जीवन किसी एक ट्रेक, यात्रा या वायरल वीडियो से कहीं अधिक मूल्यवान है। माता-पिता अपने बच्चों में अपने वर्षों के त्याग, संघर्ष और अनगिनत सपनों का भविष्य देखते हैं। एक क्षण की लापरवाही उन सभी उम्मीदों को हमेशा के लिए तोड़ सकती है। देश को भी ऐसे युवा चाहिए, जो सुरक्षित रहकर शिक्षा, कौशल और अपनी ऊर्जा से राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। जोश युवावस्था की पहचान है, लेकिन सही दिशा विवेक ही देता है। इसलिए सितंबरङ्कअक्टूबर तक प्रतीक्षा करना, जब मौसम और रास्ते दोनों सुरक्षित हों, कहीं अधिक बुद्धिमानी है। प्रकृति हमेशा रहेगी, अवसर फिर मिलेंगे, लेकिन जीवन दोबारा नहीं मिलेगा।

सुरक्षा अपनाना कमजोरी नहीं, बल्कि परिपक्वता और जिम्मेदारी की पहचान है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और भारतीय मौसम विभाग लगातार सलाह देते हैं कि भारी वर्षा के दौरान नदियों, झरनों, जलप्रपातों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहें। किसी भी यात्रा से पहले मौसम का ताज़ा पूर्वानुमान अवश्य देखें तथा पर्याप्त तैयारी, आवश्यक उपकरण और अनुभवी साथियों के बिना जोखिमभरे मार्गों पर न जाएँ। केवल उत्साह के भरोसे या अकेले ट्रेकिंग करना गंभीर भूल साबित हो सकता है। मानसून के इन महीनों का बेहतर उपयोग पढ़ाई, नई तकनीकी व व्यावसायिक दक्षताएँ सीखने, शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य सुधारने और परिवार के साथ समय बिताने में किया जा सकता है। याद रखें, हर साहसिक कदम का एक सही समय होता है, और मानसून उसका समय नहीं है। प्रकृति का सौंदर्य तभी आनंद देता है, जब उसके नियमों का सम्मान किया जाए। शांत मौसम में यही पहाड़, नदियाँ और झरने सुकून का अनुभव कराते हैं, लेकिन मानसून में उनका बदला हुआ रूप हर कदम पर खतरे का संकेत देता है। हर वर्ष अनेक परिवार केवल इसलिए अपूरणीय क्षति झेलते हैं क्योंकि मौसम की चेतावनियों को हल्के में लिया जाता है और रोमांच, विवेक पर भारी पड़ जाता है। सबसे बड़ा भ्रम यही है कि दुर्घटनाएँ केवल दूसरों के साथ होती हैं। वास्तव में सावधानी केवल स्वयं की सुरक्षा नहीं, परिवार और समाज के प्रति भी जिम्मेदारी है। जब एक युवा सुरक्षित रहता है, तब उसके साथ माता-पिता की उम्मीदें, परिवार के सपने और राष्ट्र का भविष्य भी सुरक्षित रहता है। इसलिए मानसून में सतर्क रहना कोई त्याग नहीं, बल्कि दूरदर्शिता और समझदारी का प्रमाण है।

आज देश को ऐसे युवाओं की आवश्यकता है, जिनका जोश विवेक से संचालित हो। आपका जीवन केवल आपका नहीं, बल्कि परिवार की उम्मीदों और राष्ट्र के भविष्य की अमूल्य पूँजी है। पर्वतों पर अवश्य जाएँ, लेकिन सुरक्षित मौसम में। नदियों और झरनों की सुंदरता का आनंद लें, पर उनके उफान को चुनौती न दें। सच्ची बहादुरी जोखिम उठाने में नहीं, सही समय पर सही निर्णय लेने में है। मानसून बीत जाएगा, रास्ते फिर सुरक्षित होंगे और प्रकृति फिर खुले मन से आपका स्वागत करेगी। इसलिए युवा साथियों, इन कुछ महीनों तक धैर्य रखें, सतर्क रहें और अपने जीवन की रक्षा करें। आपकी एक सावधानी केवल आपको ही नहीं, बल्कि आपके परिवार के सपनों और राष्ट्र की आशाओं को भी सुरक्षित रखेगी। यही सच्ची विजय, यही वास्तविक वीरता है।

**-प्रो. आरके जैन**

## सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता का सवाल

देश की शिक्षा इस समय हर स्तर पर दो खंडों में बंट गई है, सरकारी और निजी। सरकार के पास संसाधन नहीं हैं, अतः उसे शिक्षा में निजी निवेश को प्रोत्साहन देना ही है। समाज के जिस वर्ग को शिक्षा की सबसे अधिक आवश्यकता है, वह सरकारी स्कूलों पर निर्भर है। इसको वह अपनी मजबूरी में ही स्वीकार कर रहा है, क्योंकि इसकी गुणवत्ता और साख आज सवालों के घेरे में है। सरकारी तंत्र में नियमित सेवा में नियुक्त और हर साधन संपन्न व्यक्ति अपने बच्चों को सामान्य सरकारी स्कूलों के बजाय निजी स्कूलों में भेजना पसंद कर रहा है। यहां दो वर्ग बन गए हैं।

सरकारी सहायता प्राप्त विश्वविद्यालयों में प्रवेश की प्रतिस्पर्धा इतनी कठिन हो चुकी है कि उसके लिए कोचिंग संस्थानों में जाना जरूरी है। कोचिंग एक शुद्ध व्यापार है। यहां जिन परिस्थितियों में संवेदनशील आयु के युवा आते हैं, रहते और पढ़ते हैं, वे अस्वीकार्य स्तर का तनाव, चिंता और घबराहट उत्पन्न करती हैं। कक्षा 11-12 में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा की तैयारी करनी होती है। यदि उन्हें न्यूनतम अंक नहीं मिलें तो आगे की प्रतियोगी परीक्षा में बैठ नहीं सकेंगे। फिर उन्हें मेडिकल, इंजीनियरिंग या अन्य व्यावसायिक प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी, कोचिंग में भागीदारी और वहां लगभग प्रतिदिन प्रतिस्पर्धा में आगे रहने का दायित्व उठाना पड़ता है। इस सबके साथ उन पर माता-पिता की अपेक्षाओं और आशाओं का लगातार बढ़ता दबाव भी है।

दूसरी ओर समाज में नैतिकता के प्रति लगातार बढ़ रही शिथिलता और व्यवस्था में कर्तव्यनिष्ठा की कमी ने पेपर-लीक का ऐसा जाल रच दिया है, जिसका कोई समाधान सामने नहीं आ रहा है। कहा तो यह भी जा रहा है कि कुछ नकल और पर्चा-लीक में भागीदार माफिया दशकों से इसमें संलग्न हैं और सरकारी तंत्र तथा न्याय व्यवस्था की खिल्ली उड़ा रहे हैं। किसी को भी विश्वास नहीं है कि भविष्य में सरकारी व्यवस्था नियमों का पालन करवा सकेगी। साठगांठ इतनी सशक्त है कि उसे तोड़ पाना सामान्य व्यक्ति को असंभव लगता है। नकल माफिया, साल्वर गैंग, पर्चा-लीक इत्यादि सभी शिक्षित लोगों द्वारा ही चलाए और निर्देशित किए जाते हैं। इन समस्याओं का त्वरित समाधान खोजना आवश्यक है, लेकिन शिक्षा व्यवस्था की साख पुनः स्थापित करने के लिए दीर्घकालीन उपाय खोजने होंगे। यह तभी संभव है जब उन परिस्थितियों को ईमानदारी से विश्लेषित किया जाए, जिसके कारण कर्तव्यनिष्ठा में गिरावट आई और नैतिकता केवल पुस्तकों में सिमट कर रह गई।

संविधान निर्माताओं ने 14 वर्ष तक के हर बच्चे को अनिवार्य और निःशुल्क शिक्षा देने के निर्देश दिए थे। यदि प्रारंभ से ही सभी सरकारों ने इस जिम्मेदारी को निभाया होता, सभी बच्चों को शिक्षा का एक समान अवसर देने की भावना को व्यावहारिक स्वरूप दिया होता, अपना उत्तरदायित्व स्वीकारा होता और उसके लिए संसाधन उपलब्ध कराए होते, हर वर्ग और आर्थिक स्थिति के बच्चे एक स्कूल में और साथ-साथ पढ़ते तो आज यह स्थिति पैदा नहीं होती। सरकारें यदि ऐसा करतीं तो समाज स्वयं आगे आता।

**-डॉ. सुधाकर आशावादी**

## सुरक्षित भोजन के लिए कड़े मानकों की जरूरत, एंटीबायोटिक और कीटनाशक पर सख्त निगरानी जरूरी

कुछ वर्ष पहले यूरोपीय संघ (ईयू) ने बाहर से आयात होने वाले भोजन एवं खाद्य उत्पादों में एंटीबायोटिक के इस्तेमाल से संबंधित निर्देश जारी किए थे। इन निर्देशों का सीधा मतलब था कि ईयू समूह में शामिल देशों में मछली, दुग्ध और शहद जैसे पशु उत्पादों के आयात की इजाजत नहीं होगी। ईयू का कहना था कि यह कदम इसलिए उठाया जा रहा है क्योंकि इन चीजों का उत्पादन बढ़ाने के लिए इनमें एंटीबायोटिक का इस्तेमाल किया गया गया था। ईयू ने उन एंटीबायोटिक की एक सूची भी जारी की जिन्हें इंसानों के लिए बहुत जरूरी माना जाता है और कहा कि इन्हें जानवरों के इलाज में इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जब वर्ष 2023 में यह निर्देश जारी हुए थे तो भारत का नाम उन देशों की सूची में शामिल नहीं था जिन्हें सितंबर 2026 से ईयू को जलीय कृषि उत्पाद (एक्वाकल्चर) और पोल्ट्री (मुर्गी पालन) उत्पाद निर्यात करने की इजाजत थी। सितंबर 2026 ये निर्देश लागू होने वाले थे। ईयू के मुताबिक ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि भारत के खाद्य-उत्पादन क्षेत्रों में एंटीबायोटिक के इस्तेमाल के बारे में जानकारी और नियमों की कमी थी।

भारत सरकार ने इस पर प्रतिक्रिया दी। अक्टूबर 2024 में भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने उन एंटीबायोटिक की एक सूची जारी की जिन पर मांस, दूध, पोल्ट्री, अंडे और जलीय कृषि उत्पादों के उत्पादन के किसी भी चरण में इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई थी। इसने उन एंटीबायोटिक के लिए सहनशीलता सीमा या टॉलरेंस लिमिट (जिसे अधिकतम अवशेष सीमा भी कहा जाता है) भी तय की। इसके तहत उत्पादकों को यह पक्का करना था कि भोजन में इनकी मात्रा तय सीमा से ज्यादा अधिक न हों।

मई 2025 में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक मसौदा अधिसूचना जारी की जिसमें उन 37 एंटीबायोटिक में 34 के पशुओं पर इस्तेमाल पर रोक लगाने की बात कही गई जिन्हें ईयू बहुत जरूरी मानता है। उसी साल सितंबर में इसकी सूचना दी गई और कहा गया कि पशुओं की बीमारियों के इलाज के लिए सुरक्षित विकल्प मौजूद हैं। मई 2026 में ईयू ने अपनी अपवाद सूची में बदलाव किया और भारत को उन देशों की सूची में शामिल कर लिया जिन्हें सितंबर 2026 के बाद इस समूह को पशु-उत्पाद निर्यात करने की अनुमति हासिल थी।

मैं यहां कुछ खास विषयों पर चर्चा करना चाहती हूं। सबसे पहले, खाद्य सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी इतनी महत्त्वपूर्ण नीतियां बाहरी उपभोक्ताओं के दबाव में क्यों बनाई जाती हैं? एंटीबायोटिक प्रतिरोध एक खामोश महामारी है और हम जानते हैं कि भारत सरकार इस मुद्दे को लेकर बहुत गंभीर है। एक देश के तौर पर हम जीवन रक्षक दवाओं के बेअसर होने से पड़ने वाले स्वास्थ्य बोझ को नहीं झेल सकते इसलिए सरकार दुग्ध एवं मांस सहित अन्य उत्पाद देने वाले मवेशी में एंटीबायोटिक के इस्तेमाल रोकने के लिए कदम उठा रही है।

वर्ष 2010 में सेंटर फॉर साइंस ऐंड एनवायरनमेंट (सीएसई) के एक विश्लेषणात्मक अध्ययन के आधार पर सरकार ने शहद में एंटीबायोटिक के इस्तेमाल के खिलाफ एक सलाह जारी की की थी। इस सलाह के बाद संबंधित एंटीबायोजिटक पर प्रतिबंध लगा दिया गया। वर्ष 2019 में सरकार ने खाद्य-उत्पादक जानवरों और जलीय कृषि उत्पादों में कोलिस्टिन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया। इसकी वजह यह थी कि कोलिस्टिन इंसानों के लिए सबसे महत्तवपूर्ण एंटीबायोटिक है और इसका अत्यधिक इस्तेमाल रोकने एवं इसे संरक्षित करने की आवश्यकता है।

इसके बाद नीति-निर्माता पशु आहार में एंटीबायोटिक पर प्रतिबंध लगाने और अन्य कदमों पर विचार कर रहे थे मगर उन्होंने कोई व्यापक ढांचा नहीं अपनाया। आखिरकार, हमारे निर्यात बाजारों की सुरक्षा की जरूरत ध्यान में रखते हुए ऐसा किया गया। अच्छी बात यह है कि ये नियम सिर्फ ईयू (यूरोपीय संघ) को भेजे जाने वाले खाद्य पदार्थों के लिए ही नहीं हैं,बल्कि भारत में बिकने वाले मांस, दूध, अंडे, शहद और मछली पर भी लागू होंगे। इससे हमारी सेहत की रक्षा होगी।

यहां मुद्दा सिर्फ एंटीबायोटिक का इस्तेमाल नहीं है। सवाल जो भोजन हम ग्रहण करते हैं उसकी सुरक्षा से भी जुड़ा है। हमें कीटनाशक अवशेषों, खाद्य योजकों और अन्य विषाक्त पदार्थों के लिए कड़े मानकों की जरूरत है। इसका उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना नहीं कि भारत के खाद्य पदार्थ निर्यात के लिए बेहतर हों बल्कि सेहत की रक्षा के लिहाज से भी ऐसा करना आवश्यक है। संयुक्त राज्य खाद्य एवं दवा प्रशासन (यूएसएफडीए) के आयात-अस्वीकृति डेटाबेस पर एक नजर डालने से पता चलता है कि वर्ष 2024-25 में भारत से भेजे गए लगभग 2,700 खाद्य पदार्थों की खेप अमेरिका में प्रवेश करने की इजाजत नहीं दी गई। इनमें मसाले, चावल और दालें शामिल थीं जिन्हें अत्यधिक या वर्जित कीटनाशक अवशेषों के कारण रोका गया था।

इससे अगला सवाल उठता है। ये मानक कैसे लागू किए जाएं? आयात करने वाले देशों ने अधिकृत प्रयोगशालाओं और यहां तक कि अपनी सीमाओं पर गुणवत्ता और अवशेषों की जांच के आधार पर निगरानी प्रणालियां विकसित की हैं। ईयू की योजना अपने निर्देशों का पालन सुनिश्चित करना है। इसके लिए वह हर खेप के साथ एक स्वास्थ्य प्रमाण पत्र की मांग करेगा जिसे खाद्य पदार्थ निर्यात करने वाली कंपनी के बजाय किसी सरकारी एजेंसी द्वारा जारी किया गया हो।

वह निर्यात करने वाले देशों में अंकेक्षण (ऑडिट) और सीमा की औचक जांच भी करेगा। यह तंत्र इस तरह बनाया गया है कि अगर कोई खाद्य वस्तु विश्लेषण जांच में असफल रहती है तो 'रेड बटन' दबाकर भौतिक जांच की संख्या बढ़ा दी जाती है। कई बार असफल होने पर गंभीर नतीजे हो सकते हैं। मगर उस भोजन एवं खाद्य पदार्थों का क्या जो निर्यात नहीं किए जाते हैं? तीसरा सवाल यह है कि किसान एंटीबायोटिक्स या कीटनाशकों और अन्य विषाक्त पदार्थों का उपयोग किए बिना उत्पादन कैसे बढ़ा सकते हैं? अंततः यह केवल एक नियामक चुनौती नहीं है और इसके लिए खाद्य उत्पादन के तरीके में बदलाव की आवश्यकता है। किसान तीन उद्देश्यों के लिए एंटीबायोटिक का उपयोग करते हैं यानी पशुओं के विकास को बढ़ावा देने के लिए, स्वच्छता की कमी या पशुओं की अधिक संख्या के कारण होने वाली बीमारियां रोकने के लिए और फिर बीमारियों के उपचार के लिए।

अब किसानों को एंटीबायोटिक का उपयोग कर नहीं बल्कि पशुओं के प्रजनन और खाद्य उत्पादन की स्थितियों में सुधार कर बीमारियां रोकनी होंगी। राष्ट्रीय दुग्ध विकास बोर्ड (एनडीडीबी) ने किसानों के साथ मिलकर पशु स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा दिया है और दिखाया है कि एंटीबायोटिक का इस्तेमाल घटाना संभव है। यही वह पारस्परिक लाभ है जिसकी हमें आज के दौर में सख्त जरूरत है।

**-धनंजय राजौरा**

## गृहस्थ जीवन में आध्यात्मिक उन्नति का सहज मार्ग है सहजयोग



गृहस्थ धर्म का विवेकपूर्ण पालन ही सहजयोग का वास्तविक स्वरूप है। योग का वास्तविक अर्थ है जुड़ना, मिलना या एकत्व की अवस्था को प्राप्त करना। यद्यपि समय के साथ अनेक प्रकार की योग पद्धतियाँ प्रचलित हुईं, किन्तु प्रत्येक योग का मूल उद्देश्य मनुष्य को उसके वास्तविक स्वरूप से परिचित कराना तथा आत्मा का परमात्मा से मिलन कराना है। यदि वैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो प्रकृति का प्रत्येक अणु और परमाणु स्थायित्व प्राप्त करने के लिए दूसरे तत्वों के साथ जुड़ने का प्रयास करता है। उसी प्रकार मनुष्य भी पंचमहाभूतों से निर्मित होने के कारण पूर्णता की खोज में रहता है। उसकी यह खोज तभी पूर्ण होती है जब वह अपने भीतर स्थित आत्मतत्त्व का अनुभव करता है और परम चेतना से उसका योग स्थापित होता है। आत्मज्ञान, आत्मविस्तार और आत्मसाक्षात्कार तक पहुँचने के अनेक मार्ग हो सकते हैं, किन्तु सभी का अंतिम लक्ष्य एक ही है–असत्य से सत्य की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर तथा सीमित चेतना से असीम चेतना की ओर अग्रसर होना। अनेक आध्यात्मिक मार्ग सांसारिक जीवन से विरक्ति की प्रेरणा देते हैं, जबकि सहजयोग यह सिखाता है कि गृहस्थ जीवन का त्याग किए बिना भी आध्यात्मिक उन्नति संभव है। भारतीय संस्कृति में गृहस्थ आश्रम को जीवन का आधार माना गया है और गृहस्थ धर्म का विवेकपूर्ण, संतुलित तथा मर्यादित पालन ही सहजयोग का वास्तविक स्वरूप है। परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा प्रदत्त सहजयोग आत्मसाक्षात्कार की ऐसी सहज, सरल और सर्वसुलभ पद्धति है, जिसमें साधना का आरंभ वहीं से होता है जहाँ तक पहुँचने के लिए अन्य साधकों को वर्षों के कठिन तप या अनेक जन्मों की साधना करनी पड़ सकती है। श्री माताजी की कृपा से आत्मसाक्षात्कार के माध्यम से साधक क्षणभर में परम चैतन्य से जुड़ने का अनुभव कर सकता है। इस मार्ग में न तो गृहस्थ जीवन का त्याग आवश्यक है, न किसी संबंध या भौतिक वस्तु का परित्याग और न ही किसी प्रकार का आर्थिक शुल्क। आवश्यक है केवल निर्मल हृदय, पूर्ण समर्पण और नियमित साधना। आत्मसाक्षात्कार के बाद प्रतिदिन प्रातः एवं सायंकाल कुछ मिनट निर्विचार ध्यान में स्थित रहकर अपनी आध्यात्मिक चेतना को सुदृढ़ बनाए रखना सहजयोग का महत्वपूर्ण अंग है। सहजयोग हमें अहंकार, लोभ, मोह, क्रोध, ईर्ष्या तथा दुर्व्यसनों का त्याग करना सिखाता है, जबकि प्रेम, करुणा, संतोष, क्षमा और आनंद जैसे सद्गुणों को जीवन में स्थापित करता है। यही कारण है कि सहजयोगी वही बन सकता है जो अपने पारिवारिक दायित्वों का निष्ठापूर्वक पालन करते हुए प्रेमपूर्ण, संतुलित, आनंदमय और संतुष्ट जीवन व्यतीत करे। सहजयोग पूर्णतया निःशुल्क है।

# राज्यों की वित्तीय सेहत पर दबाव, केरल-तमिलनाडु के श्वेत पत्र ने राजकोषीय सुधार की जरूरत दिखाई




इस साल संपन्न विधान सभा चुनावों के बाद तीन राज्यों केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में राजनीतिक सत्ता बदली है। इनमें दो राज्यों में नई सरकारों ने अपने समक्ष मौजूद चुनौतियां स्पष्ट करने के लिए 'राज्य की आर्थिक स्थिति' पर श्वेत पत्र जारी किए हैं। माना जा रहा है कि चुनौतियों की शिनाख्त करना करना उन्हें बेअसर करने के उपाय करने की दिशा में पहला कदम है।

कर्ज का स्तर बढ़ने की चिंता के अलावा ये दोनों दस्तावेज (दोनों राज्यों के) आय और खर्च से जुड़ी कुछ समान चिंताओं की ओर भी ध्यान खींचते हैं। खर्च के मामले में वे राजस्व खर्च में तय देनदारियों के बड़े हिस्से और पूंजीगत व्यय के लिए बची सीमित गुंजाइश की ओर इशारा करते हैं। पूंजीगत व्यय अर्थव्यवस्था में दीर्घ अवधि की वृद्धि का आधार होता है।

केरल ने जिक्र किया है कि उसका तय खर्च (जिसमें वेतन-भत्ते, पेंशन और ब्याज का भुगतान शामिल है) राजस्व आय का 77 प्रतिशत है जबकि तमिलनाडु ने यह आंकड़ा राजस्व आय का 64 प्रतिशत बताया है। इसके उलट, पूंजीगत व्यय केरल के लिए 1.3 प्रतिशत और तमिलनाडु के लिए 1.44 प्रतिशत तक ही सीमित है। दोनों राज्य व्यय के मामले में दो और चिंताओं की ओर इशारा करते हैं यानी सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की देनदारियां और बकाया राशि के रूप में राज्य की मौजूदा देनदारियां पूरी करने में आने वाली चुनौतियों की बात करते हैं।

आय के मामले में श्वेत पत्र इन राज्यों के अपने कर राजस्व की वृद्धि में आई सुस्ती उजागर करते हैं। केरल का श्वेत पत्र अपने कर राजस्व में आई गिरावट की तुलना अपने ही पिछले प्रदर्शन और दूसरे समान राज्यों से करता है। सकल राज्य घरेलू उत्पाद के मुकाबले उसके कर राजस्व का अनुपात वर्ष 2015-16 में 6.94 प्रतिशत से घट कर हाल के वर्षों में 6.41 प्रतिशत हो गया है जो कम वृद्धि को दर्शाता है। इसका मुख्य कारण (राज्य वस्तु एवं सेवा कर) का प्रदर्शन है। तमिलनाडु का श्वेत पत्र भी इस अनुपात में गिरावट की ओर इशारा करता है। वर्ष 2006-07 में यह 8.94 प्रतिशत के उच्च स्तर पर था जो वित्त वर्ष 2025-26 में घट कर 5.45 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गया है।

इन श्वेत पत्रों का अध्ययन करने से कुछ सवाल उठते हैं। पहला, क्या पहचानी गई वित्तीय चुनौतियां केवल इन दो राज्यों तक ही सीमित हैं या यह समस्या और भी व्यापक है? दूसरा, क्या इन चुनौतियों से निपटने के लिए कोई ठोस विकल्प मौजूद हैं?

राज्यों के पास राजस्व प्राप्तियों में बढ़ोतरी के जरिये उपलब्ध वित्तीय गुंजाइश समझने के लिए हम वर्ष 2024-25 तक के जांचे (ऑडिट किए हुए) आंकड़ों और मार्च 2026 (2025-26 के) के कुल मासिक खातों का अवलोकन करते हैं। कोविड-19 महामारी से पूर्व सभी राज्यों की राजस्व प्राप्तियों में सालाना औसत बढ़ोतरी दर 10 प्रतिशत से अधिक थी। वर्ष 2019-21 के दौरान यह दर गिरकर लगभग शून्य प्रतिशत हो गई। अगले दो वर्षों में बढ़ोतरी की दर तेजी आई (वर्ष 2021-22 में 25 प्रतिशत और 2022-23 में 13 प्रतिशत)। इसके बाद स्पष्ट र सुस्ती देखी गई यानी वर्ष 2023-24 में यह दर 8 प्रतिशत थी जबकि वर्ष 2024-25 में यह 6.8 प्रतिशत थी। मासिक खातों के आंकड़ों को देखें तो यह मामूली सुधर कर 7.3 प्रतिशत हो गया है। बड़े राज्यों को मिलाकर भी ऐसा ही रुझान दिखता है।

राज्यों के कर राजस्व की बात करें तो बड़े राज्यों के लिए फिर ऐसा ही रुझान दिखता है। कोविड महामारी से पूर्व के समय में 10 प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी दर, कोविड के दौरान कमी, उसके बाद दो सालों तक तेज बढ़ोतरी और फिर मामूली बढ़ोतरी का दौर (वर्ष 2023-24 में 13 प्रतिशत, 2024-25 में 4 प्रतिशत और 2025-26 में 5 प्रतिशत। इन्हें मिलाकर और पिछले दो सालों में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 9 प्रतिशत नॉमिनल बढ़ोतरी दर को देखते हुए यह स्पष्ट है कि राज्यों के अपने कर राजस्व का अनुपात गिरेगा और ऐसा ही राजस्व प्राप्ति के मामले में भी होगा।

उपलब्ध संसाधनों के इस्तेमाल की बात की जाए तो राज्यों की आर्थिक स्थिति पर दबाव इस बात से साफ पता चलता है कि राज्य राजस्व घाटा पूरा करने के लिए अपने राजकोषीय घाटे का कितना इस्तेमाल कर रहे हैं। इस मोर्चे पर भी महामारी के बाद स्थिति में साफ सुधार दिखाई दे रहा है और वर्ष 2022-23 में राजस्व अधिशेष वाले बड़े राज्यों की संख्या बढ़कर नौ हो गई। मगर इसके बाद स्थिति बदल जाती है। राजस्व अधिशेष दर करने वाले राज्यों की संख्या कम रही। वर्ष 2023-24 में आठ, 2024-25 में छह और 2025-26 में पांच ऐसे राज्य रहे। दूसरी तरफ, राजस्व घाटा पूरा करने के लिए राजकोषीय घाटे का 50 प्रतिशत से अधिक इस्तेमाल करने वाले बड़े राज्यों की संख्या वर्ष 2023-24 में चार से बढ़कर वर्ष 2024-25 में छह और 2025-26 में आठ हो गई है।

दूसरे शब्दों में कहें तो राज्यों की वित्तीय स्थिति पर बढ़ते वित्तीय दबाव के ठोस प्रमाण मिल रहे हैं। राजकोषीय सुदृढ़ीकरण की आवश्यकता फिर सामने आ गई है। विकल्प हमेशा की तरह राजस्व बढ़ाना या व्यय का पुनर्गठन करना है। इस संदर्भ में दो विचार हो सकते हैं। पहला, उभरते वित्तीय जोखिम की इस व्यापक घटना के कुछ अपवाद भी हैं। कुछ राज्य लगातार राजस्व अधिशेष बनाए रखने में सक्षम रहे हैं।

ऐसे राज्यों में गुजरात, झारखंड, मध्य प्रदेश, ओडिशा और उत्तर प्रदेश शामिल हैं। इनमें उच्च आय और मध्यम आय वाले राज्य, खनिज संपदा से भरपूर राज्य और कृषि क्षेत्र पर निर्भर राज्य शामिल हैं। दूसरी ओर हरियाणा, महाराष्ट्र और राजस्थान राजस्व के मोर्चे पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं जहां राजस्व वृद्धि लगभग 10 प्रतिशत या उससे अधिक है। पिछले अनुभव साझा करना उपयोगी हो सकता है।

दूसरा, हालांकि वित्तीय स्थिति संबंधित व्यापक प्रश्नों को उल्लेख श्वेत पत्रों में किया गया है मगर एक उभरती चिंता पर ध्यान नहीं दिया गया है। अर्थव्यवस्था की व्यापक आर्थिक स्थितियां कुछ चिंताएं पैदा कर रही हैं जिनमें सबसे प्रमुख है पर्याप्त संख्या में उत्पादक रोजगार सृजन की चुनौती। तकनीकी बदलाव इस चुनौती को और भी गंभीर बना सकता है। इस संदर्भ में कल्याणकारी कार्यक्रमों के विस्तार के पक्ष में नीतिगत बदलाव आया है।

इनमें आय पूरक, निःशुल्क भोजन, निःशुल्क बिजली और परिवहन के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाएं भी शामिल हैं।

# झूले से गिरकर टूटी सिर को रीड से जोड़ने वाली हड्डी, सफल जटिल सर्जरी कर युवक को मिला नया जीवन

## 16 वर्षीय किशोर सफल सर्जरी के बाद फिर पेरों पर खड़ा हुआ

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** अमलतास सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के न्यूरोसर्जरी विभाग के डॉक्टरों ने एक बार फिर अपनी चिकित्सा विशेषज्ञता का लोहा मनवाया है। झूले से गिरने के कारण सिर को गर्दन से जोड़ने वाली मुख्य हड्डी की गंभीर चोट का शिकार हुए एक 16 वर्षीय किशोर को डॉक्टरों ने जटिल ऑपरेशन के जरिए नया जीवन दिया है। चारों हाथ-पैरों की ताकत खो चुका यह किशोर अब बिना किसी सहारे के अपने पैरों पर चलने-फिरने लगा है।

अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार, 16 वर्षीय किशोर को झूले से गिरने के बाद बेहद गंभीर हालत में अमलतास अस्पताल लाया गया था। चोट के कारण उसके चारों हाथ-पैरों में भारी कमजोरी आ चुकी थी और वह हिलने-डुलने में भी असमर्थ था। कई महानगरों में भटकने के बाद भी मरीज को आराम नहीं मिला एवं जब न्यूरोसर्जरी विभाग में मरीज की बारीकी से जांच की गई, तो पता चला कि उसकी गर्दन की दूसरी हड्डी (C2) के ओडोन्टॉइड (डेंस) में फ्रैक्चर हुआ था, जो सीधे तौर पर सिर को गर्दन के साथ जोड़कर रीढ़ की हड्डी को स्थिरता देती है। चिकित्सा विज्ञान में इसे C2 (दूसरी गर्दन की हड्डी) का फ्रैक्चर की अत्यंत गंभीर और अस्थिर चोट माना जाता है। ऐसी स्थिति में यदि समय पर सटीक इलाज न मिले, तो मरीज को हमेशा के लिए स्थायी लकवा मार सकता है या उसकी जान भी जा सकती है। मरीज की क्रिटिकल कंडीशन को देखते हुए अस्पताल के वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डॉ. राकेश रघुवंशी और उनकी टीम जिसमें डॉ. निखिल, ओटी असिस्टेंट शेखर, नेना और लक्की जाट शामिल थे ने तुरंत सर्जरी का फैसला लिया।

डॉक्टरों की टीम ने अत्यंत जटिल C1–C2 फिक्सेशन सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इस अत्याधुनिक ऑपरेशन में विशेष स्क्रू और रॉड की मदद से गर्दन की ऊपरी हड्डियों को पूरी तरह स्थिर किया गया, ताकि स्पाइनल कॉर्ड सुरक्षित रहे और फ्रैक्चर सही तरीके से जुड़ सके। सफल ऑपरेशन के बाद अमलतास के पुनर्वास विभाग द्वारा मरीज को नियमित फिजियोथेरेपी दी गई, जिससे किशोर अब पूरी तरह स्वस्थ होकर सामान्य जीवन जी रहा है।

अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के चेयरमैन श्री मयंकराज सिंह भदौरिया ने डॉक्टरों की टीम को बधाई दी। अपने संदेश में उन्होंने कहा- अमलतास सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का मुख्य उद्देश्य मालवा अंचल और ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को बेहद किफायती दरों और शासकीय योजनाओं के लाभ के साथ विश्वस्तरीय चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना है। स्पाइन और न्यूरोसर्जरी से जुड़े ऐसे जटिल व खर्चीले मामले, जिनके लिए पहले मरीजों को बड़े महानगरों की दौड़ लगानी पड़ती थी, उनका इलाज अब हमारे यहाँ आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पूरी तरह निःशुल्क और उच्च तकनीक से हो रहा है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए आयुष्मान योजना एक वरदान है, और अमलतास हॉस्पिटल इसके माध्यम से हर जरूरतमंद तक सर्वश्रेष्ठ इलाज पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। 16 वर्षीय किशोर का फिर से अपने पैरों पर खड़ा होना हमारी पूरी टीम की मेहनत का परिणाम है।

# कलेक्टर द्वारा अधिकारियों के कार्य विभाजन आदेश जारी

**सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा जिला कार्यालय में पदस्थ राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के मध्य कार्यों के सुचारु एवं प्रभावी संचालन के लिए नवीन कार्य विभाजन आदेश जारी किया गया है। कार्य विभाजन आदेश में अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर तथा डिप्टी कलेक्टर्स के मध्य विभिन्न शाखाओं एवं विभागीय दायित्वों का निर्धारण किया गया है। जारी आदेश के अनुसार अपर कलेक्टर श्री बृजेश सक्सेना को राजस्व, पंचायत राज, कृषि भूमि सीमा, मुख्यमंत्री सहायता कोष, जिला सतर्कता, लाइसेंस शाखा, स्वास्थ्य विभाग (रेडक्रॉस), जनगणना, राहत, भू-अभिलेख सहित अनेक महत्वपूर्ण प्रशासनिक एवं राजस्व संबंधी दायित्व सौंपे गए हैं। संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत को स्वच्छ भारत मिशन, जनसुनवाई, सीएम हेल्पलाइन, सूचना प्रौद्योगिकी, लोक सेवा प्रबंधन, राज्य लायबिलिटी संबंधी कार्य, मुख्य प्रतिलिपिकार शाखा, अभिलेखागार तथा एसएलआर शाखा का प्रभार दिया गया है। संयुक्त कलेक्टर श्री रविन्द्र परमार को लेखा शाखा, स्थानीय निर्वाचन, नजारत शाखा, व्यवहार न्याय, जीपीएफ, लोक स्थापना, आरएमएस शाखा, रीडर शाखा तथा नजूल संबंधी कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सीहोर एसडीएम श्री तन्मय वर्मा को लोक परिसंपत्ति प्रबंधन तथा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का प्रभार दिया गया है। वहीं इछावर एसडीएम श्रीमती स्वाति मिश्रा को टंकण शाखा, आवक-जावक शाखा, अल्प बचत, धर्मस्व तथा सैनिक कल्याण से संबंधित कार्यों का दायित्व सौंपा गया है। आदेश में अधिकारियों के मध्य लिंक अधिकारी व्यवस्था भी निर्धारित की गई है, जिससे किसी अधिकारी की अनुपस्थिति की स्थिति में प्रशासनिक कार्यों का संचालन निर्बाध रूप से जारी रह सके। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए हैं कि सभी संबंधित अधिकारी अपने-अपने आवंटित कार्यों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से निर्वहन सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को प्रशासनिक सेवाओं का त्वरित लाभ मिल सके।

# लक्ष्य से पीछे रहने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई - कलेक्टर

**राजगढ़/दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले में 14 जुलाई से शुरू होने वाले दस्तक अभियान की तैयारियों को लेकर गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में स्वास्थ्य एवं सहयोगी विभागों की संयुक्त जिला समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने स्पष्ट कहा कि अभियान के दौरान निर्धारित लक्ष्य हर हाल में पूरे किए जाएं। लक्ष्य के अनुरूप प्रगति नहीं मिलने पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने निर्देश दिए कि दस्तक पोर्टल पर सभी बच्चों की जानकारी तीन दिवस के भीतर शत-प्रतिशत दर्ज की जाए। साथ ही अभियान में उपयोग होने वाली सभी आवश्यक दवाइयां, उपकरण एवं अन्य संसाधन समय रहते मैदानी अमले को उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि ऐसा माइक्रोप्लान तैयार किया जाए जिससे जिले का कोई भी गांव या शहरी वार्ड अभियान से वंचित न रहे। आवश्यकता पड़ने पर नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की भी सेवाएं ली जाएं। बैठक में 14 जुलाई से 31 अगस्त तक चलने वाले दस्तक अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों के घर-घर जाकर स्वास्थ्य परीक्षण की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने अभियान को पूरी गंभीरता और गुणवत्ता के साथ संचालित करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिले में संचालित टीबी उन्मूलन अभियान की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने टीबी मरीजों को स्वस्थ जीवन देने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली तथा टीबी चैम्पियनों के अनुभव सुनते हुए उनकी प्रेरणादायक कहानियों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. मनीष कुमार ने स्लाइड प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अभियान की प्रगति, उपलब्धियों और चुनौतियों से अवगत कराया। बैठक में टीबी उन्मूलन के लिए कार्यरत स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। गर्भवती महिलाओं के एएनसी पंजीयन की समीक्षा के दौरान जिले की संतोषजनक प्रगति नहीं मिलने पर कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने नाराजगी जताई।

# महापौर ने किया सफाई मित्रों को किया रैन कोट का वितरण

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** वर्षाकाल मे सफाई मित्रों को बारिश से बचाव के लिए अपने कार्य को ओर सुविधाजनक करने के लिए महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल के द्वारा पुरूष एवं महिला सफाई मित्रों को रैनकोट का वितरण विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, निगम स्वास्यि समिती अध्यक्ष धर्मेन्द्रसिहं बैस, पार्षद प्रतिनिधि नितीन आहूजा के साथ निगम बैठक हाल मे किया गया।

इस अवसर पर महापौर ने कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था मे हमारे सफाई मित्र अपना अहम योगदान देते हैं। बारिश से बचाव के लिए तथा उनके स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए उनके स्वास्थ्य को ध्यान मे रखते हुए रैन कोट का वितरण किया गया।

विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि श्री अग्रवाल ने कहा कि सफाई मित्र निगम की कार्य व्यवस्थाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। सफाई मित्रों को रैन कोट का वितरण कर उन्हें वर्षाकाल मे अपना कार्य करने में किसी प्रकार की कोई असुविधा ना हो इस हेतु रैन कोट का सांकेतिक रूप से रैन कोट का वितरण किया गया। शेष कर्मचारी जो निगम से संबंधित कार्य फिल्ड मे करते हैं उनको भी रैन कोट का वितरण शीघ्र ही किया जावेगा।

निगम स्वास्थ्य समिती अध्यक्ष श्री बैस ने कहा कि सफाई मित्र हमारे निगम परिवार का हिस्सा हैं वर्षाकाल को दृष्टिगत रखते हुए निगम द्वारा रैन कोट का वितरण किया गया ताकि वे बारिश से बचाव हो।

इस अवसर पर निगम उपायुक्त आरती खेडेकर, भाजपा नेता विपुल अग्रवाल, कैलाश दशोरे, निगम स्वच्छता निरीक्षक हेमन्त उबनारे, शंकर सांगते, शिवा खत्री, विशाल धोलपुरे, अंकित बंजारे, अनिस सांगते के साथ महिला एवं पुरूष सफाई मित्र उपस्थित रहे।

# 50 बैड से अधिक संचालित हास्पिटलों को शासन से लेना होगी एनओसी-आयुक्त

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** आयुक्त दलीप कुमार के निर्देशन में निगम की टीम के द्वारा निरंतर कोचिंग क्लासेसों की फायर सेफ्टी एवं आपातकालीन द्वार एवं जनहानी एवं दुर्घटना से बचाव के लिए जांच की गई। इसी प्रकार आयुक्त के निर्देशन में निगम की टीम के द्वारा देवास मे स्थित सभी हास्पिटलों की भी सघन जांच की जा रही है। जांच में देवकर नर्सिंग होम, देवास हॉस्पिटल, करीम नर्सिंग होम, महात्मा गांधी हॉस्पिटल, सिविल हॉस्पिटल, सिटी हॉस्पिटल,यश हॉस्पिटल संस्कार हॉस्पिटल, अपैक्स हॉस्पिटल, श्रद्धा नर्सिंग होम, लव कुश हॉस्पिटल, खरे नर्सिंग होम, माहेश्वरी नर्सिंग होम, प्रिज्म हॉस्पिटल, एच.ए.एच. यूनानी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, प्राइम हॉस्पिटल, कुलकर्णी नर्सिंग होम, विनायक हॉस्पिटल, सलूजा हॉस्पिटल, प्रिन्स हॉस्पिटल, अमन हॉस्पिटल, पाटीदार हॉस्पिटल, चंद्रा नर्सिंग होम, कोठारी नर्सिंग होम के साथ इन सभी हास्पिटलों में जाकर निगम की टीम के द्वारा किसी भी प्रकार की जनहानि व दुर्घटना से बचाव के लिए फायर सेफ्टी उपकरणों के साथ आपातकालीन द्वार एवं विद्युत सुरक्षा उपकरणों के साथ फायर आडिट, इलेक्ट्रिक आडिट एवं फायर सुरक्षा उपकरणों की जांच की गई।

# शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय देवास में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय देवास में गुरुवार को मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा तनावमुक्त एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में महात्मा गांधी जिला चिकित्सालय देवास के मनोचिकित्सक डॉ. धर्मेन्द्र प्रजापति की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर प्राचार्य शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय डॉ. सोनल भाटी, मानसिक स्वास्थ्य नोडल अधिकारी श्री योगेश अलावा, महाविद्यालय के अधिकारी-कर्मचारीगण तथा छात्र-छात्राएँ ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से सहभागी बने तथा प्रशिक्षण से लाभान्वित हुए।

मनोचिकित्सक डॉ. धर्मेन्द्र प्रजापति ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, तनाव प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रारंभिक लक्षणों की पहचान, मानसिक स्वास्थ्य प्राथमिक सहायता (Mental Health First Aid), जीवन कौशल (Life Skills), सकारात्मक सोच एवं संतुलित जीवनशैली जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को समय रहते पहचानकर उचित परामर्श एवं उपचार प्राप्त करने से उनका प्रभावी समाधान संभव है। इस दौरान उन्होंने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया तथा मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक एवं संवेदनशील रहने का संदेश दिया।

प्राचार्य डॉ. सोनल भाटी ने कहा कि वर्तमान समय में मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। तकनीकी शिक्षा के साथ विद्यार्थियों का मानसिक रूप से स्वस्थ, आत्मविश्वासी एवं सकारात्मक होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को तनाव से प्रभावी ढंग से निपटने, भावनात्मक संतुलन बनाए रखने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने मुख्य वक्ता डॉ. धर्मेन्द्र प्रजापति का महाविद्यालय परिवार की ओर से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन से सभी प्रतिभागियों को अत्यंत उपयोगी एवं व्यवहारिक जानकारी प्राप्त हुई। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने, तनावमुक्त एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने तथा आवश्यकता पड़ने पर समय पर विशेषज्ञ से परामर्श लेने का संकल्प लिया।

# नरवाई जलाने की समस्या के स्थायी समाधान के लिए समन्वय बैठक आयोजित

**सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** आगामी रबी फसल कटाई के दौरान नरवाई जलाने की समस्या को रोकने एवं फसल अवशेषों के वैज्ञानिक प्रबंधन की पूर्व तैयारी के उद्देश्य से कृषि विभाग एवं वर्धमान फैब्रिक्स, बुधनी द्वारा समन्वय बैठक आयोजित की गई।

बैठक में यह भी चर्चा की गई कि यदि किसान फसल अवशेषों को जलाने के स्थान पर उन्हें उपयोग के लिए उपलब्ध कराते हैं, तो इससे अनेक सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेंगे। पराली जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण में कमी आएगी, मृदा के लाभकारी सूक्ष्मजीव एवं पोषक तत्व सुरक्षित रहेंगे, खेतों की उर्वरता बनी रहेगी तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, फसल अवशेषों का औद्योगिक उपयोग होने से उन्हें अपशिष्ट से संसाधन के रूप में उपयोग किया जा सकेगा ।

आगामी फसल सीजन प्रारंभ होने से पूर्व ही किसानों को व्यापक रूप से जागरूक किया जाएगा, ताकि वे फसल अवशेषों को जलाने के बजाय उनके उचित उपयोग एवं संग्रहण की व्यवस्था से जुड़ सकें। इस दिशा में वर्धमान फैब्रिक्स द्वारा क्षेत्रवार अधिकृत वेंडर्स (आपूर्तिकर्ता) नियुक्त किए जाएंगे, जो संबंधित गांवों से किसानों के फसल अवशेषों का संग्रहण कर कंपनी तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। कृषि विभाग द्वारा ग्राम स्तर पर जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को पराली जलाने से होने वाले पर्यावरणीय एवं मृदा संबंधी दुष्प्रभावों तथा फसल अवशेषों के वैकल्पिक एवं उपयोगी प्रबंधन की जानकारी दी जाएगी।

# नगर निगम आयुक्त ने व्यापारियों से की अपील

## क्यूआर कोड युक्त नेमप्लेट लगाकर गौशाला के विकास में करें सहयोग

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नगर निगम देवास द्वारा संचालित शंकरगढ़ गौशाला के विकास, संरक्षण एवं गौसेवा को जनसहभागिता से और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से नगर निगम आयुक्त श्री दलीप कुमार ने शहर के व्यापारियों, उद्योगपतियों एवं आम नागरिकों से सहयोग की अपील की है। आयुक्त दलीप कुमार ने बताया कि नगर निगम की सहयोगी संस्था ÷अभिरंग÷ के माध्यम से विशेष क्यूआर कोड युक्त नेमप्लेट तैयार कराई गई हैं। शहर के व्यापारी एवं प्रतिष्ठान संचालक अपने प्रतिष्ठानों पर उक्त नेमप्लेट लगाकर गौशाला के विकास एवं गौमाता की सेवा हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान कर सकते हैं। नेमप्लेट पर अंकित क्त्क्र कोड को स्कैन करते ही दान राशि सीधे नगर निगम संचालित शंकरगढ़ गौशाला के खाते में जमा होगी, जिससे प्राप्त राशि का उपयोग गौवंश के चारा, चिकित्सा, रखरखाव एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में किया जाएगा। आयुक्त महोदय ने कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति एवं परंपरा का महत्वपूर्ण अंग है तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को इस पुण्य कार्य में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने नगर के सभी व्यापारियों एवं उद्योग बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में इस अभियान से जुड़कर गौशाला के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य अधिकारी सौरभ त्रिपाठी, गौशाला के नोडल/स्वास्थ्य निरीक्षक हरेंद्र सिंह ठाकुर, गौशाला संचालक बसंत वर्मा तथा संदीप बैरागी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे। नगर निगम देवास ने नगरवासियों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों से अपील की है कि वे क्यूआर कोड युक्त नेमप्लेट अभियान में सहभागी बनकर गौसेवा के इस पुनीत कार्य में अपना अमूल्य योगदान प्रदान करें।

# लायंस क्लब आफ देवास सिटी का चार्टर नाइट एवं संस्थापन समारोह आयोजित

## नवनियुक्त अध्यक्ष अनिल नागर एवं उनकी कार्यकारिणी ने शपथ ग्रहण की

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** लायंस क्लब आफ देवास सिटी का चार्टर नाइट एवं संस्थापन समारोह स्थानीय होटल रामाश्रय पैराडाइज होटल में आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परमपूज्य गुरुदेव आचार्य श्री आनंदशुक्ला जी चारभुजानाथ मंदिर सांवेर एवं अतिथि वक्ता संस्थापन अधिकारी एम जे एफ लायन डॉक्टर मनिंदरसिंह चंडोक थे। मंचासीन अन्य अतिथियों में केबिनेट सचिव लायन अनिल मोदी, लायन मुरली अरोरा,रीजन चेयरपर्सन लायन औसाफ कुरेशी,झोन चेयरपर्सन लायन मयंक काबरा,क्लब अध्यक्ष लायन अनिल कुमार नागर, क्लब सचिव लायन प्रमोद गुप्ता, कोषाध्यक्ष लायन एम एल डाबी, निवृत्तमान

क्लब अध्यक्ष लायन मनोज बिंदल, क्लब सचिव लायन भगवान गोयल थे। सर्वप्रथम क्लब अध्यक्ष ने कार्यक्रम प्रारंभ करने की घोषणा की। लायन एम एल डाबी ने ध्वज वन्दन किया। चार्टर नाइट समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर अतिथियों द्वारा किया गया। चार्टर वाचन लायन श्रीमती किरणधूत ने किया पश्चात अतिथि आचार्य आनंद शुक्ला का स्वागत एम जे एफ लायन डॉक्टर के के धूत, संस्थापन अधिकारी लायन मनिंदरसिंह चंडोक का स्वागत लायन मनोज बिंदल, रीजन चेयर पर्सन एम जे एफ लायन औसाफ कुरैशी का सचिव लायन भगवान गोयल,झोन चेयरपर्सन लायन मयंक काबरा का कोषाध्यक्ष लायन अनिल नागर ने स्वागत किया। निवृत्तमान अध्यक्ष ने क्लब की गत वर्ष की गतिविधियों की जानकारी दी। सचिव ने वर्ष 2025 26 की प्रशासनिक गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत की। कोषाध्यक्ष लायन अनिल कुमार नागर ने वर्ष 2025 26 के आय व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया गया। संस्थापन समारोह का शुभारंभ करते हुए संस्थापन अधिकारी एम जे एफ लायन मनिंदरसिंह चंडोक द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारी को शपथ दिलाई गई। अध्यक्ष के लिए लायन अनिल कुमार नागर, सचिव पद के लिए लायन प्रमोद गुप्ता, कोषाध्यक्ष लायन एम एल डाबी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष लायन भगवान गोयल, उपाध्यक्ष सेवा गतिविधि दिनेश माहेश्वरी को पद की शपथ दिलाई गई। निवृत्तमान अध्यक्ष द्वारा नवीन अध्यक्ष लायन अनिल नागर को सपत्नीक मंचासीन करवा कर पिन लगाकर कार्यभार सौपा, अन्य सभी नवनियुक्त पदाधिकारी सचिव प्रमोद गुप्ता, कोषाध्यक्ष एम एल डाबी को लायन की पिन लगाकर आगामी वर्ष में कार्य करने हेतु कार्यभार सौपा गया। अतिथि परिचय लायन डॉक्टर जे एस यादव, लायन एम के नागर द्वारा दिया गया।

# भ्रष्ट ट्रस्ट को नष्ट किया जाए, क्षत्रिय समाज को उचित प्रतिनिधित्व मिले- जैनेन्द्रसिंह पंवार

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** सनातन धर्म की सर्वोच्च आस्था प्रभु श्रीराम जी और उनके मंदिर में सोना चांदी की ईंटें, जवाहरात, चढ़ावे और चंदे की चोरी का मामला चोरी का ही नहीं अपितु तमाम सनातन धर्म के धर्मावलंबियों की आस्था पर डकैती है। यह अनुयायियों का वह जख्म है जिसकी भरपाई वक्त भी नहीं कर सकता और ना ही कोई सजा इसका मरहम बन सकती है। ऐसा दर्द दिया ट्रस्ट के लोगों तुमको भ्रष्ट कहने में शर्म आ रही है। आपने तो डाकुओं जैसा आचरण किया, जैसा फिल्मों में बताया जाता है कि जय भवानी का घोष करते आते हैं और पूरे गांव को लूट ले जाते है वही आपने किया।

तो आपकी भी यही सजा सजा ए मौत या फिर आत्मसमर्पण सब स्वीकारें, भरें, और शेष जिंदगी जेल में काटे। हर सनातनी के दिल की यही आवाज है। सरकार बडे नाजुक मुकाम पर खड़ी है, चेतन अवस्था में कार्यवाही करना चाहिये वर्ना श्रीराम के वरदान से दो सांसद से बहुमत की सरकार बना सकते है तो अभिषाप से जीरो बटे सन्नाटा भी हो सकता है।

सत्ताधारियों को यह बात अपने मन मस्तिष्क में रखनी होगी आगे श्रीराम जैसी बुद्धि दे उनको - मैं आज आजतक के चैनल पर अंजना ओम व पेनल की डिबेट देख रहा था अजना जी ने एक सवाल दागा कि जब जांच नहीं हो रही थी तो सवाल हो रहे थे, और जब जांच हो रही है तो भी सवाल खड़े किये जा रहे है। लेकिन रिलाई तो इसी जांच पर करना होगा। एसआईटी और पुलिस जांच कर रही है तब आप के सांसद संजय सिंह ने कहा कि अगर एसआईटी ओर पुलिस की जांच ही सही माने तो फिर आप और हम यहां बैठकर डिबेट में अपना अपना समय क्यों बर्बाद कर रहे है उसे ही स्वीकार लें और दस पंद्रह हजार पाने वाले वेतन पाने वाले अदने कर्मचारियों को दोषी मान लें, कांड के सरगना के मुखियाओं को बचने बचाने का खुसा आप्शन दे दें। अंजना जी ये डकैत है। इसकी तह तक जाना पड़ेगा। चंपत राय और उनके हमनवा तो मोहरे हैं मुख्य भूमिका या मुखिया तो कोई और है। जैसे आतंकवादी तो आकर आतंकवाद फैलाते है और पकड़े जाते है या मारे जाते हैं लेकिन उनके हेंडलर पाकिस्तान में बैठे रहते है। यह तो वही हो रहा है। चंपतराय और साथी तो मोहरे हैं डकैत की जमीन पर और उनके हैंडलर दिल्ली और नागपुर में बैठे है, बड़ा आपरेशन करना होगा तब दूध का दूध और पानी का पानी होगा वर्ना हमारी आस्था मजबूरी में दम तोड़ देगी। संजय सिंह ने एक बड़ा तीखा प्रश्न किया मोहरों को बचाना पड़ेगा, जिंदा रखना पड़ेगा, मरने नहीं देना होगा, नहीं तो हम हैंडलर तक नहीं पहुंच पाएंगे। इसलिए सरकार को चंपतराय व उनके साथियों को कड़ी सुरक्षा प्रदान करना चाहिये।

मैं ठाकुर जैनेन्द्रसिंह पंवार अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दुखी मन से यह बात बता रहा हूं कि 500 साल की कई लड़ाईयों के बाद सर्वोच्च न्यायालय में प्रकरण गया तो माननीय न्यायालय ने प्रश्न खड़ा किया कि प्रभु श्रीराम थे उनका वंशज कौन तब महारानी दिया कुमारी जयपुर ने जयपुर सिटी पैलेस के पोथी खाने के दस्तावेज पेश किए।

वंशावली (सिजरा), कच्छवाह वंश को भगवान राम के पुत्र कुश का वंशज बताया गया।

1776 का आदेश इसमें लिखा था जयसिंहपुरा की भूमि कच्छवाह वंश के अधिकार क्षेत्र में थी। तब यह विरासत क्षत्रिय समाज का होना लगभग तय हो चुका था। लेकिन न्यायालय ने कहा हमें यह तय नहीं करना है कि राम वंशज कौन है हमें जमीन का कानूनी हक तय करना है। यह कहकर राम वंशज की मौजूदगी का हवाला लेते हुए प्रकरण को निर्णय के अंतिम मुकाम तक पहुंचाया। लेकिन क्षत्रिय समाज के विरासती अधिकार पर गौर नहीं किया।

सतनातन धर्म का क्षत्रिय कुल वह कुल रहा है जिसने धर्म की शान के लिए देश के लिए सर्वोच्च न्यौछावार कर दिया। पुरूषार्थ की नई इबारत लिखी, बलिदान की गाथा में शौर्य और वीरता की धधकती अग्नि भरी इतिहास इस बात का साक्षी है। रामजी हमारे वंशज है लेकिन हम प्रभु श्रीराम को ब्रह्माण्ड का प्रभु मानते है जो अकाट्य सत्य भी है।

# बदनावर में जगन्नाथ रथ यात्रा की धूम, रथयात्रा का पहला निमंत्रण दिया चिंतामन गणेश और बैजनाथ महादेव को

**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नगर में भगवान श्री जगन्नाथ जी की आगामी भव्य रथ यात्रा को लेकर तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। इसी कड़ी में बुधवार शाम को संस्था सृजन के सदस्यों ने किला मैदान स्थित श्री चिंतामन गणेश महाराज एवं श्री बैजनाथ महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान को निमंत्रण पत्र अर्पित किया। सदस्यों ने भगवान को मिठाई का भोग लगाया और रथ यात्रा के सफल व निर्विघ्न आयोजन के लिए प्रार्थना की। इस दौरान संस्था के धर्मेंद्र अग्निहोत्री, महेश पाटीदार, पोपसिंह राठौर एवं मनीष शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे।

इससे पूर्व श्री बैजनाथ महादेव मंदिर परिसर में नगर के विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में रथ यात्रा को और अधिक भव्य, आकर्षक और ऐतिहासिक बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। उपस्थित सभी प्रतिनिधियों ने अपने-अपने बहुमूल्य सुझाव दिए और आयोजन को अभूतपूर्व स्वरूप देने का संकल्प लिया।

संस्था सृजन के अध्यक्ष राकेश सिंह चौहान ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी देवशयनी एकादशी जो शनिवार 25 जुलाई को आ रही है, उस दिन दोपहर 1:00 बजे भगवान श्री जगन्नाथ जी को छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा। इसके बाद कपूर आरती के साथ भव्य रथ यात्रा का शुभारंभ होगा।

भगवान श्री जगन्नाथ, भ्राता बलभद्र एवं माता सुभद्रा सुसज्जित रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण पर निकलेंगे, जिसे श्रद्धालु अपने हाथों से खींचेंगे। रथ यात्रा की शुरुआत दुर्गा चौक स्थित श्री पंडरीनाथ मंदिर से होगी। इसके बाद यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए श्री बैजनाथ महादेव मंदिर पहुंचेगी। जहा श्री बैजनाथ मंदिर परिसर में हरि-हर मिलन का दिव्य और अलौकिक आयोजन होगा। यात्रा के समापन पर महाप्रभु की महाआरती की जाएगी और सभी श्रद्धालुओं को फरियाली खिचड़ी का प्रसाद वितरित किया जाएगा।

आयोजन को लेकर नगर के युवाओं और श्रद्धालुओं में भारी उत्साह का माहौल है। रथ यात्रा की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संभालने के लिए विभिन्न समितियां बनाकर जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं, जो पूरी निष्ठा से तैयारियों में जुट गई हैं।

## जिले में अब तक 228.38 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

**आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले में इस वर्ष अब तक औसतन 228.38 मि.मी. वर्षा दर्ज की गयी है। जबकि पिछले 24 घन्टों में रतलाम जिले में 3.00 मिमी वास्तविक वर्षा दर्ज की गई है। पिछले 24 घन्टों में आलोट में 0.00 मि.मी., जावरा में 1.0 मि.मी., ताल में 0.0 मि.मी., पिपलोदा मे 8.0 मि.मी., बाजना में 3.0 मि.मी., रतलाम में 4.0 मि.मी., रावटी में 4.0 मि.मी. एवं सैलाना में 4.0 मि.मी., वास्तविक वर्षा दर्ज की गई है। विगत 1 जून से अब तक वर्षामापक केन्द्र आलोट में 281.0 मि.मी., जावरा में 217.0 मि.मी., ताल में 196.0 मि.मी., पिपलोदा में 264.0 मि.मी., बाजना में 154.0 मि.मी., रतलाम में 329.0 मि.मी., रावटी में 174.0 मि.मी. एवं सैलाना में 212.0 मि.मी., वास्तविक वर्षा दर्ज की गई है।

## विकास को रफ्तार: विधायक श्री पंड्या ने किया 1 करोड़ 70 लाख के कार्यों का भूमि पुजन और लोकार्पण बदलेगी क्षेत्र की

**बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड।** विधानसभा के ग्राम अमलावद कलॉ में 46 लाख 60 हजार से अधिक की लागत के निर्माण कार्यों का भूमि पूजन व लोकार्पण साथ ही ग्राम महुड़ी आलम में 1 करोड़ 24 लाख से अधिक की लागत के विकास कार्यों का भूमि पूजन व लोकार्पण लोकप्रिय विधायक माननीय जितेन्द्र उदयसिंह पण्ड्या के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

इस अवसर पर विधायक श्री पण्ड्या ने कहां की आज का दिन हमारे क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक है। भूमि पूजन व लोकार्पण के ये कार्य सिर्फ पत्थर लगाना नहीं बल्कि क्षेत्र के उज्जवल भविष्य की नींव है। जनता ने जिस विष्वास के साथ मुझे चुना है उस पर खरा उतरना ही मेरा एकमात्र लक्ष्य है क्षेत्र का चहुंमुखी विकास और अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना मेरी प्राथमिकता है। विधायक श्री पण्ड्या ने कहां अधिकारीयों को निर्देष देते हुए कहा कि सभी निर्माण कार्य पुरी गुणवत्ता के साथ और समय सीमा के भीतर पुरे किए जाए ताकि जनता को इसका जल्द से जल्द लाभ मिल सके।

इस भूमि पूजन एवं लोकार्पण के अवसर पर, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि उमरावसिंह जनपद पंचायत उपाध्यक्ष अजब सिंह, खरसोद कला, भाजपा मंडल अध्यक्ष विजयराजसिंह खरसोद कला, इंगोरिया भाजपा मंडल अध्यक्ष गोपाल आंजना,खरसोद खुर्द मंडल अध्यक्ष मुकेष व्यास ,,सरपंच संघ अध्यक्ष मनोहर गुर्जर , गजेन्द्रसिंह राजावत,, ,श्रीमति सुनीता टीकंमसिंह पंवार जनपद सदस्य लखानसिंह , जनपद सदस्य सुखदेव पाटीदार , जनपद सदस्य पुर्व विजयसिंह गोर्वधनसिंह पटेल मानियावदा, इन्द्रपालसिंह पण्ड्या षिवराम जाट ,भोमसिंह पंवार ,नाथुसिंह जी सरपंच, राहुल चैहान सरपंच, देवेन्द्रसिंह राणावत सरपंच भेरूलाल सोलंकी सुमेरसिंह ,धर्मेन्द्र सिंह राठौड़ ,भारती चैहान ,देवेन्द्र पटेल के समस्त पंचगण व समस्त ग्रामीणजन उपस्थित थे।

## 15 साल की उम्र में रखा अपराध की दुनिया में कदम, 27 साल की उम्र तक 19 से ज्यादा केस

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने वर्षों से फरार चल रहे कुख्यात अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्कर सुनील पुत्र कालूलाल मीणा (27) को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी मध्यप्रदेश के नीमच जिले के जीरन थाना क्षेत्र के ग्राम गमेशपुरा का निवासी है और करीब 8 वर्षों से फरार था। पुलिस के अनुसार, सुनील पर राजस्थान, मध्यप्रदेश और एनसीबी में 19 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें एनडीपीएस एक्ट, हत्या के प्रयास, धोखाधड़ी सहित कई गंभीर अपराध शामिल हैं। राजस्थान पुलिस ने उस पर 1 लाख रुपये, जबकि मध्यप्रदेश पुलिस ने भी इनाम घोषित कर रखा था। जांच में सामने आया कि सुनील ने 15 वर्ष की उम्र में तस्करों की गाड़ियों की एस्कॉर्टिंग से अपराध की दुनिया में कदम रखा था। बाद में उसने खुद बड़े पैमाने पर मादक पदार्थों की तस्करी शुरू कर दी और राजस्थान-मध्यप्रदेश में मजबूत नेटवर्क खड़ा कर लिया। वह तस्करी के दौरान पुलिस की घेराबंदी होने पर कई बार पुलिस पर फायरिंग कर फरार भी हो चुका है। गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी अपने घर के बजाय घने जंगलों में ठिकाना बदल-बदलकर रहता था। पत्नी के जरिए जंगल में ही भोजन और जरूरी सामान मंगवाता था। ANTF ने करीब 15 दिनों तक चरवाहे के वेश में गुप्त निगरानी की और तकनीकी इनपुट के आधार पर उसके ठिकाने की पुष्टि की। बारिश का फायदा उठाते हुए टीम ने देर रात घर की घेराबंदी की। तलाशी के दौरान आरोपी रजाई ओढ़कर छिपा मिला। शुरुआती पूछताछ में उसने झूठी पहचान बताने की कोशिश की, लेकिन सख्ती से पूछताछ में अपनी असली पहचान स्वीकार कर ली।

## प्रेरणा शहीदों से हम अगर नहीं लेंगे, आजादी ढलती हुई सांझ हो जाएगी

### यदि वीरों की पूजा हम नहीं करेंगे,तो वीरता बाँझ हो जाएगी

**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नगर के माथुर कालोनी स्थित महाराणा प्रताप राजपूत धर्मशाला से संलग्न गार्डन में शहीद सूबेदार रविंद्र सिंह राठौर की 25 वीं पुण्यतिथि रजक जयंती के रूप प्रतिमा पर माल्यार्पण कर ट्रस्ट द्वारा मनाई गई श्रद्धांजलि अर्पित कर उनकी राष्ट्रभक्ति और सेवा समर्पण जिसमें शहीद रविंद्र सिंह राठौर ने 9 जुलाई 2001 को जम्मू कश्मीर के सुरनकोट तहसील के जंगलों में सेना के ऑपरेशन रक्षक का नेतृत्व कर आतंकियों के मुकाबले में तीन आतंकियों को मार गिराकर वीरगति को प्राप्त हुए। शहीद राठौर का जन्म धार जिले के बदनावर तहसील के छोटे से गांव पाना में राठौर परिवार में हुआ था। रविंद्र सिंह राठौर बचपन से ही देश सेवा के प्रति उत्सुक रहे एवं सेना में भर्ती होने के लिए निरंतर प्रयास करते रहे। आप 1 जनवरी 1979 को पेरा रेजीमेंट में चयनित होकर बैंगलोर से प्रशिक्षण प्राप्त कर आगरा में पदस्थ हुए। आप सेना में सिपाही , लांस नायक, नायक, हवलदार सूबेदार एवं नायब सूबेदार के पद पर सेवारत रहे। आपके अदम्य साहस को देखते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा बल एनएसजी कमांडो में 8 वर्ष सेवा का अवसर मिला। आप देश सेवा करते हुए 9 जुलाई 2001 को शहीद हो हुए।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में महाराणा प्रताप ट्रस्ट के संरक्षक जी पी सिंह राठौर, ट्रस्ट अध्यक्ष अंतर सिंह पवार, युवा राजपूत संगठन अध्यक्ष पोपसिंह राठौर(पप्पी बना), नगर परिषद उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह पंवार (फून्दा बापू), भगवान सिंह राठौर,कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह पवार, सरपंच प्रतिनिधि विजय सिंह पवार ,बापू सिंह यादव, मनोहर सिंह पवार ,दिलीप सिंह चौहान ,महिपाल सिंह सोनगरा, हर्षवर्धन सिंह राठौर, राकेश सिंह चौहान, सोहन सिंह जादौन,चितरंजन सिंह राठौर ,मदन सिंह देवड़ा, अनूप जायसवाल, लोकेंद्र सिंह पवार,डॉ कमल सिंह राठौर आदि समाज जन उपस्थित होकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित कर माल्यार्पण किया।

## बंद ऋतु में मत्स्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, 125 किलो मछली जब्त

**राजगढ़/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले में बंद ऋतु के दौरान अवैध मत्स्याखेट पर रोक लगाने के लिए मत्स्य विभाग द्वारा सघन अभियान चलाते हुए गत दिवस को विभिन्न नदी-नालों एवं वृहद जलाशयों में छापामार कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान लगभग 50 किलोग्राम प्रतिबंधित थाई, मांगुर मछली जब्त की गई, जिसे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होने के कारण गड्ढा खोदकर दफन कर विनष्ट कर दिया गया। वहीं, अलग-अलग स्थानों से 75 किलोग्राम मेजर कार्प मछली भी लावारिस अवस्था में जब्त की गई, जिसे स्थानीय स्तर पर नीलाम कर 5 हजार रुपये की राशि शासकीय खजाने में जमा कराई गई। कार्यालय सहायक संचालक मत्स्योद्योग द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर मत्स्य निरीक्षक श्री दिनेश कुमार वंदेरिया के नेतृत्व में गठित टीम ने लीमाचौहान, सारंगपुर, पचोर, ब्यावरा एवं राजगढ़ क्षेत्र के जलाशयों तथा नदी-नालों का निरीक्षण किया। टीम के पहुंचने की सूचना मिलते ही अवैध मत्स्याखेट में संलिप्त लोग मौके पर पकड़ी गई मछलियां छोड़कर फरार हो गए। विभाग ने जब्त मछलियों की नियमानुसार कार्रवाई करते हुए नीलामी की प्रक्रिया पूर्ण की। सहायक संचालक मत्स्योद्योग श्री सुनील कुमार शुक्ला ने बताया कि शासन द्वारा मछलियों के प्रजनन काल को देखते हुए 16 जून से 15 अगस्त तक बंद ऋतु घोषित की गई है।

# बड़नगर में राजस्व विभाग की घोर लापरवाही

### नक्शा बिगाड़े अफसर, भुगत रहा किसान — करे कोई, भरे कोई का जिंदा उदाहरण

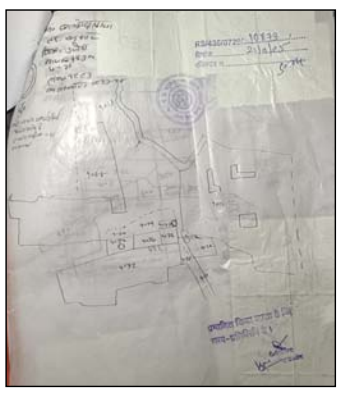

**बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड।** बड़नगर क्षेत्र में राजस्व विभाग की लापरवाही अब खुलकर सामने आ रही है, जहां विभाग की गलती का सीधा खामियाजा गरीब किसान भुगतने को मजबूर है। हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि किसान अपनी ही खरीदी हुई जमीन की सीमाएं जानने के लिए दर-दर भटक रहा है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही।

मामला साफ है — किसान अपनी मेहनत की कमाई से जमीन खरीदता है, सीमांकन के लिए आवेदन करता है, और बदले में उसे सुनने को मिलता है कि नक्शा बिगड़ा हुआ है, सीमांकन नहीं होगा। बड़ा सवाल यह है कि आखिर यह नक्शा बिगाड़ा किसने? क्या किसान ने, या फिर उन्हीं अधिकारियों ने जिनके जिम्मे रिकॉर्ड सुरक्षित रखना था?

हकीकत यह है कि नक्शों में गड़बड़ी, हेरफेर और त्रुटियां राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर ही गंभीर सवाल खड़े करती हैं। लेकिन अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय अधिकारी सीधे किसान को ही उलझाने में लगे हैं।

ग्राम बालोदा लक्खा का मामला तो इस पूरे सिस्टम की पोल खोल देता है। यहां किसान प्रेम सिंह ने लगभग 17 बिस्वा भूमि खरीदी, लेकिन राजस्व रिकॉर्ड में नक्शा 32 बिस्वा का बताया जा रहा है। यह अंतर सिर्फ आंकड़ों का नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की लापरवाही का जीता-जागता सबूत है।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि सीमांकन का आदेश होने के बावजूद भी अधिकारी नक्शा त्रुटि का बहाना बनाकर कार्रवाई से बच रहे हैं।

आखिर यह कैसी कार्यप्रणाली है, जहां गलती विभाग की और सजा किसान को?

किसान प्रेम सिंह आज अपनी ही जमीन के लिए भटक रहा है, मानसिक रूप से परेशान है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी अपनी कुर्सियों पर बैठे तमाशा देख रहे हैं। यह स्थिति न सिर्फ शर्मनाक है, बल्कि प्रशासनिक संवेदनहीनता का भी स्पष्ट प्रमाण है।

अब सवाल यह है कि क्या राजस्व विभाग अपनी जिम्मेदारी से भागता रहेगा? क्या किसानों को इसी तरह चक्कर कटवाकर परेशान किया जाता रहेगा? और सबसे बड़ा सवाल — आखिर कब सुधरेगा यह बिगड़ा हुआ तंत्र?

यदि समय रहते इस मामले में ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो यह सिर्फ एक किसान की समस्या नहीं रहेगी, बल्कि पूरे क्षेत्र में आक्रोश का कारण बन सकती है।

फिलहाल तो बड़नगर में करे कोई, भरे कोई की कहावत पूरी तरह चरितार्थ हो रही है — गलती अफसरों की, और सजा भुगत रहा है किसान!

## नगर निगम की अपील समिति के सदस्य का निर्वाचन 10 जुलाई को

**ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** नगर निगम ग्वालियर की अपील समिति के एक सदस्य (अनारक्षित) के निर्वाचन हेतु 10 जुलाई को नगर निगम परिषद सम्मेलन स्थल पर दोपहर 2.30 बजे से निर्वाचन प्रक्रिया प्रारंभ होगी। निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेने वाले समस्त निर्वाचकगण (पार्षदगण) अपनी आईडी (पहचान पत्र) साथ लेकर आयेंगे तथा निर्वाचन प्रक्रिया में सम्मिलित समस्त निर्वाचकगणों को परिषद हॉल में मोबाइल लेकर जाना प्रतिबंधित रहेगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने गुरुवार को दोपहर निगम परिषद कार्यालय पहुँचकर परिषद हॉल का निरीक्षण किया और निर्वाचन के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह, अपर कलेक्टर श्री सी बी प्रसाद, अपर कलेक्टर श्री अनिल बनवारिया, एसडीएम श्री अतुल सिंह, अपर आयुक्त नगर निगम श्री प्रदीप तोमर व श्री मुनीष सिकरवार एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने गुरुवार को दोपहर निगम परिषद कार्यालय पहुँचकर परिषद हॉल का निरीक्षण किया और निर्वाचन के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह, अपर कलेक्टर श्री सी बी प्रसाद, अपर कलेक्टर श्री अनिल बनवारिया, एसडीएम श्री अतुल सिंह, अपर आयुक्त नगर निगम श्री प्रदीप तोमर व श्री मुनीष सिकरवार एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने नगर निगम की अपील समिति के एक सदस्य के निर्वाचन के संबंध में अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए समय-सीमा में सभी व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। निर्वाचन के दौरान सुरक्षा के भी पुख्ता प्रबंधन किए जायेंगे।

## नीमच में लंबित मांगों पर पटवारियों ने खोला मोर्चा, सरकार को अल्टीमेटम

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** वर्षों से लंबित मांगो की अनदेखी से नाराज मध्यप्रदेश पटवारी संघ ने अब आर पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया । मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सोपते हुए संघ ने साफ चेतावनी दी है कि यदि सात दिनों के भीतर पदोन्नति कैडर रिव्यू ओर अन्य लंबित मांगो पर अगर ठोस निर्णय नही लिया गया तो 15 से 17 जुलाई तक प्रदेश भर के पटवारी सामुहिक अवकाश पर रहेंगे। इसके बाद आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से और उग्र किया जाएगा।

संघ का कहना है कि लगातार आश्वासन के बावजूद मांगो पर कार्यवाही नही होने से पटवारी संवर्ग में भारी असंतोष है ।ओर अब कर्मचारी निर्णायक संघर्ष के लिए तैयार है ।

पटवारी संघ ने इन मांगों को लेकर उठाई आवाज- संघ ने नायब तहसीलदार की विभागीय परीक्षा शीघ्र आयोजित कराने, लंबित मानदेय का भुगतान कराने,जज प्रोटेक्शन एक्ट के दायरे में पटवारी संवर्ग को शामिल करने तथा स्थांतरण नीति के विपरित किये तबादलों को निरस्त करने की मांग उठाई साथ ही जिले से बहार स्थांतरित किये गए सभी पटवारीयो को तत्काल कार्य मुक्त करने की मांग उठाई

सामूहिक अवकाश को लेकर दी चेतावनी- पटवारी संघ ने स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित समयावधि में मांगो का निराकरण नही हुआ तो 15 से 17 जुलाई तक प्रदेशभर के पटवारी सामूहिक अवकाश लेकर सांकेतिक विरोध दर्ज करायेगे,इसके बाद आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से व्यापक रूप दिया जाएगा।

कैडर रिव्यु को शीघ्र लागू कर वेतनमान विसंगतियों का समाधान करे- पटवारी संघ ने ज्ञापन में कहा कि प्रदेश के अधिकांश विभागों में नियमित रूप से पदोन्नति की प्रक्रिया संचालित हो रही है । जबकि पटवारी संवर्ग लंबे समय से इससे वंचित है । जिससे कर्मचारियों में गहरा असंतोष व्याप्त है। संघ ने मांग की है कि कैडर रिव्यू लागू कर वेतनमान विसंगतियों का शीघ्र समाधान किया जाए। जब तक कैडर रिव्यू लागू नही होता तब तक पटवारियों की पदोन्नति तथा समयमान वेतन का लाभ प्रदान किया जाए।

आश्वासन के बावजूद कोई ठोस निर्णय नही होने से आक्रोश - संघ द्वारा ज्ञापन में कहा वर्षो से इन मांगो को लेकर शासन स्तर पर लगातार ज्ञापन ओर प्रतिनिधिमंडल दिये जा रहे है । लेकिन बार बार आश्वासन मिलने के बावजूद कोई ठोस निर्णय नही लिया गया इससे पटवारी संवर्ग में लगातार निराशा एवं असंतोष बढ़ रहा है ।

समय रहते निर्णय नही तो करेंगे आंदोलन- संघ ने कहा कि पटवारी संवर्ग अपनी न्यायोचित मांगो के समाधान की अपेक्षा शासन से कर रहा है अगर समय रहते निर्णय नही लिया गया तो आंदोलन की समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

## सरकारी योजनाओं से वंचित संत-पुजारी समाज, सुरक्षा और मानदेय बढ़ाने के लिए प्रोटेक्शन एक्ट की मांग

**बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड।** मध्य प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के लिए कई जन कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका लाभ आम किसानों को मिल रहा है। लेकिन दूसरी ओर, मठ-मंदिरों की भूमि पर खेती का कार्य करने वाले संत-पुजारी आज भी इन सरकारी योजनाओं के लाभ से पूरी तरह वंचित हैं। मंदिर की भूमि पर ई-केवाईसी नहीं होने के कारण पुजारियों को खाद-बीज के टोकन नहीं मिल पा रहे हैं, जिससे उन्हें कृषि कार्य में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिसको लेकर अ.भा. संत समिति धर्म समाज पुजारी ईकाई द्वारा एक ज्ञापन नायब तहसीलदार पूनमसिंह बघेल टप्पा खरसौद कलां को सौपा गया ।

ज्ञापन के माध्यम से धर्मसमाज प्रदेश अध्यक्ष सालगरामदास ने बताया कि जिस प्रकार आम किसानों की फार्मर आईडी बनी हुई है, उसी तर्ज पर शासन द्वारा संचालित मंदिरों के पुजारियों की भी किसान फार्मर आईडी बनाई जाए। साथ ही उन्हें सहकारी संस्थाओं का सदस्य बनाकर प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ दिलाया जाए।

पुजारियों का कहना है कि देवस्थानों के पुजारियों की समस्याओं के निराकरण और प्रशासन से बेहतर तालमेल के लिए अनुविभागीय अधिकारी एवं तहसीलदार द्वारा वर्ष में कम से कम दो बार बैठक ली जानी चाहिए। इससे पूरे मध्य प्रदेश के संत-पुजारी अपनी समस्याओं से अधिकारियों को अवगत करा सकेंगे, वहीं प्रशासन के पास भी मठ-मंदिरों की संपत्तियों की सही और अद्यतन जानकारी उपलब्ध रहेगी।

पुजारी समाज ने चिंता जताते हुए कहा कि वर्तमान में लगभग 75 प्रतिशत मंदिरों की जमीनों पर भू-माफियाओं और पड़ोसियों द्वारा अवैध कब्जे कर लिए गए हैं, जिससे मंदिर की जमीनें खुर्द-बुर्द हो रही हैं। इसके अलावा, पुजारियों को मिलने वाला वर्तमान मानदेय एक दिहाड़ी मजदूरी से भी कम है। मांग की गई है कि इस मानदेय को कलेक्टर रेट के अनुसार किया जाए, ताकि पुजारी सम्मानपूर्वक भगवान की पूजा-अर्चना के साथ अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकें। इसके लिए राजस्व अभिलेख (खसरा-खतौनी) में पुजारी का नाम दर्ज किया जाना बेहद जरूरी है।

तहसील सहित पूरे प्रदेश में सन 2023 से पुजारी यूनिक कोड को लेकर परेशान हो रहे हैं। कई बार आवेदन देने के बावजूद यूनिक कोड जारी नहीं होने से बड़ी संख्या में पुजारियों का मानदेय अटका हुआ है। इसके साथ ही, आए दिन संतों और पुजारियों पर होने वाले हमलों और दबंगों के अत्याचार पर गहरी चिंता व्यक्त की गई है। पुजारियों ने सरकार से सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाते हुए पुजारी प्रोटेक्शन एक्ट (पुजारी सुरक्षा कानून) लागू करने की मांग की है।

पुजारी समाज ने एक महत्वपूर्ण धार्मिक विषय की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि वर्तमान में मंदिरों पर लगाई जाने वाली धार्मिक ध्वजाओं पर भगवान के चित्र बना दिए जाते हैं। हवा-पानी से जब ये ध्वजाएं पुरानी होकर फट जाती हैं, तो वे इधर-उधर उड़कर अपवित्र स्थानों पर गिरती हैं, जिससे भगवान के चित्रों का अपमान होता है। इस परंपरा पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। इसके साथ ही, पुजारियों ने सरकार से गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने की भी पुरजोर मांग की है।

ज्ञापन के दौरान नितन शर्मा, संजय उपाध्याय, प्रेमदास, गोपालदास, राजेश, जगदीशदास बैरागी, ईश्नानाथ योगी, रमेशलाल, भेरुनाथ योगी, रामदास, दिनेशदास मनोहरदास, देवेन्द्रदास आदि उपस्थित थे।

# नीमच बनेगा अध्यात्म की राजधानी, 11 जुलाई को स्वामी कैलाशानंद गिरि का ऐतिहासिक नगर आगमन...

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान रखने वाली नीमच नगरी 11 जुलाई 2026 को एक ऐतिहासिक आध्यात्मिक क्षण की साक्षी बनने जा रही है। पहली बार आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि जी महाराज का नगर आगमन होने जा रहा है, जिसे लेकर पूरे मालवा और मेवाड़ अंचल में उत्साह, श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिल रहा है।

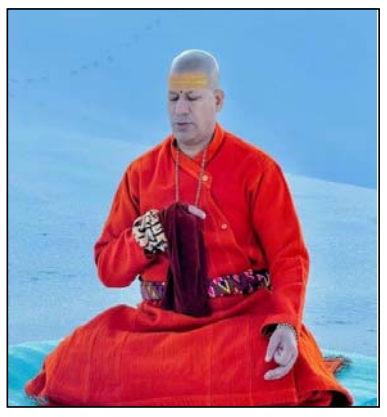



आयोजन को लेकर शहरभर में तैयारियां युद्ध स्तर पर जारी हैं और इसे नीमच के धार्मिक इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय माना जा रहा है सनातन संस्कृति के संरक्षण, राष्ट्र उत्थान, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और विश्व शांति के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित इस भव्य आध्यात्मिक समागम में देशभर की प्रतिष्ठित संत विभूतियां, जनप्रतिनिधियों, उद्योगपतियों और समाजसेवियों की उपस्थिति संभावित है। आयोजन को लेकर प्रशासनिक और सामाजिक स्तर पर भी व्यापक तैयारियां की जा रही हैं यह दिव्य आयोजन 11 जुलाई 2026, शनिवार को प्रातः 11ः15 बजे से दोपहर 2ः30 बजे तक नीमच के दशहरा मैदान स्थित टाउन हॉल में आयोजित होगा। कार्यक्रम में श्रद्धालु आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि महाराज के श्रीमुख से प्रवाहित होने वाले आध्यात्मिक संदेश, सनातन विचार और जीवन को नई दिशा देने वाले प्रेरणादायी वचनों का श्रवण कर सकेंगे एक ही मंच पर जुटेंगी देश की प्रतिष्ठित संत विभूतियां नीमच के धार्मिक इतिहास में यह संभवतः पहला अवसर होगा जब देश की अनेक प्रतिष्ठित संत विभूतियां एक ही मंच से श्रद्धालुओं को आशीर्वचन प्रदान करेंगी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शामिल होने वाले संतों में महंत रवींद्र पुरी जी महाराज अध्यक्ष, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं माँ मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट, हरिद्वार महायोगी बाबा श्री 1008 कालीदास कृष्णानंद जी महाराज बाबा कालीदास धाम, संपला हरियाणा बालमुकुन्दाचार्य जी महाराज पीठाधीश्वर, हाथोजधाम एवं विधायक, हवामहल जयपुर महामंडलेश्वर स्वामी मधुसूदनानंद गिरि जी महाराज अन्नपूर्णा शक्ति पीठ, सेमलिया धाम इसके अलावा देश के विभिन्न हिस्सों से केंद्रीय मंत्री, उपमुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्री, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि, उद्योगपति एवं समाजसेवियों के भी कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक तैयारियां आयोजन समिति और प्रशासन द्वारा कार्यक्रम को सुव्यवस्थित और सफल बनाने के लिए सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, बैठक व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा सहायता और अन्य मूलभूत सुविधाओं को लेकर विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं।

बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है आयोजकों का कहना है कि संतों का सानिध्य समाज में सकारात्मक ऊर्जा, नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिक चेतना का संचार करता है। ऐसे आयोजन केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं होते, बल्कि समाज को एक नई दिशा देने वाले प्रेरणा स्रोत भी बनते हैं चौपड़ा परिवार के आतिथ्य में सजेगा भव्य महामंच इस विराट आध्यात्मिक आयोजन की मेजबानी नीमच के प्रतिष्ठित चौपड़ा परिवार द्वारा की जा रही है। आयोजन को सफल बनाने में विभिन्न सामाजिक संगठनों, धर्मप्रेमी नागरिकों और स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है आयोजन समिति ने इसे केवल एक परिवार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि पूरे मालवा-मेवाड़ क्षेत्र की आस्था, संस्कृति और गौरव का महाउत्सव बताया है तथा अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है अनेक राष्ट्रीय हस्तियां प्राप्त कर चुकी हैं आशीर्वाद आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि जी महाराज देश और विदेश में सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार तथा आध्यात्मिक जागरण के लिए विशेष पहचान रखते हैं। राजनीतिक, सामाजिक, व्यापारिक और औद्योगिक क्षेत्र की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियां समय-समय पर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर चुकी हैं नीमच में उनका यह प्रथम आगमन न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, बल्कि यह शहर की सांस्कृतिक पहचान को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाला अवसर साबित हो सकता है 11 जुलाई को नीमच बनेगा आस्था, अध्यात्म और सनातन चेतना का केंद्र, जहां हजारों श्रद्धालु दिव्य संतों के सानिध्य में आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव करेंगे।

## कलेक्टर ने जिला अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने गुरुवार को जिला अस्पताल, झाबुआ का औचक निरीक्षण कर अस्पताल में उपलब्ध व्यवस्थाओं एवं सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की फायर सेफ्टी व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय फायर सेफ्टी सिस्टम की पाइपलाइन में लीकेज पाया गया। इस पर कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित ठेकेदार को शीघ्र मरम्मत कर लीकेज दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अस्पताल जैसे महत्वपूर्ण संस्थान में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सुचारु एवं कार्यशील रहना अत्यंत आवश्यक है तथा इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि फायर सेफ्टी सिस्टम की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए तथा आवश्यक सुधार कार्य समय-सीमा में पूर्ण कराकर इसकी जानकारी प्रस्तुत की जाए, जिससे अस्पताल में आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एम एल चोपड़ा, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. देवेन्द्र भायल एवं अन्य उपस्थित रहे।

## 13 से 22 जुलाई तक चलेगा दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का तृतीय चरण

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के तृतीय चरण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की तैयारियों, क्रियान्वयन की रूपरेखा तथा पशुपालकों तक अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का तृतीय चरण 13 जुलाई से 22 जुलाई 2026 तक संचालित किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य जिले में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि करना तथा पशुपालकों की आय बढ़ाना है। अभियान के दौरान पशुपालन विभाग का प्रशिक्षित अमला, सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी, मैत्री गौ सेवक एवं दुग्ध संघ के कार्यकर्ता जिले के लगभग 14 हजार पशुपालकों से घर-घर जाकर संपर्क करेंगे। विशेष रूप से ऐसे पशुपालकों को अभियान से जोड़ा जाएगा, जिनके पास तीन से चार गाय अथवा भैंसवंशीय मादा पशु हैं। अभियान के दौरान पशुपालकों को पशुपालन के तीन प्रमुख स्तंभ पशु पोषण, पशु स्वास्थ्य एवं नस्ल सुधार (कृत्रिम गर्भाधान) के संबंध में व्यवहारिक एवं तकनीकी जानकारी प्रदान की जाएगी। साथ ही आधुनिक पशुपालन पद्धतियों, बेहतर प्रबंधन एवं वैज्ञानिक तरीकों को अपनाकर दूध उत्पादन बढ़ाने के उपाय भी बताए जाएंगे।कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने बैठक में कहा कि यह अभियान जिले के पशुपालकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। वैज्ञानिक पशुपालन तकनीकों को अपनाने से न केवल दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होगी, बल्कि पशुपालकों की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं मैदानी अमले को अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक पात्र पशुपालक तक पहुंचने के निर्देश दिए। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि अभियान के दौरान जनप्रतिनिधिगण भी गांवों में पहुंचकर पशुपालकों से संवाद करेंगे तथा उन्हें अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगे। कलेक्टर स्वयं भी जिले के दो ग्रामों का भ्रमण कर पशुपालकों से घर-घर संपर्क कर उन्हें आधुनिक एवं वैज्ञानिक पशुपालन के प्रति जागरूक करेंगे।

## कलेक्टर ने किया विकासखण्ड राजपुर का भ्रमण

**बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्रीमति जयति सिंह ने गुरूवार को विकासखण्ड राजपुर के ग्राम साली, भागसुर एवं सालखेड़ा का भ्रमण किया। इस दौरान कलेक्टर ने प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल साली का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने शिक्षा का गुणवत्ता परीक्षण करने हेतु विद्यार्थियों को अपने समक्ष पढ़वाया साथ ही शिक्षकों को भी यह निर्देशित किया कि वे विषयवार टाईम टेबल बनाकर विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा दे। शिक्षक केवल ज्ञान का प्रसार नहीं करता, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, चरित्र और भविष्य का निर्माण भी करता है। एक शिक्षक का सबसे बड़ा लक्ष्य विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा देना है, जो उन्हें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफल, संस्कारी और आत्मनिर्भर बनाए। आजीविका भवन भागसुर एवं सालखेड़ा का किया निरीक्षण भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने आजीविका भवन भागसुर एवं सालखेड़ा का भी निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने आजीविका भवन भागसुर में समूह की दीदीयों द्वारा बनाये जा रहे सुदाना पशु पोषण आहार निर्माण के कार्य को भी देखा। समूह की दीदीयों ने कलेक्टर को बताया कि वे 1800 रुपये क्विंटल पशु आहार बना रही है। इस पर कलेक्टर ने समूह की दीदीयों से उनके द्वारा किये जा रहे कार्यो के बारे में भी विस्तार से जानकारी प्राप्त की। इसी प्रकार कलेक्टर ने आजीविका भवन सालखेड़ा में समूह की दीदीयों द्वारा संचालित दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति का भी निरीक्षण कर दीदीयों से दूध की आवक एवं खपत के संबंध में भी चर्चा की। आयुष्मान आरोग्य मंदिर सालखेड़ा का किया निरीक्षण भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने ग्राम सालखेड़ा के आयुष्मान आरोग्य मंदिर का औचक निरीक्षण किया।

## उल्लास-नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण सम्पन्न

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के अंतर्गत संचालित उल्लास-नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत झाबुआ जिले के झाबुआ, थांदला एवं पेटलावद विकासखंडों में विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। प्रशिक्षण में संकुल समन्वयकों, संकुल प्राचार्यों एवं जनशिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए साक्षरता अभियान के प्रभावी संचालन, मॉनिटरिंग एवं लक्ष्य प्राप्ति संबंधी विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के कुशल नेतृत्व, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत झाबुआ श्री जितेन्द्र सिंह चौहान के मार्गदर्शन तथा राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल के नियंत्रक श्री राकेश दुबे के निर्देशन में आयोजित प्रशिक्षण का उद्देश्य वर्ष 2027 तक जिले को पूर्ण साक्षर बनाने के लिए मैदानी स्तर पर कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दक्षता प्रदान करना था।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को उल्लास-नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन, सर्वेक्षण कार्य, शिक्षार्थियों की पहचान, कक्षा संचालन, नियमित अनुश्रवण तथा कार्यक्रम की प्रगति की मॉनिटरिंग के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही एनआईएलपी एप के माध्यम से असाक्षरों एवं अक्षर साथियों के पंजीयन, सत्यापन एवं ऑनलाइन मॉनिटरिंग की प्रक्रिया को व्यवहारिक रूप से समझाया गया।

प्रशिक्षण में आगामी सितंबर माह में प्रस्तावित साक्षरता परीक्षा की तैयारियों पर विशेष चर्चा की गई। प्रतिभागियों को प्रत्येक विकासखंड एवं संकुल स्तर पर नियमित साक्षरता कक्षाओं का संचालन सुनिश्चित करने, अधिक से अधिक शिक्षार्थियों को परीक्षा में सम्मिलित कराने तथा प्रत्येक संकुल में मॉडल सामाजिक चेतना केन्द्र स्थापित कर उन्हें सक्रिय रूप से संचालित करने के निर्देश दिए गए।

राज्य स्तर से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर श्री प्रकाश पालीवाल झाबुआ, श्री दिलीप प्रजापत थांदला एवं श्री शंकर सिंह मकवाना पेटलावद ने प्रतिभागियों को अक्षर पोथी के पाठों के अध्यापन की प्रभावी विधि, वयस्क शिक्षण की तकनीक, शिक्षण-अधिगम सामग्री के उपयोग तथा व्यवस्थित एवं सहभागी कक्षा संचालन के संबंध में विस्तार से प्रशिक्षण प्रदान किया।

पेटलावद की बीआरसी श्रीमती रेखा गिरी ने संकुल स्तर पर आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण की रूपरेखा, उसकी गंभीरता तथा ग्राम स्तर पर नियुक्त नोडल अधिकारियों के प्रशिक्षण एवं उत्तरदायित्वों के संबंध में विस्तार से जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक स्तर पर निर्धारित जिम्मेदारियों का गंभीरता एवं प्रतिबद्धता के साथ निर्वहन किया जाए तो जिले को पूर्ण साक्षर बनाने का लक्ष्य निर्धारित समयावधि में प्राप्त किया जा सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान यह भी बताया गया कि जिले में जिला एवं विकासखंड स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफल आयोजन तथा लगभग सभी प्रतिभागियों की सक्रिय उपस्थिति से साक्षरता अभियान को नई गति मिली है। राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल द्वारा वर्ष 2027 तक झाबुआ जिले को पूर्ण साक्षर बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सभी प्रतिभागियों ने साक्षरता अभियान को जनभागीदारी के साथ गंभीरता एवं प्रतिबद्धता से संचालित करने का संकल्प व्यक्त किया।

## महिलाओं और बच्चों की डिजिटल सुरक्षा के लिए बनेगा विशेष ऑनलाइन मॉड्यूल - मंत्री सुश्री भूरिया

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश में महिलाओं और बच्चों की डिजिटल सुरक्षा, साइबर अपराधों से संरक्षण तथा उनके कल्याण के लिए संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से एक बड़ी पहल की है। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के भोपाल स्थित शासकीय निवास पर गूगल (त्रश्शद्द्यद्ग) और %अहान फाउंडेशन-रिस्पॉन्सिबल नेटिज़्म% के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। तकनीक के सकारात्मक उपयोग और भविष्य की कार्ययोजना को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में गूगल की सर्च और जेनरेटिव एआई ट्रस्ट एंड सेफ्टी की डायरेक्टर श्रीमती स्निग्धा भारद्वाज, गूगल के सीनियर प्रोग्राम मैनेजर (ट्रस्ट एंड सेफ्टी ग्लोबल एंगेजमेंट-APAC) श्री समीर जाधव, अहान फाउंडेशन की फाउंडर व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्रीमती सोनाली पाटणकर और मुख्य संचालन अधिकारी (सीओओ) श्री उन्मेष जोशी उपस्थित रहे।

डिजिटल सुरक्षा हमारा नैतिक दायित्व - महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि महिला एवं बाल विकास विभाग प्रदेश की आधी से ज्यादा आबादी (महिलाओं और बच्चों) का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में उन्हें इंटरनेट सेफ्टी के प्रति जागरूक करना हमारा नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि डिजिटल सुरक्षा और एआई आधारित महिला एवं बाल संरक्षण वर्तमान समय के बेहद संवेदनशील मुद्दे हैं। आज के युग में मोबाइल और सोशल मीडिया हमारे जीवन को गहराई से प्रभावित कर रहे हैं। हमें एक सकारात्मक और सुरक्षात्मक दृष्टिकोण अपनाकर तकनीक के इस बढ़ते दखल को सही दिशा देनी होगी। मंत्री सुश्री भूरिया ने आगामी बैठक में एक विस्तृत संयुक्त कार्ययोजना प्रस्तुत करने का सुझाव भी दिया, ताकि विभाग और गूगल के बीच समन्वय स्थापित कर इंटरनेट को महिलाओं और बच्चों के लिए आसान, सुलभ और उपयोगी बनाया जा सके।

कुपोषण निवारण, साइबर सेफ्टी और सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता-इस बैठक में विभाग और गूगल के बीच एक बेहतरीन कार्ययोजना पर सैद्धांतिक सहमति बनी है। इसके तहत तकनीक के माध्यम से महिलाओं और बच्चों के लिए चलाई जा रही शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं को सीधे और पारदर्शी तरीके से पात्र हितग्राही तक पहुँचाया जाएगा। इसके साथ ही, प्रदेश की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के लिए विशेष ऑनलाइन मॉड्यूल विकसित किए जाएंगे। इन मॉड्यूल्स में कुपोषण निवारण के आधुनिक तौर-तरीकों के साथ साइबर सिक्योरिटी के बुनियादी नियम भी होंगे, ताकि वे ग्रामीण स्तर पर माताओं और बहनों को ऑनलाइन फ्रॉड से बचने के लिए जागरूक कर सकें।

सिंहस्थ 2028 के लिए विशेषद्ध कार्ययोजना-बैठक का एक अत्यंत महत्वपूर्ण बिंदु वर्ष 2028 में उज्जैन में आयोजित होने वाला सिंहस्थ महापर्व रहा। सिंहस्थ जैसे विशाल जनसमुदाय वाले आयोजन में खोए हुए बच्चों को त्वरित रूप से खोजने और उन्हें उनके परिवारों से मिलाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक तकनीकी समाधानों के उपयोग पर विस्तार से रणनीति बनाई गई। गूगल के सहयोग से एक ऐसी उन्नत ट्रैकिंग और मैपिंग कार्ययोजना तैयार की जाएगी, जिससे बच्चों को सुरक्षित और जल्द से जल्द उनके परिजनों तक पहुँचाया जा सके।

महाराष्ट्र के सफल मॉडल की तर्ज पर मध्यप्रदेश में काम- गूगल की डायरेक्टर (सर्च और जेनरिटिवद्ध ट्रस्ट एंड सेफ्टी) श्रीमती स्निग्धा भारद्वाज ने बताया कि गूगल ने पूर्व में महाराष्ट्र में शिक्षकों के लिए बड़े स्तर पर ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाए हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम आए हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया पर एआई के बढ़ते उपयोग के कारण होने वाले अपराधों, जैसे डीपफेक और ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी से मानसिक प्रताड़ना को रोकने के लिए गूगल निरंतर तकनीकी समाधान और ट्रेनिंग प्रोवाइड करा रहा है। अहान फाउंडेशन की सीईओ श्रीमती सोनाली पाटणकर और सीओओ श्री उन्मेष जोशी ने भी अपने जमीनी अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि वे महाराष्ट्र के कई जिलों में महिलाओं और बच्चों की डिजिटल सुरक्षा पर काम कर रहे हैं। इस जागरूकता अभियान के कारण कई महिलाएं अपने साथ होने वाले साइबर अपराधों को समय रहते रोकने और अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुँचाने में सफल रही हैं।

## युवा संगम (रोजगार मेला) लगेगा 14 जुलाई को

**बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश शासन की रोजगारोन्मुखी योजनान्तर्गत कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह के मार्गदर्शन में बेरोजगार आवेदको को रोजगार मुहैया कराने के लिये जिले में 14 जुलाई मंगलवार को प्रातः 11 बजे से शासकीय महाविद्यालय पाटी में युवा संगम ( रोजगार मेला ) का आयोजन किया गया है। उक्त आयोजित रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की 4 कम्पनियो के प्रतिनिधियो द्वारा बेरोजगार आवेदको का साक्षात्कार पश्चात चयन किया जायेगा । जिला रोजगार अधिकारी श्री टीएस डूडवे से प्राप्त जानकारी अनुसार युवा संगम मेले में बायो स्पुन प्रायवेट लिमिटेड पीथमपुर की कम्पनी द्वारा श्रमिक व प्रशिक्षिका के 100 पदो के लिये साक्षात्कार लिया जायेगा।

## दो गायों से शुरू हुआ सफर, आज बनीं लाखों की आय वाली प्रगतिशील गौपालक

### आचार्य विद्यासागर गौ-संवर्धन योजना ने श्रीमती अर्चना पाटीदार के सपनों को दी नई उड़ान

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** ग्रामीण भारत की असली ताकत उसकी मेहनत, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना में बसती है। जब इन गुणों को शासन की योजनाओं का सहयोग मिल जाता है, तब साधारण किसान भी सफलता का ऐसा इतिहास रच देते हैं, जो पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन जाता है। झाबुआ जिले के पेटलावद विकासखंड के ग्राम बावड़ी की श्रीमती अर्चना धर्मेन्द्र पाटीदार इसकी जीवंत मिसाल हैं। कभी केवल दो दुधारू गायों से अपने परिवार की आजीविका चलाने वाली अर्चना आज आधुनिक डेयरी प्रबंधन, वैज्ञानिक पशुपालन और एकीकृत कृषि प्रणाली के माध्यम से प्रतिमाह डेढ़ से दो लाख रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं।

12 सदस्यीय संयुक्त परिवार की जिम्मेदारियों के बीच वर्ष 2012 में श्रीमती अर्चना ने हरियाणा से दो संकर एचएफ दुधारू गाय खरीदकर डेयरी व्यवसाय की शुरुआत की। प्रतिदिन लगभग 20 लीटर दूध का उत्पादन होता था, जिसे साँची दुग्ध समिति में विक्रय किया जाता था। सीमित आय के कारण परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति करना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। वर्ष 2022-23 में उन्हें आचार्य विद्यासागर गौ-संवर्धन योजना का लाभ प्राप्त हुआ और यहीं से उनके जीवन में बदलाव का नया अध्याय शुरू हुआ।

योजना के अंतर्गत 3.80 लाख रुपये की इकाई लागत पर 95 हजार रुपये का शासकीय अनुदान प्राप्त हुआ। इस सहायता से उन्होंने हरियाणा से पाँच उन्नत संकर एचएफ गायें खरीदीं। यही वह अवसर था जिसने छोटे डेयरी व्यवसाय को आधुनिक एवं व्यावसायिक डेयरी फार्म में बदलने की मजबूत नींव रखी।

श्रीमती अर्चना ने आधुनिक तकनीकों को अपनाते हुए गायों का सेक्स सॉर्टेड सीमन से कृत्रिम गर्भाधान कराया, जिससे उच्च गुणवत्ता वाली मादा बछियों का उत्पादन हुआ। आज उनके डेयरी फार्म में लगभग 20 व्यस्क दुधारू गायें एवं 20 उन्नत नस्ल की मादा बछियां हैं। नियमित देखभाल और वैज्ञानिक प्रबंधन के कारण दूध उत्पादन बढ़कर 180 से 200 लीटर प्रतिदिन तक पहुँच गया है।

पहले पशुओं को केवल भूसा और सामान्य पशु आहार दिया जाता था। अब साइलेज, सुदाना पशु आहार, मिनरल मिक्सचर तथा पूरे वर्ष नेपियर घास खिलाई जाती है। इस वैज्ञानिक पोषण व्यवस्था से दूध उत्पादन में 20 से 30 प्रतिशत तक वृद्धि हुई तथा उत्पादन लागत में लगभग 2 रुपये प्रति लीटर की कमी आई।

दूध दोहन के लिए मिल्किंग मशीन के उपयोग ने उनके डेयरी फार्म को नई पहचान दी। इससे दूध की गुणवत्ता बेहतर हुई, उत्पादन में वृद्धि हुई और पशुओं में थनेला रोग की संभावना भी कम हो गई। आधुनिक तकनीक ने उनके श्रम को भी काफी हद तक आसान बनाया।

ब्रीडर एसोसिएशन की सदस्य के रूप में श्रीमती अर्चना कम लागत पर उच्च गुणवत्ता वाली मादा बछियां तैयार कर रही हैं। लगभग 45 हजार रुपये की लागत से तैयार होने वाली बछियां 14 से 16 माह बाद लगभग 1.50 लाख रुपये तक में विक्रय होती हैं। इससे उन्हें अतिरिक्त आय प्राप्त होने के साथ अन्य पशुपालकों को भी स्थानीय स्तर पर उन्नत नस्ल की गायें उपलब्ध हो रही हैं।

उनके डेयरी फार्म में संसाधनों का उत्कृष्ट प्रबंधन देखने को मिलता है। गौमूत्र एवं शेड के वेस्टेज वाटर का उपयोग खेतों की सिंचाई में किया जाता है, जबकि गोबर से निर्मित बायोगैस से पूरे परिवार का भोजन तैयार होता है। बायोगैस से प्राप्त स्लरी एवं गोबर खाद खेतों में जैविक उर्वरक के रूप में उपयोग की जाती है। इससे खेती की लागत कम होने के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिला है।

डेयरी व्यवसाय के साथ उन्होंने उद्यानिकी विभाग के सहयोग से पॉलीहाउस में टमाटर एवं मिर्च की पौध तैयार करना तथा खीरा एवं ककड़ी का उत्पादन प्रारंभ किया, जिससे प्रतिवर्ष 6 से 8 लाख रुपये की अतिरिक्त आय प्राप्त होती है। इसके अलावा मक्का एवं सोयाबीन की खेती भी उनकी आय का मजबूत आधार है।

एक समय ऐसा था जब उनकी मासिक आय लगभग 40 हजार रुपये थी, लेकिन आज विभिन्न कृषि एवं पशुपालन गतिविधियों से उनकी मासिक आय 1.50 से 2 लाख रुपये तक पहुँच चुकी है। उन्होंने दो स्थानीय युवाओं को रोजगार भी उपलब्ध कराया है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है।

## स्कूल बसों की जांच कर 49 हजार से अधिक का शमन शुल्क वसूला गया

**बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिला परिवहन अधिकारी, बड़वानी तथा प्रभारी यातायात थाना बड़वानी द्वारा गुरूवार 09 जुलाई को अंजड़ एवं ठीकरी में संचालित स्कूल बसो की चैकिंग की गयी। चैकिंग के दौरान 82 से अधिक स्कूली वाहनों में इमरजेन्सी गेट, बीमा, फिटनेस, पी.यू.सी., परमिट आदि दस्तावेज चेक किये गये तथा 11 वाहनो के विरूद्ध चालानी कार्यवाही की जाकर रू. 49,990 का शमन शुल्क वसूला गया । स्कूल प्रभारियों को वाहनों में जो अनियमितताएँ पायी गयी उनके संबंध में निर्देशित किया गया कि वे सात दिवस में अपनी वाहनों को दुरूस्त करावें एवं दस्तावेजो को पूर्ण करावें। उक्त निर्देशों का पालन समयाविध में ना किये जाने पर नियमानुसार चालानी कार्यवाही की जाकर दण्डित किया जावेगा ।


**कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति लोहार्दा जिला–देवास (म.प्र.)**

क्रमांक / मंडी / नि. / 25–26 / 347 लोहार्दा दिनांकः– 06.07.2026

–/ /द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना/ /–

प्रमुख अभियंता म.प्र. लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त (एकीकृत पंजीयन प्रणाली) पंजीकृत निविदाकारो से प्रतिशत दर आधार पर सिस्टम निविदाएँ क्रमांक **2026_MPSAM_519585_1,** के अंतर्गत ऑनलाईन निविदाएँ **दिनांक 09.07.2026 समय 05.30 से दिनांक 23.07.2026 को साय 5:30 बजे** तक आंमत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को म.प्र. शासन के ई–निविदा के पोर्टल http//www.mptenders.gov.in/nicgep/app पर प्राप्त होगी, एवं उक्त निविदा से संबंधित समस्त जानकारी मंडी बोर्ड के पोर्टल http//www.mpmandiboard.gov.in पर भी अवलोकनीय होगी।

**नोटः–आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबधित किसी भी प्रकार के संशोधन सूचना अथवा अन्य जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल पर ही प्रदर्शित किया जावेगा।**

सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति, लोहार्दा
जिला–देवास (म.प्र.)

भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मण्डी समिति, लोहार्दा
जिला–देवास (म.प्र.)


मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा )

# सीवरेज एजेंसी की लापरवाही : न स्टाफ, न संसाधन, 10 साल बाद भी अधूरा है सीवरेज प्रोजेक्ट

## सुरक्षा उपकरणों के बिना सीवर में उतरने को मजबूर कर्मचारी, देशभर में अब तक 1300 से अधिक लोगों की जा चुकी है जान

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर में पिछले करीब 10 वर्षों से सीवरेज लाइन बिछाने का काम चल रहा है, लेकिन आज तक यह परियोजना पूरी नहीं हो सकी है। इससे शहर के कई क्षेत्रों में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे गंभीर बात यह है कि सीवरेज लाइन का संचालन और रखरखाव करने वाली एजेंसी के पास न तो पर्याप्त कर्मचारी हैं और न ही जरूरी संसाधन। ऐसे में सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान कर्मचारियों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, ठेका शर्तों के तहत सीवरेज लाइन शुरू होने के बाद उसके संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी निर्माण एजेंसी की होती है। इसके लिए नागरिकों से वार्षिक शुल्क भी लिया जाता है। इसके बावजूद एजेंसी अब तक अपना पूरा ऑपरेशन और मेंटेनेंस सिस्टम तैयार नहीं कर सकी है। बताया जा रहा है कि एजेंसी के पास पर्याप्त स्टाफ तक नहीं है। नियंत्रण कक्ष और हेल्पलाइन जैसी मूलभूत व्यवस्थाएं भी पूरी तरह विकसित नहीं हो पाई हैं। ऐसे में सीवरेज संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए नगर निगम को ही आगे आना पड़ता है।

शहर में कई स्थानों पर सीवर लाइन का काम अधूरा होने से लोगों को आए दिन परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं सफाई कार्य के दौरान सुरक्षा नियमों की अनदेखी भी लगातार सामने आ रही है। कई बार कर्मचारी बिना गैस मास्क, ऑक्सीजन सिलेंडर और अन्य सुरक्षा उपकरणों के ही गहरे सीवर चैंबर में उतर जाते हैं। जबकि सीवर में मीथेन और हाइड्रोजन सल्फाइड जैसी जहरीली गैसें जमा हो जाती हैं, जिनसे कुछ ही सेकंड में दम घुट सकता है। हाल ही में पीपली नाका क्षेत्र में ऐसी ही एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां बिना सुरक्षा उपकरणों के सीवर में उतरे कर्मचारियों में एक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। विशेषज्ञों का कहना है कि कई निजी ठेकेदार खर्च बचाने के लिए सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हैं और कर्मचारियों की जान जोखिम में डाल देते हैं। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के अनुसार, वर्ष 1993 से दिसंबर 2025 तक देशभर में सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान 1,313 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि आधुनिक मशीनें उपलब्ध होने के बावजूद कई जगह अब भी कर्मचारियों से सीवर में उतरकर सफाई कराई जाती है। कानून भी बिना सुरक्षा इंतजामों के किसी व्यक्ति को सीवर या सेप्टिक टैंक में उतारने की अनुमति नहीं देता।

विशेषज्ञों का मानना है कि सीवर सफाई में पूरी तरह मशीनों का उपयोग, पर्याप्त सुरक्षा उपकरण, प्रशिक्षित स्टाफ और एजेंसियों की जवाबदेही तय किए बिना ऐसी घटनाओं पर रोक लगाना मुश्किल होगा। शहर में भी सीवरेज परियोजना की धीमी रफ्तार और सुरक्षा व्यवस्था की कमी अब गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है।

# जंगल में भट्टी पर कच्ची शराब बनाते आरोपी गिरफ्तार

## दबिश में 10 लीटर शराब के साथ मिला महुआ लहान, हिरासत में आरोपी

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** नौगावां के जंगल में हाथभट्टी पर कच्ची शराब बनाये जाने की खबर मिलने पर भाटपचलाना थाना पुलिस की टीम ने बुधवार को दबिश मारी। मौके से 10 लीटर शराब से भरी केन के साथ एक हजार किलोग्राम महुआ लहान जप्त किया गया।

भाटपचलाना थाना प्रभारी सत्येन्द्रसिंह चौधरी ने बताया कि कुछ दिनों से नौगावां के जंगल में कच्ची शराब बनाये जाने की खबर मिल रही थी, पुलिस जंगल में ठिकाना पता लगाने के प्रयास कर रही थी। बुधवार को पुख्ता सूचना मिलने पर प्रधान आरक्षक शैलेन्द्रसिंह सिसोदिया, आरक्षक जीवन जाट, हितेश निम्बोला, विजय जाट, मुकेश नागर और उदयसिंह यादव के साथ दबिश दी गई। मौके से शराब बनाने वाले श्यामलाल पिता पन्नालाल 34 साल निवासी ग्राम नौगांवा को हिरासत में लिया गया। उसने 10 लीटर कच्ची शराब तैयार कर केन में भरकर रखी थी। वहां से शराब बनाने के लिये रखा एक हजार किलोग्राम महुआ लहान मिला। पुलिस टीम ने भट्टी को नष्ट कर सभी उपकरण और सामग्री बरामद कर आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम का प्रकरण दर्ज किया है। जिसे गुरूवार को कोर्ट में पेशकर जेल भेजा गया है।

# रेलवे स्टेशन के सामने ऑटो चालक पर चाकू से हमला

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** गुरुवार सुबह रेलवे स्टेशन के सामने ऑटो चालक पर दो लोगों ने चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल चालक को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस हमला करने वालों की तलाश कर रही है।

बताया जा रहा है कि सेंट पॉल स्कूल के पास विजयनगर में रहने वाला सचिन पिता सुरेंद्र गुप्ता ऑटो चलाता है रात 2 बजे वह रेलवे स्टेशन पहुंचा था। उसने कुछ सवारी छोड़ी और वापस ट्रेन आने का समय होने पर सुबह 6 बजे के लगभग रेलवे स्टेशन पहुंच गया। इस दौरान सवारी बैठाने की बात को लेकर उसका दो रिक्शा चालकों से विवाद हो गया। दोनों रिक्शा चालकों ने चाकू से ऑटो चालक सचिन पर हमला कर दिया। रेलवे स्टेशन के सामने हुई चाकू बाजी से अफरा तफरी मच गई। चाकू मारने वाले दोनों हमलावर अपनी ऑटो रिक्शा से भाग निकले। मामले की जानकारी लगते ही पुलिस रेलवे स्टेशन पहुंच गई थी घायल को चरक अस्पताल ले जाया गया था जहां परिजनों के पहुंचने पर उसे उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। देवास गेट थाना पुलिस मामले में रेलवे स्टेशन के सामने लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज देखकर चाकू मारने वालों की पहचान के प्रयास कर रही है। घायल हमलावरों को नहीं पहचानता है।

# राजस्व अधिकारी गांवों में सतत भ्रमण कर ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी समस्या सुनें, शासन की योजनाओं की जानकारी प्रदान करें- कलेक्टर श्री सिंह

## सभी अधिकारी पूरे महिने का केलेंडर तैयार कर कार्य की प्रगति को आगे बढ़ाएं

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने गुरूवार को प्रशासनिक संकुल भवन में द्वितीय तल स्थित सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों के साथ विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक की। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक के एजेंडे के विभिन्न बिंदुओं पर किए गए कार्यों की समीक्षा करते हुए राजस्व अधिकारियों से जानकारी ली। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे उनके अधिकारक्षेत्र के गांवों में भ्रमण करें, ग्रामीणों से मिलकर उनकी समस्याएं सुने और उनका निदान करें। गांव में शासन की योजनाओं की जानकारी सभी लोगों को सतत रूप से दी जाए और पात्र लोगों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाएं। सभी अधिकारी पूरे महिने का केलेंडर तैयार कर विभागीय कार्यों की प्रगति सुनिश्चित करें। बैठक में अपर कलेक्टर श्री शाश्वत शर्मा, एडीएम श्री अत्येंद्र सिंह गुर्जर एवं समस्त एसडीएम, तहसीलदार और राजस्व अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह द्वारा आधार से आरओआर खसरे की लिकिंग, पीएम किसान ई-केवायसी, पीएम किसान सेल्फ रजिस्ट्रेशन रिपोर्ट, लघु सिंचाई संगणना, राजस्व वसूली, जन सुनवाई के लंबित प्रकरण, भू-अर्जन मामले, द्वरिका योजना, पांडूलिपि का डिजिटलाइजेशन, नजूल प्रकरण, भूमि आवंटन के प्रकरणों की समीक्षा की। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन सुनवाई में आने वाली राजस्व संबंधी शिकायतों का निराकरण तुरंत किया जाए। कोई भी शिकायत अनावश्यक लंबित नहीं रहे।

कलेक्टर श्री सिंह ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि प्रतिदिन यह सुनिश्चित करें कि पटवारी समय पर उनके कार्य स्थल पर उपस्थित रहें।

# जिले के 671 सरकारी स्कूल भवन जर्जर, बारिश में बढ़ा बच्चों की सुरक्षा का खतरा

## मरम्मत के लिए प्रस्ताव भेजे गए, लेकिन अब तक नहीं मिला बजट

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले के सरकारी प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों की बदहाल स्थिति बच्चों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर रही है। बारिश का दौर शुरू होने के बाद कई स्कूल भवनों की छतों से पानी टपक रहा है, दीवारों का प्लास्टर झड़ रहा है और कई जगह भवन जर्जर हालत में पहुंच चुके हैं। इसके बावजूद मरम्मत के लिए जरूरी बजट अब तक जारी नहीं हुआ है। ऐसे में हजारों विद्यार्थी जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं।

जानकारी के अनुसार, इस वर्ष बारिश शुरू होने से पहले जिले के 671 प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों के भवनों की मरम्मत के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा गया था। उम्मीद थी कि बारिश से पहले राशि मिल जाएगी और मरम्मत कार्य पूरा हो जाएगा, लेकिन अब तक बजट स्वीकृत नहीं होने से स्कूलों की हालत जस की तस बनी हुई है।

सबसे ज्यादा चिंता 32 ऐसे स्कूलों को लेकर है, जहां भवनों की स्थिति बेहद खराब बताई जा रही है।

इन स्कूलों में लगातार बारिश के कारण बच्चों के लिए पढ़ाई करना खतरे से खाली नहीं है। कई जगह छतों से पानी टपक रहा है, दीवारों में दरारें आ चुकी हैं और प्लास्टर गिरने की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। अभिभावक और शिक्षक लंबे समय से इन भवनों की मरम्मत की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। ग्रामीण क्षेत्रों के कई स्कूलों में छात्राओं के लिए पर्याप्त शौचालय सुविधा भी नहीं है।

इससे उन्हें पढ़ाई के दौरान परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षा विभाग ने सभी स्कूलों की स्थिति का सर्वे कर प्रस्ताव शासन को भेजा था, लेकिन बजट नहीं मिलने से मरम्मत कार्य शुरू नहीं हो सका।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि शासन स्तर से राशि स्वीकृत होते ही प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत कार्य कराया जाएगा। हालांकि बारिश के मौसम में बजट मिलने की संभावना कम होने से आशंका जताई जा रही है कि अधिकांश स्कूलों की मरम्मत अब बारिश खत्म होने के बाद ही हो सकेगी।

इन ब्लॉकों में सबसे ज्यादा जर्जर स्कूल- प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार जिले में जर्जर और मरम्मत योग्य स्कूलों की स्थिति इस प्रकार है

| ब्लॉक | जर्जर | मरम्मत योग्य |
|---|---|---|
| बड़नगर | 3 | 73 |
| घट्टिया | 3 | 82 |
| खाचरौद | 1 | 168 |
| महिदपुर | 13 | 166 |
| तराना | 4 | 121 |
| उज्जैन ग्रामीण | 8 | 32 |
| उज्जैन शहर | 0 | 29 |

बारिश के बीच जर्जर स्कूल भवनों में बच्चों की पढ़ाई जारी रहने से अभिभावकों में भी चिंता बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि शासन को जल्द से जल्द बजट जारी कर मरम्मत कार्य शुरू कराना चाहिए, ताकि किसी संभावित हादसे से पहले स्कूल भवन सुरक्षित बनाए जा सकें।

# होटल-होम स्टे में सुरक्षा नियम सख्त, अब क्षमता के आधार पर लेना होगी फायर एनओसी

## 9 मीटर ऊंचाई की अनिवार्यता खत्म, 20 से अधिक मेहमानों के ठहरने या बैठने की क्षमता वाले होटल, होम स्टे और रेस्टोरेंट भी आएंगे दायरे में

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्रदेश सरकार ने फायर सेफ्टी को लेकर बड़े बदलाव करते हुए होटल, होम स्टे, रेस्टोरेंट और अन्य सार्वजनिक प्रतिष्ठानों के लिए फायर एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) के नियमों को और सख्त कर दिया है। अब केवल भवन की ऊंचाई के आधार पर नहीं, बल्कि किसी प्रतिष्ठान की क्षमता और उपयोग के आधार पर भी फायर एनओसी लेना अनिवार्य होगा। नए नियमों के अनुसार यदि किसी होटल, होम स्टे, रिसॉर्ट या अन्य आवासीय प्रतिष्ठान में 20 से अधिक लोगों के ठहरने या बैठने की व्यवस्था है, तो उसे फायर एनओसी लेना अनिवार्य होगा।

सरकार का मानना है कि आग लगने का खतरा केवल ऊंची इमारतों तक सीमित नहीं है। कम ऊंचाई वाले लेकिन अधिक भीड़ वाले प्रतिष्ठानों में भी आग की घटनाओं का जोखिम उतना ही गंभीर होता है। हाल ही में दिल्ली और लखनऊ में हुई अग्नि दुर्घटनाओं के बाद सरकार ने सुरक्षा मानकों की समीक्षा कर यह फैसला लिया है। नए प्रावधानों के तहत आवासीय श्रेणी में 9 मीटर से अधिक ऊंचाई या 250 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले सभी हॉस्टल, पीजी और बहुमंजिला आवासीय भवनों को भी फायर एनओसी लेना होगी। वहीं धर्मशाला, गेस्ट हाउस और अन्य आवासीय प्रतिष्ठानों पर यह नियम 9 मीटर से अधिक ऊंचाई या 500 वर्गमीटर से अधिक निर्मित क्षेत्र होने पर लागू होगा। शिक्षण संस्थानों के लिए भी नियम कड़े किए गए हैं।

अब 9 मीटर से अधिक ऊंचाई या 500 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों को फायर एनओसी लेना अनिवार्य होगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में बिना बेड वाले जी+1 क्लीनिक को छोड़कर अन्य सभी अस्पतालों पर यह नियम लागू रहेगा।

इसी तरह 9 मीटर से अधिक ऊंचाई या 500 वर्गमीटर से अधिक निर्मित क्षेत्र वाले मैरिज गार्डन, नाइट क्लब, मल्टीप्लेक्स, शॉपिंग मॉल, रूफटॉप रेस्टोरेंट और अन्य सार्वजनिक उपयोग के प्रतिष्ठानों को भी फायर एनओसी लेना अनिवार्य होगा।

सरकार का उद्देश्य आगजनी की घटनाओं में जनहानि को रोकना और भीड़भाड़ वाले प्रतिष्ठानों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाना है। नए नियम लागू होने के बाद संबंधित प्रतिष्ठानों को निर्धारित फायर सेफ्टी मानकों का पालन करना होगा, अन्यथा कार्रवाई की जा सकती है।

# शिप्रा नदी में गिरे बाइक सवार दंपति, पत्नी की मौत

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** किराए के मकान में रहने वाले पति पत्नी आधी रात को बाइक से लौट रहे थे। त्रिवेणी स्थित छोटी रपट से गुजरते समय दोनों बाइक सहित शिप्रा नदी में गिर गए। पति को तैरना आता था लेकिन पत्नी के दिव्यांग होने पर वह डूब गई। पति उसे बाहर लेकर आया लेकिन पत्नी की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मामला जांच में लिया है।

नानाखेड़ा थाना पुलिस ने बताया कि बुधवार गुरुवार रात 11ः30 बजे के लगभग सूचना मिली कि त्रिवेणी छोटी रपट से बाइक सहित एक पुरुष और महिला शिप्रा नदी में गिर गए हैं। पुलिस घटना स्थल पहुंची इस दौरान कुछ लोग दोनों को निकाल कर अस्पताल पहुंच गए थे। जहां सामने आया कि महिला की डूबने से मौत हो चुकी है। युवक की हालत ठीक है। मामले की जांच शुरू की गई इस दौरान सामने आया कि मृतक महिला का नाम रितु है जिसकी उम्र 28 साल है। उसके साथ बाइक पर सवार युवक पति पवन है। दोनों मूल रूप से शाजापुर के कालापीपल स्थित ग्राम कोटडी के रहने वाले हैं। वर्तमान में केटीएम शोरूम के पास किराए के मकान में रहते हैं। रितु एक पैर से दिव्यांग थी। पति से पूछताछ में सामने आया कि दोनों ने प्रेम विवाह किया है रितु सीहोर की रहने वाली थी। दोनों उज्जैन में रहकर प्राइवेट जॉब करते हैं। रात में वह इंदौर रोड स्थित बालाजी ढाबे पर खाना खाने गए थे जहां से वापस लौटते समय उनके साथ हादसा हुआ है। थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि सामने से आ रहे वाहन से बचने का प्रयास करते समय दोनों बाइक सहित शिप्रा में गिरे थे फिलहाल मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया गया है। पति और घटना स्थल पर मौजूद लोगो के बयान दर्ज किए जाएंगे।

# मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज नागदा में बहुप्रतिक्षित उज्जैन-जावरा 4 लेन ग्रीनफील्ड हाईवे का भूमि पूजन करेंगे

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में शुक्रवार 10 जुलाई को नागदा के श्री ऋषामुक्तेश्वर मंदिर परिसर में बहुप्रतिक्षित उज्जैन-जावरा 4 लेन ग्रीनफील्ड हाईवे का भूमि पूजन समारोह आयोजित किया जाएगा।

निर्धारित कार्यक्रम अनुसार दोपहर 2ः00 बजे मुख्यमंत्री डॉ यादव का हेलीपैड, नागदा पर आगमन होगा। इसके पश्चात दोपहर 2ः10 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर उनके द्वारा लोकापर्ण/भूमिपूजन एवं हेलमेट वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा।

मुख्यमंत्री द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से उज्जैन-जावरा फोरलेन ग्रीनफील्ड हाईवे मार्ग का भूमिपूजन, अस्थायी भवन केंद्रीय विद्यालय, नागदा एवं जनसेवा गृह का शुभारंभ किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा 98.730 कि.मी. लंबाई के उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड हाईवे का निर्माण कराया जा रहा है। यह मार्ग उज्जैन के ग्राम मंगरोला से प्रारंभ होकर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे (एन.एच.8 लेन इंटर चेंज) से जोड़ते हुए जावरा में होटल जोयो के समीप समाप्त होगा।

यह 4 लेन ग्रीनफील्ड हाईवे होगा, जिसमें पेव्ड शोल्डर्स होंगे। परियोजना को हाइब्रिड एन्युटी मोड पर क्रियान्वित किया जाएगा। इसकी प्रशासकीय स्वीकृति की राशी 5017 करोड़ है, यह परियोजना उज्जैन एवं रतलाम जिलों को लाभांवित करेगी तथा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, जो की आगामी सिंहस्थ 2028 में विभिन्न शहरों से आने वाले श्रद्धालुओं की कनेक्टिविटी के लिए भी महत्वपूर्ण है। इस परियोजना से उज्जैन को दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर तथा एक्सप्रेसवे से सीधा जोड़कर क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

# फायर अफसर से मारपीट के दूसरे दिन होटल पीतांबरी रेजिडेंसी सील

## कार्रवाई के दौरान परिजनों ने करीब तीन घंटे तक किया विरोध

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** महाकाल क्षेत्र में फायर अधिकारी के साथ मारपीट के मामले में प्रशासन ने दूसरे ही दिन सख्त कार्रवाई करते हुए गुरुवार दोपहर होटल पीतांबरी रेजिडेंसी को सील कर दिया। नगर निगम और प्रशासन की संयुक्त टीम कार्रवाई के लिए होटल पहुंची, जहां होटल संचालक के परिजनों ने करीब तीन घंटे तक विरोध किया। परिजनों ने प्रशासन की कार्रवाई को द्वेषपूर्ण बताते हुए आपत्ति जताई और सीलिंग की कार्रवाई रोकने का प्रयास किया। इस दौरान होटल परिसर में काफी देर तक बहस और हंगामे की स्थिति बनी रही।

प्रशासनिक अधिकारियों ने परिजनों को कार्रवाई का आधार समझाया और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद होटल को सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहा, जिससे किसी तरह की अप्रिय स्थिति नहीं बनी।

गौरतलब है कि बुधवार को महाकाल क्षेत्र में फायर सेफ्टी जांच के दौरान होटल पीतांबरी रेजिडेंसी में नगर निगम के प्रभारी फायर अधिकारी लक्ष्मण प्रसाद साहू के साथ मारपीट हुई थी। इस मामले में होटल संचालक के बेटे विकास अरोन्या के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा, मारपीट सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। वहीं प्रशासन का कहना है कि नियमों के उल्लंघन और पूरे घटनाक्रम को देखते हुए नियमानुसार कार्रवाई की गई है।

# गुरुजी डीके वाहने की जयंती पर रागदारी संगीत समारोह, सात्विक वीणा और तबले की जुगलबंदी ने बांधा समां

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** रागदारी संगीत संस्थान द्वारा गुरुजी डीके वाहने के जन्मदिवस पर 8 जुलाई की शाम भरतपुरी स्थित सामाजिक शोध संस्थान के सभागार में रागदारी संगीत समारोह आयोजित किया गया। समारोह में ग्रैमी अवार्ड विजेता व पद्मभूषण पं. विश्व मोहन भट्ट की मोहन वीणा और मुंबई से आए विख्यात तबला वादक यशवंत वैष्णव के एकल तबला वादन ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण पं. विश्व मोहन भट्ट और उनके पुत्र पं. सलील भट्ट रहे। दोनों ने मोहन वीणा और सात्विक वीणा पर राग विश्व रंजनी से अपनी प्रस्तुति की शुरुआत की। इसमें आलाप, जोड़ और झाला के वादन के साथ तीनताल में विलंबित व मध्य लय की गतों में अद्भुत लयकारी पेश कर संगीत रसिकों को आनंदित कर दिया। पंडित भट्ट ने राग का समापन अद्भुत झाले के साथ किया और अंत में राग देस में वंदेमातरम की स्वरमयी धुन बजाई। इससे पूर्व यशवंत वैष्णव ने अपने एकल तबला वादन से सभागार को सम्मोहित कर दिया। समारोह का शुभारंभ शहर के वरिष्ठ तबला वादक पं. उमाशंकर भट्ट और संगीतज्ञ पं. श्रीधर व्यास ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इसके पश्चात रागदारी संगीत संस्थान के शिष्यों ने एकताल में निबद्ध राग शिवरंजनी में वृंदवादन, सितार सोलो और सितार-संतूर की आकर्षक जुगलबंदी प्रस्तुत कर विद्वतजनों की खूब दाद बटोरी।

# पॉक्सो अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं बाल संरक्षण को लेकर प्राचार्यों का प्रशिक्षण सम्पन्न

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 के प्रभावी क्रियान्वयन, बालकों के प्रति होने वाले लैंगिक अपराधों की रोकथाम तथा बच्चों को सुरक्षित एवं भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासकीय हाई एवं हायर सेकंडरी विद्यालयों के प्राचार्यों का एक दिवसीय जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास, जिला उज्जैन श्री ब्रजेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में जिला पंचायत उज्जैन के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ एवं उच्च न्यायालय की अधिवक्ता सुश्री सलोनी बाहेती ने पॉक्सो अधिनियम, 2012 के प्रमुख प्रावधानों, अनिवार्य रिपोर्टिंग, पीड़ित बच्चों की गोपनीयता, विशेष न्यायालय की कार्यवाही तथा विद्यालयों की कानूनी जिम्मेदारियों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विद्यालयों में बच्चों को उनकी आयु के अनुरूप ÷गुड टच-बैड टच की जानकारी देकर जागरूक किया जाना आवश्यक है। साथ ही पॉक्सो अधिनियम की धारा 19 एवं 21 के अंतर्गत किसी भी प्रकार के लैंगिक अपराध की जानकारी प्राप्त होने पर 24 घंटे के भीतर पुलिस, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 अथवा बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) को सूचना देना अनिवार्य है। सूचना न देने पर दंड का प्रावधान है तथा पीड़ित बच्चे की पहचान गोपनीय रखना भी कानूनन आवश्यक है। उन्होंने विद्यालयों में शिकायत पेटी स्थापित करने, बाल संरक्षण समिति का गठन करने तथा नियमित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने पर भी बल दिया।

# रैकी के बाद सूने मकानों का ताला तोड़ करते थे चोरी

## 2 नाबालिगो के साथ बदमाश हिरासत में, 1 की तलाश

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** सूने मकान की रैकी कर दिन में चोरी की वारदात करने वाले 3 बदमाशों को पुलिस में गिरफ्तार किया है। बदमाशों की गैंग में दो नाबालिग शामिल है। एक फरार है जिसकी तलाश की जा रही है। हिरासत में आए तीनों बदमाशों से 6 लाख के आभूषण बरामद किए गए हैं।

पंवासा थाना पुलिस ने बताया कि 28 जून को अमृत नगर में रहने वाली शांताबाई देवड़ा के यहां दिनदहाड़े लाखों की चोरी होना सामने आया था। पुलिस ने 8 दिनों की जांच के बाद सोमवार को मामले में प्रकरण दर्ज कर सीसीटीवी कैमरो के फुटेज देखने शुरू किए थे। इस दौरान कुछ संदिग्ध दिखाई दिए जिनकी पहचान करने पर सामने आया कि पंवासा क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस ने मोनिया उर्फ मोनू पंवार पिता सुरेश सिंह दरबार 18 वर्ष, निवासी विश्वकर्मा कॉलोनी को हिरासत में लिया। पूछताछ करने पर उसने अपने दो नाबालिग साथियों और कार्तिक पिता कन्हैयालाल बैडवाल 25 साल निवासी विधायक नगर पंवासा के 7 दिनदहाड़े चोरी करना कबूल कर लिया। पुलिस ने दोनों नाबालिग को हिरासत में लेकर कार्तिक की भी तलाश की लेकिन वह फरार होना सामने आया। हिरासत में आए तीनों बदमाशों से अमृत नगर में शांताबाई देवड़ा के यहां हुई चोरी के आभूषण बरामद कर लिए वहीं अन्य मामलों में पूछताछ करने पर तीनों ने 1 मई को क्षेत्रीय पार्षद के मकान में भी चोरी करना स्वीकार किया। पार्षद के मकान में हुई चोरी का माल बरामद करने के लिए मोनिया पवार को पुलिस ने न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया है वहीं नाबालिगो को बाल संप्रेषण गृह भेजा गया है। फरार चौथे आरोपी के हिरासत में आने पर और भी वारदातों का सुराग मिल सकता है। थाना प्रभारी गमर सिंह मंडलोई ने बताया तीनों बदमाशों से 6 लाख के आभूषण बरामद किए है। तीनों को गिरफ्तार करने में सहायक उप निरीक्षक संतोष राव, सीताराम भुरिया, सावित्री कटारा, आरक्षक अमरनाथ, पंकज पाटीदार, ब्रजेन्द्र भारती, योगेश की भूमिका रही।

# स्टॉप डायरिया सह दस्तक अभियान के अन्तर्गत आयोजित हुई कार्यशाला

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** स्टॉप डायरिया कैम्पेन सह दस्तक अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु कार्यशाला का आयोजन गुरुवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. अशोक कुमार पटेल के निर्देशन में कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी में किया गया। कार्यशाला में डॉ. जितेन्द्र राजपूत, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, उज्जैन, शहरी परियोजना अधिकारी, श्री दिलीप वसुनिया, सहायक कार्यक्रम प्रबंधक, पब्लिक हेल्थ मैनेजर, उज्जैन शहरी क्षेत्र में कार्यरत सुपरवाइजर व स्वास्थ्य कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

शासन के निर्देशानुसार बाल्यकालीन बीमारियों की पहचान एवं त्वरित उपचार व रेफरल सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश भर में दस्तक अभियान का प्रथम चरण 14 जुलाई से 31 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि डायरिया बीमारी से बढ़ती शिशु मृत्यु दर को संज्ञान में लेते हुए ÷स्टॉप डायरिया कैम्पेन सह दस्तक अभियान÷ डायरिया की रोकथाम, सफाई और ओआरएस से रखे अपना ध्यान की थीम पर आधारित है। इसमें जन्म से पाँच वर्ष तक के बच्चों में गंभीर कुपोषण, एनीमिया, निमोनिया, निर्जलीकरण एवं संक्रमण की पहचान, त्वरित उपचार एवं आवश्यकता अनुसार रेफरल के साथ-साथ विटामिन ए की खुराक दी जाएगी तथा ओ.आर.एस. पैकेट व जिंक टैबलेट का वितरण किया जाएगा।